▶▶ वर्ष 72 ▶▶ अंक 320 ▶▶ पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 18 अगस्त, 2025
▶▶ भाद्रपद कृष्ण पक्ष 10, विक्रम संवत् 2082
▶▶ नगर ▶▶ मूल्य 5 रुपए ▪▪

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

"सबसे बड़ा जोखिम है-कोई जोखिम न लेना। तेजी से बदल रही दुनिया में एकमात्र रणनीति जो निश्चित ही असफल होगी, वह है जोखिम न लेना।
– मार्क जुकरबर्ग

ऑफ बीट

शराब ऐसी कि एक ही पेग बना देती है दीवाना

टकीला आज दुनियाभर के शराब प्रेमियों के बीच बेहद लोकप्रिय है, लेकिन इसके दिलचस्प इतिहास और सांस्कृतिक महत्व के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। तेज और विशिष्ट स्वाद वाली यह खास शराब, मैक्सिकन संस्कृति का अहम हिस्सा है, जिसने पूरी दुनिया को अपना दीवाना बना लिया है। दिलचस्प बात यह है कि 1918 में फैले स्पैनिश फ्लू के दौरान डॉक्टर टकीला को एक इलाज के रूप में सुझाते थे। उनका मानना था कि नमक और नींबू के साथ टकीला पीने से फ्लू के लक्षण कम हो सकते हैं। यह इस बात का सबूत है कि टकीला को सिर्फ पार्टी ड्रिंक ही नहीं, बल्कि एक औषधीय पेय के रूप में भी लंबे समय से जाना जाता रहा है। टकीला एक डिस्टिल्ड ड्रिंक है, जिसे सिर्फ ब्लू एगेव पौधे से बनाया जाता है। वैज्ञानिकों की माने तो ये पौधा लिली परिवार का एक सदस्य है और अपने लंबे नुकीले कांटों के लिए जाना जाता है। टकीला की कहानी एज़्टेक सभ्यता से शुरू होती है। 250-300 ईसा पूर्व में एज्टेक सभ्यता के समय एगेव के गूदे से थोड़ा खट्टा पेय और उसे फर्मेंटेड किया। परिणामस्वरूप जो अल्कोहल बना वो एक पवित्र पेय था, जिसका सेवन धार्मिक समारोहों और पवित्र संस्कारों में किया जाता था। शराबियों की पसंद ये इस ड्रिंक को मेक्सिको की शान कहा जाता है और इसे पीने वाले लोग इसे एकदम नीट ही पी जाते हैं। यह एक स्ट्रांग ड्रिंक है, जिसमें अल्होकल की मात्रा 40 से 50 फीसदी तक होती है। टकीला का उत्पादन मुख्य रूप से मेक्सिको के जालिस्को राज्य में किया जाता है।

कथित 'वोट चोरी' के आरोप चुनाव आयोग ने पूरी तरह नकारे, राहुल को दिए दो विकल्प

ईसी का अल्टीमेटमः 7 दिन में दें हलफनामा या देश से माफी मांगें

- **विपक्ष का आरोपः** वोटर लिस्ट में गड़बड़ी और वोट चोरी से लोकतंत्र खतरे में है।
- **आयोग का सवालः** अगर उनके प्रतिनिधियों ने सूची को सत्यापित किया था, तो अब भ्रम क्यों फैलाया जा रहा है।
- **आयोग का जवाबः** त्रुटि सुधारने के लिए पूरी कानूनी प्रक्रिया उपलब्ध है, पर आरोप लगाने वाले उसका उपयोग नहीं करते।

नई दिल्ली, जेएनएन। चुनाव आयोग (ईसी) और विपक्ष के बीच 'वोट चोरी' को लेकर टकराव और गहराता जा रहा है। रविवार को चीफ इलेक्शन कमिश्नर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने नेशनल मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बिना नाम लिए राहुल गांधी पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा दिखाए गए प्रेजेंटेशन में इस्तेमाल डेटा चुनाव आयोग का नहीं है। आरोप लगाने वालों को अब या तो हलफनामा देना होगा या फिर पूरे देश से माफी मांगनी होगी।

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि विपक्ष को अवसर रहते वोटर लिस्ट की त्रुटियों पर आपत्ति दर्ज करनी चाहिए थी। जब ड्राफ्ट सूची थी तो कोई आवेदन नहीं आया। नतीजे आने के बाद अचानक आरोप लगाने लगे।

उन्होंने महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के मुख्य चुनाव अधिकारी को अब तक कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। चुनाव हुए आठ महीने हो चुके हैं। केवल बार-बार आरोप दोहराने से वह सच नहीं हो जाता। सूरज पूरब में ही उगता है, पश्चिम में नहीं।

सीईसी ने चेतावनी दी कि आयोग पर बंदूक तानकर मतदाताओं को अपराधी घोषित करना अस्वीकार्य है। या तो हलफनामा दें, या पूरे देश से माफी मांगे। तीसरा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने साफ किया कि आयोग गरीब, अमीर, महिला, पुरुष, बुजुर्ग, युवा—हर वर्ग के साथ मजबूती से खड़ा है और खड़ा रहेगा।

इस विवाद के बीच बिहार में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) का मुद्दा भी उठा। सीईसी ने कहा कि पिछले 20 सालों से एसआईआर नहीं किया गया था। अब तक 10 से ज्यादा बार यह प्रक्रिया देश में हो चुकी है।

उन्होंने वोटर लिस्ट प्रक्रिया पर साफ किया कि केवल भारतीय ही वोट दे सकते हैं। अन्य देश के व्यक्ति का नाम सूची में है, तो वह एसआईआर में दस्तावेज देकर अपनी नागरिकता साबित करेगा, अन्यथा उसका नाम हटा दिया जाएगा। इससे पहले 7 अगस्त को राहुल गांधी ने एक घंटे से अधिक चले प्रेजेंटेशन में चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' और भाजपा से साठगांठ का आरोप लगाया था। उन्होंने कर्नाटक और महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट दिखाते हुए कहा कि इसमें संदिग्ध मतदाता शामिल हैं।

"अगर सात दिन में हलफनामा नहीं मिला तो हम मानेंगे कि ये सारे आरोप बेबुनियाद हैं। चुनाव आयोग को बदनाम करने और जनता को गुमराह करने की कोशिश लोकतंत्र का अपमान है।
● **ज्ञानेश कुमार**
सीईसी

कांग्रेस का पलटवार

चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस के तुरंत बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि आयोग पूरी तरह बेनकाब हो गया है। उन्होंने कहा, 'ईसी न सिर्फ नाकाम है, बल्कि पक्षपाती भी साबित हो चुका है। राहुल गांधी ने जो बातें कहीं, वे आयोग के अपने आंकड़ों पर आधारित हैं। सीईसी ने किसी सवाल का सार्थक जवाब नहीं दिया। बिहार में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का आयोग पालन करेगा या नहीं, यह भी साफ नहीं है।

आरोपः चुनाव आयोग सत्तापक्ष की ओर झुका हुआ है और विपक्ष की चिंताओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है।

तर्कः मां-बहनों की तस्वीरें क्यों करें सार्वजनिक
प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि मतदाताओं की तस्वीरें बिना अनुमति मीडिया में दिखाना गंभीर अपराध है। क्या किसी मां, बहू या बेटी की तस्वीर यूं सार्वजनिक की जा सकती है? मतदाता सूची में नाम होने का मतलब है कि वह व्यक्ति वैध रूप से वोट देने का हकदार है।

बिहार वोटर लिस्ट रिवीजन पर बोले

- 24 जून से बिहार में यह प्रक्रिया शुरू हुई और 20 जुलाई तक अधिकांश काम पूरा हो गया।
- मतदाता सूची चुनाव से पहले दुरुस्त होना कानूनी जिम्मेदारी है, बाद में नहीं।
- 15 दिन का समय अभी बाकी है, सभी दल और मतदाता त्रुटियों को सुधार सकते हैं।
- राजनीतिक दलों के बीएलए और बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) मिलकर सूची की जांच कर रहे हैं।

वोटर लिस्ट पर आयोग की सफाई

सीईसी ने विस्तार से चुनावी प्रक्रिया समझाते हुए बताया कि-

- वोटर लिस्ट पहले राजनीतिक दलों को दी जाती है।
- ड्राफ्ट सूची पर आपत्ति दर्ज करने का समय होता है।
- फाइनल सूची के बाद चुनाव होते हैं और उम्मीदवारों को केंद्रवार सूची दी जाती है।
- मतदान केंद्रों पर पोलिंग एजेंट को नामित करने का अधिकार उम्मीदवार के पास होता है।
- इतनी पारदर्शी प्रक्रिया में किसी का वोट चुराना संभव नहीं है।

राहुल के दावे

- महाराष्ट्र के नतीजे देखकर यकीन हुआ कि चुनाव में धांधली हुई।
- मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट न देना आयोग की मिलीभगत का सबूत है।
- यह मॉडल पूरे देश में इस्तेमाल हुआ।

सीपी राधाकृष्णन एनडीए के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार

21 अगस्त को नामांकन, 9 सितंबर को होगा चुनाव

नई दिल्ली, जेएनएन। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को एनडीए ने उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है। रविवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में हुई संसदीय दल की बैठक में उनके नाम पर सहमति बनी। बैठक के बाद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस निर्णय की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता बैठक में मौजूद थे।

राधाकृष्णन 21 अगस्त को नामांकन दाखिल करेंगे। इस अवसर पर एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि राधाकृष्णन का अनुभव और समर्पण देश के लिए प्रेरणा है। दरअसल, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल अगस्त 2027 तक था। उनके इस्तीफे के बाद से उपराष्ट्रपति का पद खाली हो गया था। संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार 6 महीने के भीतर चुनाव कराना अनिवार्य होता है, जिसके चलते चुनाव आयोग ने 9 सितंबर की तारीख तय की।

चयन की वजहः दक्षिण भारत से आने वाले राधाकृष्णन संगठनात्मक और राजनीतिक दोनों ही मोर्चों पर लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। सार्वजनिक जीवन में उनकी साफ-सुथरी छवि और संघ-भाजपा के प्रति समर्पण ने उन्हें इस अहम जिम्मेदारी तक पहुंचाया है।

संघ से महाराष्ट्र के गर्वनर तक का सफर

सीपी राधाकृष्णन का पूरा नाम चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन है। उनका जन्म 4 मई 1957 को तिरुपुर, तमिलनाडु में हुआ था। वे 16 वर्ष की उम्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े। 1998 और 1999 में वे कोयंबटूर से भाजपा के टिकट पर सांसद बने। 2004 से 2007 तक तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे। संगठनात्मक कार्य और राजनीतिक अनुभव को देखते हुए उन्हें जुलाई 2023 में झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया और इसके बाद महाराष्ट्र के राज्यपाल का दायित्व मिला। अब एनडीए ने उन्हें देश के दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद के लिए उम्मीदवार बनाया है।

उपराष्ट्रपति बनना तयः 9 सितंबर को होने वाला उपराष्ट्रपति पद का चुनाव महज औपचारिकता माना जा रहा है। क्योंकि एनडीए के पास इसके लिए पर्याप्त बहुमत है। ऐसे में लगभग तय है कि सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति होंगे।

एनडीए की स्थिति मजबूत

लोकसभा में कुल 542 सांसद हैं, जिनमें से 293 सांसद एनडीए के पास हैं। राज्यसभा में 245 सदस्य हैं, जिनमें से 129 एनडीए के हैं। खाली सीटों को मिलाकर भी एनडीए के पास 422 सांसदों का समर्थन है, जबकि जीत के लिए 391 वोटों की आवश्यकता है। इस लिहाज से राधाकृष्णन की जीत लगभग तय मानी जा रही है। अगस्त 2022 में हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ ने 528 वोट हासिल कर विपक्षी उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को हराया था, जिन्हें मात्र 182 वोट मिले थे। उस चुनाव में 56 सांसदों ने मतदान नहीं किया था।

जिले भर में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

स्कूलों में छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत किया सांस्कृतिक कार्यक्रम

जागरण, सतना। शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस जिले भर में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान जहां सरकारी कार्यालयो, औद्योगिक संस्थानो में ध्वजारोहण कर कार्यक्रम आयोजित किये गये वहीं स्कूलो में बच्चो ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

भारत इंटरनेशनल स्कूल में विधायक विक्रम सिंह ने किया ध्वजारोहण

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर भारत इंटरनेशनल सीबीएसई स्कूल तपा में रामपुर बाघेलान विधायक विक्रम सिंह बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित रहे और ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी तत्पश्चात विद्यालय के बच्चों ने परेड के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए अतिथियों का स्वागत किया आयोजित कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि विद्याधर तिवारी विद्यालय के चेयर मैन सुनील सोनी डायरेक्टर श्रीमती पदमा सोनी डायरेक्टर अभिषेक सोनी विद्यालय की प्राचार्य अंकुर कुलकर्णी के साथ विद्यालय का समस्त स्टाफ और अभिभावक के साथ विद्यालय के बच्चे कार्यक्रम में उपस्थित रहे और कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से अतिथियों का मन मोह लिया।

आदर्श स्कूल में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

नगर परिषद रामपुर बघेलान अंतर्गत संचालित आदर्श उच्च मा वि रामपुर बघेलान में 79वा स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।जिसमें मुख्य अतिथि रामकुमार आदिवासी अध्यक्ष शिक्षा समिति नगर परिषद रामपुर बघेलान ने ध्वाजारोहण किया और कार्यक्रम की अध्यक्षता सुदर्शन कोल पूर्व पार्षद नगर परिषद रामपुर बघेलान ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में धर्मेंद्र शुक्ला समाज सेवी रामपुर बघेलान उपस्थित रहे।कार्यक्रम में राष्ट्रगान वीना सिंह प्रांजलि विश्वकर्मा प्रिया सिंह देश भक्ति गीत गाये और सुभी गोस्वामी तान्या रावत सहित अन्य विद्यार्द्दियो ने मनमोहक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर अधिवक्ता आर बी सिंह ने बच्चो को पुरस्कार देकर सम्मानित किया तथा मन लगाकर पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्य क्रम मे विद्यालय के प्राचार्य रामचरित सिंह के साथ समस्त स्टाप और अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित रहे वहीं कार्य क्रम का संचालन पंकज सिंह ने किया।

ज्ञान गंगा पब्लिक स्कूल में लहराया तिरंगा

ज्ञान गंगा पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम मनाया गया जिसमें अतिथियों की असंधि के क्रम में मुख्यातिथि के रूप में डॉ रविन्द्र नाथ अग्निहोत्री किरण सत्यमन सिंह परमार पार्षद वार्ड न 09 कार्यक्रम के अध्यक्ष अनिल निगम विशिष्ट अतिथि के रूप में सवाई लाल सिंह बघेल शिवांक त्रिपाठी नीतू दिलीप सोनी पार्षद वार्ड न 08 रहे जिसमें बच्चो के मनमोहक कार्यक्रम एवं किड्स प्ले के बच्चो ने अपने प्यारे एवं देश भक्ति से ओतप्रोत नृत्य की प्रस्तुति दी विद्यालय प्रबंधक द्वारा माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित परीक्षा वर्ष 2025 में अव्वल आए बच्चो को स्कूल का मोमेंटोएप्रशस्ति पत्र और प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया।

प्रिज्म जॉनसन एवं प्रिज्म स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया

भारतीय विद्या भवन प्रिज्म स्कूल एवं प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस 2025 पारंपरिक जोश एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ मनीष कुमार सिन्हाए सीनियर वाइस प्रेसीडेंटए एचआरएम एंड कारपोरेट अफेयर्स प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड एवं अध्यक्षए विद्यालय प्रबंधन समितिए विशिष्ट अतिथि श्री मनीष कुमार सिंह प्रेसीडेंट एण्ड हेड प्लांट व अन्य गणमान्य अतिथि एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड के डीजीएम जनसंपर्क एंड सीएसआर देवेंद्र मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि शाला के मुख्य द्वार पर मुख्य अतिथि का स्वागत प्राचार्य डॉ0 रामानंद गोस्वामी, एस पी तिवारी वीरेन्द्र गुप्ता व आशीष कुमार तिवारी के साथ प्रिज्म सुरक्षा विभाग की ओर से पायलट सुरेश सिंह पटेल, नागेन्द्र सिंह बघेल, कमांडर मनोज कुमार सोनी एवं विद्यालय पायलट यश पाण्डेय और आरिफ घरामी ने किया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का आरोहण कर किया गया। तदुपरान्त शाला के छात्र.छात्राओं द्वारा मार्चपास्ट किया गया। परेड कमांडर हिमांशु तिवारी के साथ अलकनंदा सदन का अंबुज पटेलए कावेरी सदन का अमित शुक्लाए नर्मदा सदन का आदित्य सिंह सेंगरए बालिका वर्ग का प्रगति तिवारी एवं विद्यालय बैंड दल का कृपा शंकर ने नेतृत्व किया। प्राची सिंह द्वारा उपस्थित जन समुदाय को प्रतिज्ञा दिलाई गई। राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस समारोह के भव्य अवसर पर उपस्थित फैक्ट्री के अधिकारियोंए कर्मचारियों तथा अभिभावकगण को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ मनीष कुमार सिन्हा ने शहीदों को स्मरण करते हुए उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि महोदय ने अभिभावको एवं छात्रों को बताया कि स्वतंत्रता दिवस मनाना केवल ऐतिहासिक घटनाओं का स्मरण नहीं है वरन यह राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है।

आरसीसीपीएल में फहराया तिरंगा : आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड मैहर इंटीग्रेटेड यूनिट एमपी बिरला समूह ने 79वां स्वतंत्रता दिवस एक जीवंत और देशभक्ति पूर्ण समारोह के साथ मनायाए जो कंपनी के राष्ट्रीय गौरव और सामुदायिक एकता के प्रति गहरे समर्पण को दर्शाता है। कंपनी परिसर में आयोजित इस समारोह ने कर्मचारियोंए उनके परिवारों और हितधारकों को एक यादगार उत्सव में एकजुट कियाए जो उत्साह और देशभक्ति से भरा था।कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि यूनिट प्रमुख पी के चौधरी के मुख्य द्वार पर आगमन के साथ हुईए जहां उनकी अगवानी औपचारिक पोशाक में सुरक्षा टीम ने की और उन्हें सेंट्रल कंट्रोल रूम सीसीआर तक ले जाया गया। सुरक्षा प्रमुख ने मुख्य अतिथि का औपचारिक स्वागत कियाए जिसके बाद एचआर प्रमुख ने जनरल सैल्यूट के साथ स्वागत किया और लेडीज क्लब की अध्यक्ष ने महिला कर्मचारियों के साथ मिलकर हार्दिक अभिनंदन किया।समारोह का एक प्रमुख आकर्षण परेड निरीक्षण थाए जिसका नेतृत्व मुख्य अतिथि ने सुरक्षा प्रमुख और मंच पर मौजूद दो पायलटों के साथ किया जिसमें अनुशासन और समन्वय का शानदार प्रदर्शन हुआ। ध्वजारोहण समारोहए इसके बाद राष्ट्रीय सलामी और राष्ट्रगान ने वातावरण को देशभक्ति के उत्साह से भर दिया।मुख्य अतिथि का प्रेरणादायक संबोधन एकता और प्रगति पर केंद्रित थाए जिसने दर्शकों के बीच गहरी छाप छोड़ी। इसके बाद एक आकर्षक ऑर्केस्ट्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआए जिसमें आरसीसीपीएल समुदाय की प्रतिभा और देशभक्ति की भावना प्रदर्शित हुई। समारोह में योगदान के लिए उपहार वितरण समारोह भी आयोजित किया गया ।

बालाजी स्कूल में ध्वजारोहण

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर श्री बालाजी बाल विद्या मंदिर रामपुर बाघेलान में ध्वजारोहण सेवानिवृत्त प्रधान अध्यापक ओंकारनाथ वर्मा द्वारा किया गया और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी एवं बच्चों को आशीर्वचन प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक जयकरण प्रसाद विश्वकर्मा ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत प्राचार्य चंदूलाल सोनी एवं पुरुषोत्तम लाल केशरवानी ने अपने विचार व्यक्त किये। विद्यालय की छात्र.छात्राओं ने गीत एवं नृत्य के माध्यम से अपनी.अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक अजय त्रिपाठीए काजल वर्मा अश्वनी त्रिपाठी सीमा विश्वकर्मा सुप्रिया मिश्रा रोशनी वर्मा श्वेता सोनीआस्था विश्वकर्मा एवं जयप्रकाश विश्वकर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा विद्यालय के संचालक उमेश कुमार विश्वकर्मा ने पधारे हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

केजेएस सीमेंट ने हर्षोल्लास से मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस

केजेएस सीमेंट मैहर में देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया गया । कंपनी के सभी अधिकारीए कर्मचारियों व श्रमिक समुदाय ने समारोह में भाग लिया। कार्यकारी निदेशक कर्नल रिटा नीरज वर्मा ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के पूर्व सुरक्षा प्रहरियों के दस्ते के आकर्षक मार्च पास्ट व परेड निरीक्षण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कर्नल वर्मा ने अपने संबोधन में उपस्थितजनों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव का जिक्र किया और सेना के शौर्य की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि हम और आप भी गुणवत्तापूर्ण सीमेंट का उत्पादन कर राष्ट्र निर्माण में सहयोगी हैं और देश की तरक्की में योगदान कर रहे हैं। कर्नल वर्मा ने कंपनी के सभी विभागों खासतौर से सुरक्षा चिकित्सा एवं एचआर विभाग की सराहना की और सभी कर्मचारियों से अपील की कि राष्ट्र के लिए इस महत्वपूर्ण दिन को अपने लिए भी कुछ शुभ संकल्प लेकर महत्वपूर्ण बनाएं। समारोह को मानव संसाधन व प्रशासन विभाग के उपाध्यक्ष विकास रायजादा ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हम सुरक्षा विभाग के उन चुनिंदा कर्मचारियों को सम्मानित करने जा रहे हैं जिन्होंने अपने साहसिक कर्तव्यों से कंपनी की सेवा की। इस अवसर पर कमला प्रसाद द्विवेदी, पुष्पेंद्र सिंह, विपिन शुक्ला एवं चंद्रदेव सिंह इन चार विशेष सुरक्षा प्रहरियों को सम्मानित किया गया जिन्हें पूर्णकालिक निदेशक केएस सिंघवी, सीओओ राजेश बैरागी, कंपनी प्रबंधक राजेश शुक्ला सीएफओ महेश जैन एवं प्रोसेस इंचार्ज बीके ठाकुर के हाथों प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क प्रबंधक निरंजन शर्मा ने किया । इस अवसर पर सभी प्रमुख कंपनी अधिकारियों सहित अनिल राय, केवीआर मूर्ति , रविकांत नम्मी, दीपक शर्मा वीरेन्द्र गौतम बमबम चौधरी, चिराग सक्सेना व अमरेन्द्र सिंह आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

मैहर के रोपवे कार्यालय में हुआ ध्वजारोहण

दामोदर रोपवेज़ एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा माईहर रोपवे परिसर में स्वतंत्रता दिवस हर्ष और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण उपखंड अधिकारी एसडीएम विकास सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जितेन्द्र कुमार पटेल तहसीलदार मैहर सचिन मिश्रा सदस्य मंदिर समिति तथा संतोष कुमार तिवारी एरिया सिक्योरिटी इंचार्ज एसआईएस लिमिटेड की विशिष्ट उपस्थिति रही। साथ ही रोपवे के सभी कर्मचारी एवं सुरक्षा कर्मियों ने भाग लिया। राष्ट्रगान के साथ देशभक्ति का वातावरण बना और अंत में राष्ट्र की सेवा तथा समाज के उत्थान हेतु सामूहिक संकल्प लिया गया।

तक्षशिला स्कूल में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम : तक्षशिला एकेडमी सीनियर सेकेंडरी अमरपाटन में सांस्कृतिक कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों ने छात्रों को हमारे महानायक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में प्रेरणादायक जानकारी दी। बच्चों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दींए जिनमें नृत्य और अन्य मनोरंजक कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण रहे। विद्यालय परिवार सभी शिक्षक.शिक्षिकाओं तथा मुख्य अतिथि सुमनोत्तम द्विवेदी द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं छात्रों का उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य अतिथि श्री द्विवेदी ने अपने उद्बोधन में आज़ादी के महान नायकों के जीवन त्याग और संघर्ष के बारे में विस्तार से बताया तथा विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

चित्रकूट विधानसभा की तिरंगा यात्रा बड़ी धूमधाम से निकाली गई

विधानसभा चित्रकूट में विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार के नेतृत्व में सभी मंडल अध्यक्षों के संयोजकत्व में शानदार तिरंगा यात्रा चली। यात्रा में सभी शहीद स्थलों तक पहुंचा गया पॉंचों मण्डलों की यात्रा को मिलाकर एक हजार से अधिक मोटर साइकिलों, सैकड़ों चार पहिया वाहनोंए ट्रेक्टरों ने भाग लिया सभी यात्रायें डीजे गाजे बाजे के साथ निकाली गई । यात्रा बडे गॉंवों से चलकर बडे गॉंवों तक गई ए सभी यात्रायें मण्डल मुख्यालयों से निकली ए यात्राओं का उत्साह देखते बनता था । सड़क किनारे घरों, घरों की छतों से बड़े आत्मीय राष्ट्रभाव से लोग देखते रहेए जगह.जगह यात्राओं का स्वागत हुआ ए यात्रा में बहुत ही आनंद के साथ अपनेपन और एकता का बोध हुआ। पूरी यात्रा मे राष्ट्रीय नारे भारत माता की जय , बंदे मातरम के उदघोष के साथ राष्ट्रभाव के गीत गाये गये। इस तिरंगा यात्रा की कल्पना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की है जिसे सराहा गया उनके भी नारे लगते रहे। पार्टी कार्यकर्ताओं ए नौजवानों ने आम नागरिकों नेए सभी जाति धर्म के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। पूरी यात्राओं को शहरए गॉंवए पडोस को तिरंगामय करनें का श्रेय सभी मण्डलों एवं उनकी टीम को जाता है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रति सदैव ऋणी रहूंगा: दिलीप मिश्रा

जागरण, सतना। जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने पार्टी के जिलाध्यक्ष के रूप में कांग्रेस सभी वरिष्ठ नेताओं पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा दिये गए सहयोग के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा है कि मेरे कार्यकाल के दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने मुझे जो सहयोग और सम्मान दिया है उसके लिए मैं हमेशा ऋणी रहूंगा। श्री मिश्रा ने जारी बयान में कहा है कि मैंने विपरीत परिस्थितियों में कांग्रेस की बागडोर संभाली थी ऐसी स्थिति में पार्टी कार्यकर्ताओं के सहयोग के बिना कुछ भी कर पाना सम्भव नहीं था । श्री मिश्रा ने कहा कि जनहित के मुद्दों पर एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका का निर्वहन करने में पार्टी के महान कार्यकर्ताओं के सहयोग और समर्पण को कभी नहीं भुलाया जा सकता। श्री मिश्रा ने मीडिया के साथियों को भी धन्यवाद देते हुए कहा कि एक जिम्मेदार और निष्पक्ष भूमिका का निर्वहन करते हुए सतना की मीडिया ने जो नैतिक समर्थन दिया उसके लिए मैं सदैव आभारी रहूंगा। श्री मिश्रा ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट करते हुए की कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने मुझ पर जो भरोसा और विश्वास किया उसके लिए मैं सदैव आभारी रहूँगा।

शुभम मिश्रा ने किया प्रदेश का नाम रोशन, राज्यपाल ने किया सम्मानित

जागरण, मुकुन्दपुर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक संचालक तकनीकी परीक्षा में सफलता हासिल करने के बादए निवासी ग्राम कोंतर तहसील अमरपाटन जिला मैहर मध्य प्रदेश के निवासी युवा छात्र शुभम मिश्रा को राज्यपाल द्वारा विशेष सम्मान से आज 17अगस्त 25 को नवाजा गया। राज्यपाल ने उनकी असाधारण उपलब्धि और कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। साथ ही सपरिवार को भी राजपाल द्वारा शुभकामनाएं दी गई। शुभम जो नरेंद्र प्रसाद मिश्रा सेवानिवृत्त शिक्षक एवं माता श्रीमती चन्द्रकला मिश्रा वर्तमान में अधीक्षक सीनियर छात्रावास मुकुन्दपुर में पदस्थ हैं जिनके पुत्र हैंए ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार शिक्षकों और मित्रों के अटूट समर्थन को दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि यह उन सभी युवाओं के लिए एक प्रेरणा है जो लगन और समर्पण के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रयासरत हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने शुभम की सफलता को राज्य के अन्य छात्रों के लिए एक आदर्श बताया।

अकैडमिक हाइट्स में जन्माष्टमी का उत्सव मनाया गया

सतना। अकैडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस का एवं जन्माष्टमी का संयुक्त उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामकांत त्रिपाठी जो संगीत के माहिर और उस्ताद अलाउद्दीन खान संगीत महाविद्यालय के प्रतिष्ठित गुरु हैं उपस्थित रहे। श्री त्रिपाठी ने भारत के कई प्रमुख मंचों पर अपनी कला का प्रदर्शन किया है जैसे बाबा अलाउद्दीन खान संगीत समारोह मैहरय तानसेन समारोह ग्वालियरय चक्रधर समारोह रायगढ़य भारत भवन व रवींद्र भवन भोपालय नाद मंजरी उत्सव बिलासपुर आदि। समारोह की शुरुआत संस्था के चेयरमैन शम्मी पुरी द्वारा ध्वजारोहण से हुई प्राचार्या डॉ हिमानी सिंह उप प्राचार्य संजीव सिंह सेंगर उपस्थित रहे । छात्रों ने हाउस वाइज सोलो और ग्रुप गाने और नृत्य प्रदर्शन प्रस्तुत किए। बच्चों के सभी प्रदर्शन के परिणाम मुख्य अतिथि रमाकांत त्रिपाठी ने घोषित किए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण हाउस वाइज मटकी फोड़ प्रतियोगिता जिसमें छात्र.छात्राओं ने रंग.बिरंगी झांकियों और सजावट के साथ भगवान कृष्ण की झांकी और मटकी फोड़ की परंपरा को जीवंत किया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

जागरण, सतना। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर मुख्य बाजार से श्री बलदाऊ मंदिर तक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन रामपुर बाघेलान विधायक विक्रम सिंह विक्की भैया द्वारा किया गया। शोभायात्रा यात्रा उपरांत श्री कृष्ण जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। आयोजित शोभायात्रा में रामपुर बघेलान से भारी संख्या में लोगों ने शोभायात्रा में भाग लिया और श्री बलदाऊ मंदिर पहुंचकर भगवान श्री कृष्णा और बलदाऊ जी की पूजा अर्चना की आयोजित शोभायात्रा में मुख्य रूप से विधायक विक्रम सिंह थाना प्रभारी संदीप चतुर्वेदी विधायक प्रतिनिधि विद्याधर तिवारी नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि कमलेश कचेर आशीष सिंह अंबू शिवांक त्रिपाठी शंकर केसरी दिलीप सोनी प्रदीप सोनी सुंदर केसरवानी अरुण केसरवानी शिवमोहन सिंह सुनील सिंह संदीप गुप्ता कुबेर ताम्रकार अजय गुप्ता मनीष गुप्ता पुष्पराज कुशवाहा मुकेश त्रिपाठी शैलेंद्र निगम पवन गौतम गंगा सिंह संदीप गौतम रामकृष्ण गुप्ता जितेंद्र गुप्ता प्रणेश त्रिपाठी सोनू त्रिपाठी अतुल गुप्ता लकी गुप्ता राज गुप्ता आशीष सिंह इटमा के साथ बड़ी संख्या में लोग शोभायात्रा में मौजूद रहे।

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

▸▸ वर्ष 72 ▸▸ अंक 320 ▸▸ पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 18 अगस्त, 2025
▸▸ भाद्रपद कृष्ण पक्ष 10, विक्रम संवत् 2082
▸▸ नगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

www.dainikjagranmpcg.com

“हम जीवन के चमत्कार को पूरी तरह से तभी समझ पाएंगे जब हम अप्रत्याशित को घटित होने देंगे।
– पाउलो कोएलो

संक्षिप्त खबरें

शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक डॉ. एलवी कृष्णन का निधन

चेन्नई, जेएनएन। भारत के प्रमुख परमाणु सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ एलवी कृष्णन का 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने देश के तेज प्रजनक रिएक्टर

(फास्ट ब्रीडर रिएक्टर एफबीआर) कार्यक्रम को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डॉ. कृष्णन ने कलपक्कम स्थित इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र में सेफ्टी रिसर्च लेबोरेटरी की स्थापना की थी। वे 1997 में आईजीसीएआर के सेफ्टी रिसर्च और हेल्थ फिजिक्स कार्यक्रमों के निदेशक पद से सेवानिवृत्त हुए। उनके नेतृत्व में कलपक्कम के लिए आपातकालीन तैयारी योजना शुरू की गई, जिसकी ड्रिल बाद में देशभर के परमाणु ऊर्जा केंद्रों के लिए मॉडल बनी। उन्होंने स्वदेशी तेज प्रजनक परीक्षण रिएक्टर की सुरक्षा देखरेख की, जिससे भारत रूस के बाद दूसरा देश बनने की कगार पर है जिसके पास वाणिज्यिक एफबीआर क्षमता होगी। डॉ. कृष्णन ने 1958 में परमाणु ऊर्जा विभाग में अपना करियर शुरू किया।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला

पत्रकार राजीव शर्मा और अन्य को किया बरी

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली की एक अदालत ने पत्रकार राजीव शर्मा, चीनी नागरिक चिंग शी और शेर सिंह उर्फ राज बोहरा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले से बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि जब कोई अपराध ही साबित नहीं हुआ तो ईडी की कार्यवाही का कोई आधार नहीं है। अदालत ने साफ किया कि मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप उसी अपराध पर आधारित होता है, जिसे अनुसूचित अपराध कहा गया है, और यदि वह अपराध ही सिद्ध नहीं होता तो पूरा मामला ढह जाता है। ईडी ने 2021 में शर्मा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था। उन पर आरोप था कि वे चीनी खुफिया एजेंसियों को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गोपनीय दस्तावेज भेजते थे और इसके बदले हवाला चैनल और वेस्टर्न यूनियन के जरिये पैसा प्राप्त करते थे। 2020 में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शर्मा के खिलाफ गोपनीयता अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की थी। आरोप था कि शर्मा के चीनी अधिकारियों से संबंध थे और वे इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से संवेदनशील जानकारियां साझा करते थे।

उमरिया: मैहर में मिलीं पांच लापता छात्राएं

जागरण, उमरिया। उमरिया के बिरसिंहपुर पाली थाना क्षेत्र के गिंजरी बालिका छात्रावास से लापता हुई पांच छात्राएं हाल ही में मैहर जिले में मिल गई हैं। शनिवार रात जन्माष्टमी कार्यक्रम देखने के बाद आठवीं में पढ़ने वाली ये छात्राएं छात्रावास लौटीं। छात्रों के मिलने की पुष्टि करते हुए एसपी निवेदिता नायडू ने बताया कि पांचों बच्चियां मैहर रेलवे स्टेशन में मिल गई हैं। सभी को पाली लाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, रात करीब 11 बजे खाना खाकर वे अपने कमरों में सोने चली गईं। लेकिन रविवार सुबह नाश्ते की घंटी बजने पर 5 छात्राएं नहीं मिलीं। छात्रावास अधीक्षक और स्टाफ ने तलाश की। छात्राओं का पता नहीं चलने पर उनके परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच के दौरान पाया कि एक छात्रा की कॉपी में एक नोट था। इसमें लिखा था, मैं कुछ बनना चाहती हूं, कमाना-खाना चाहती हूं, इसलिए जा रही हूं। पुलिस ने छात्राओं की तलाश के लिए एसआईटी का गठन किया था। जांच में पता चला है कि हॉस्टल के मेन गेट का सीसीटीवी कैमरा बंद पड़ा था।

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में बादल फटा: कठुआ में 7 की मौत, कुल्लू में तबाही

कठुआ जिले में बादल फटने के बाद मलबा रेलवे ट्रेक पर आ गया जिससे आवागमन बाधित हुआ है।

श्रीनगर, शिमला, जेएनएन। रविवार सुबह जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में प्रकृति ने फिर कहर बरपाया। कठुआ जिले में एक साथ तीन जगह बादल फटने की घटना हुई, जबकि हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में भी बादल फटने से भारी तबाही मची। इन घटनाओं ने एक बार फिर पहाड़ी राज्यों की नाजुक भौगोलिक स्थिति और आपदा प्रबंधन की चुनौतियों को उजागर कर दिया है। कठुआ जिले के बॉर्डर से सटे जोद घाटी इलाके में बादल फटने से 7 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इसके अलावा मथरे चक, बगार्ड-चंगड़ा और दिलवान-हुटली में भी लैंडस्लाइड हुई। हादसे के बाद जोद गांव का शहर से संपर्क पूरी तरह टूट गया। रेस्क्यू टीम को गांव तक पहुंचने में घंटों मशक्कत करनी पड़ी। कई घरों में 4-5 फीट तक पानी और मलबा भर गया है।

डिप्टी एसपी राजेश शर्मा ने जानकारी दी कि लैंडस्लाइड में 2 से 3 मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अभी भी 6 लोगों के फंसे होने की आशंका है। जांगलोट समेत नेशनल हाईवे के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। रेलवे ट्रैक पर भी मलबा आ जाने से यातायात प्रभावित हुआ है।

हिमाचल प्रदेश: चंडीगढ़-मनाली हाईवे बंद

हिमाचल प्रदेश में रविवार सुबह करीब 4 बजे कुल्लू के शालानाला और टकोली में बादल फट गया। इसके बाद कुल्लू और मंडी के कई इलाकों में फ्लैश फ्लड आया। कई घरों को नुकसान हुआ और कई गाड़ियां बह गईं। टकोली सब्जी मंडी और फोरलेन पर भारी मलबा आ गया, जिससे चंडीगढ़-मनाली हाईवे बंद हो गया। पनारसा, नगवाई और टकोली में चारों तरफ मलबा फैल गया। एफकॉन कंपनी के ऑफिस और कॉलोनी की दीवार टूट गई और कर्मचारियों ने भागकर जान बचाई। हिमाचल प्रदेश आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, इस मानसून सीजन में अब तक 261 लोगों की मौत हो चुकी है।

किश्तवाड़ का दर्द: कोई नेता आता है, तभी चालू होती है जेसीबी

14 अगस्त को किश्तवाड़ के चसोटी में बादल फटा था। इस घटना में 65 लोगों की मौत हो चुकी है और 200 से ज्यादा लोग लापता हैं। 500 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन में सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस टीम जुटी हुई हैं। घटना स्थल पर पहुंचे जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। हालांकि, स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू कार्य में लापरवाही का आरोप भी लगाया। एक पीड़ित युवक ने कहा कि ‘जब कोई नेता आता है तो जेसीबी चालू कर दी जाती हैं, वरना पूरा दिन बंद रहती हैं।’

राहुल-तेजस्वी की ‘वोट अधिकार यात्रा’ में लंबे समय बाद मंच पर दिखे लालू यादव

विपक्ष ने बिहार में संविधान बचाने के नारे से शुरू किया चुनावी अभियान

सासाराम, जेएनएन। बिहार की सियासत रविवार को एक बार फिर गरमाई जब राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने संयुक्त रूप से ‘वोट अधिकार यात्रा’ की शुरुआत की। यह यात्रा सासाराम के सुआरा हवाई अड्डा मैदान से निकली और इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और वामपंथी दलों के कई नेता मंच पर मौजूद रहे।

काफी दिनों बाद किसी जनसभा में दिखे राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी मंच से जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा- ‘चोरों को हटाइए, भाजपा को भगाइए, हमारी पार्टी को जिताइए। किसी भी कीमत पर भाजपा को सत्ता में नहीं आने देना है। राहुल और तेजस्वी मिलकर इन्हें उखाड़ फेंकें।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी भाजपा और आरएसएस पर हमला बोलते हुए कहा कि आरएसएस वालों ने आजादी की लड़ाई में कितनी कुर्बानी दी? शून्य। ये लोग अंग्रेजों को नौकरी के लिए पत्र लिखते थे। ऐसे लोगों की आज प्रधानमंत्री लाल किले से तारीफ करते हैं। बिहार में 65 लाख गरीबों और मजदूरों के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं। संविधान ने सबको समान वोट का अधिकार दिया है। इसे हम छिनने नहीं देंगे। उन्होंने राज्य सरकार को ‘अंधे-बहरों की सरकार’ बताते हुए कहा कि आने वाले समय में यहां भी महागठबंधन की सरकार बनेगी। गौरतलब है कि ‘वोट अधिकार यात्रा’ अगले 16 दिनों में 20 जिलों से होकर 1300 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और 1 सितंबर को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में इसका समापन होगा। यात्रा में कांग्रेस, राजद और वामपंथी दलों के अलावा वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी जैसे सहयोगी भी शामिल हैं। सभा के दौरान राहुल गांधी के भाषण के बाद बड़ी संख्या में लोग पंडाल से निकलने लगे। लगभग 60 फीसदी लोग चले गए, जिससे कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे नाराज दिखे। यात्रा की पहली रात राहुल और तेजस्वी को कुटुंबा प्रखंड के बभंडीह स्पोर्ट्स ग्राउंड में रात्रि विश्राम करना था। लेकिन अचानक हुई बारिश के कारण मैदान में जलजमाव हो गया। जेसीबी मशीनों से पानी निकालने का काम देर शाम तक चलता रहा। इससे आयोजन की तैयारियों पर सवाल उठे। सभा के दौरान ‘वोट चोर गद्दी छोड़’ के नारे गूंजे। महागठबंधन ने यात्रा को एसआईआर के खिलाफ ही नहीं, बल्कि सरकार और भाजपा के खिलाफ आंदोलन का रूप देने की कोशिश की है।

तेजस्वी का तंज: वोट चोरी नहीं, डाका डाला जा रहा

सभा को संबोधित करते हुए राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, ‘आपके वोट की चोरी नहीं हो रही, बल्कि डाका डाला जा रहा है। बिहार लोकतंत्र की जननी है। वोटर लिस्ट से नाम काटे जा रहे हैं। आज वोट काट रहे हैं, कल पेंशन और राशन काटेंगे। मोदी सरकार बिहार के लोगों को चूना लगाना चाहती है। लेकिन उन्हें पता नहीं कि बिहार के लोग खैनी के साथ चूना खा जाते हैं।’

“यह संविधान को बचाने की लड़ाई है। भाजपा और आरएसएस देश के लोकतंत्र और संविधान को मिटाना चाहते हैं। जहां भी चुनाव होते हैं, वे किसी न किसी तरीके से जीतते हैं। महाराष्ट्र में ओपिनियन पोल हमारे पक्ष में थे, लेकिन नतीजे उलट गए। जांच कराने पर पता चला कि एक करोड़ नए मतदाता अचानक प्रकट हो गए। यह वोट चोरी है और बिहार की जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

● **राहुल गांधी,** नेता प्रतिपक्ष

यात्रा के दौरान राहुल और तेजस्वी खुली जीप पर सवार होकर जगह-जगह जनता का अभिवादन कर रहे हैं।

पहले 8-लेन एलिवेटेड हाईवे एक्सप्रेसवे का उद्घाटन

यूएस से टैरिफ वॉर के बीच मोदी ने दिया ‘स्वदेशी मंत्र’

गुरुग्राम/ नई दिल्ली, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली के रोहिणी से देश के पहले 8-लेन एलिवेटेड हाईवे द्वारका एक्सप्रेसवे और अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 (यूईआर-2) का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने अमेरिका के साथ चल रहे टैरिफ विवाद के बीच देशवासियों से ‘मेक इन इंडिया’ और ‘वोकल फॉर लोकल’ को अपनाने का आह्वान किया।

यह आह्वान ऐसे समय आया है जब भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ वॉर चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल आयात का हवाला देते हुए भारतीय वस्तुओं पर 50 फीसदी तक आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है। 7 अगस्त से 25 फीसदी टैरिफ लागू हो चुका है और 27 अगस्त से अतिरिक्त 25 फीसदी शुल्क भी लागू होगा।

उद्घाटन समारोह में पीएम मोदी ने कई मुद्दों पर विस्तार से बातें की।

मोदी ने कहा, 11 साल पहले हम अपनी जरूरत के फोन बाहर से मंगाते थे। आज देश हर साल 30-35 करोड़ मोबाइल फोन बना रहा है और निर्यात भी कर रहा है। यह ‘मेक इन इंडिया’ की सफलता है। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे अब विदेशी सामान के बजाय मेड इन इंडिया उत्पाद बेचें। पहले मुनाफे के लिए विदेशी सामान लाए जाते थे, लेकिन अब समय है कि हम लोकल प्रोडक्ट्स को गर्व से अपनाएं। प्रधानमंत्री ने कहा, एक दशक पहले भारत खिलौने भी आयात करता था।

उन्होंने कहा कि आज भारत 100 से ज्यादा देशों में खिलौने निर्यात कर रहा है। मोदी ने जीएसटी सुधारों का जिक्र करते हुए कहा कि दिवाली पर जनता को ‘डबल बोनस’ मिलेगा। इस दौरान मोदी ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के समय केवल फाइलें चलती थीं। विकास का असली काम तब शुरू हुआ जब केंद्र और राज्यों में भाजपा की सरकारें बनीं। पीएम ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, जो लोग सिर पर संविधान रखकर नाचते हैं, वही उसे कुचलते भी थे। बाबा साहब की भावनाओं से विश्वासघात करने वालों ने जनता का शोषण किया।

मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च को छह गुना बढ़ाया है। इससे न केवल विकास परियोजनाएं तेजी से पूरी हो रही हैं, बल्कि लाखों मजदूरों, इंजीनियरों और तकनीशियनों को रोजगार भी मिल रहा है।

‘मेड इन इंडिया’ अपनाने की अपील

आप भारतीय हैं, तो भारत में बने उत्पाद ही खरीदें। व्यापारी भी विदेशी सामान छोड़कर गर्व से मेड इन इंडिया उत्पाद बेचें। दिवाली पर भी वही सामान लें, जो भारतीयों ने बनाया है।

● **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

धर्मांतरण विवाद: प्रार्थना कर रहा पुलिसकर्मी बोला-

मैं कुकर्मी और रिश्वतखोर था यीशु ने मुझे पापों से छुड़ाया

जागरण, सीहोर। स्थानीय हाउसिंग बोर्ड कालोनी के एक मकान में धर्मांतरण की जानकारी मिलने पर बजरंग दल कार्यकर्ता पुलिस को लेकर वहां पहुंचे। मकान में एक पुलिसकर्मी सहित विभिन्न धर्मों के लोग प्रार्थना सभा में शामिल थे। पुलिस सभी को पूछताछ के लिए थाना कोतवाली लेकर आई। जानकारी के अनुसार पुलिस मौके पर पहुंची तो कई महिलाएं और बच्चों के अलावा एक पुलिसकर्मी व अन्य लोग मौजूद थे। मकान में मौजूद पुलिसकर्मी वीरेन्द्र अहिरवार का कहना था कि पहले मैं कुकर्मी और शराबी था। दिन-रात लड़कीबाजी करता था। अपने माता-पिता को परेशान करता था। एक नंबर का व्यभिचारी था, मुझे प्रभु यीशु ने पापों से छुड़ाया, उद्धार किया और पिछले 8 साल से मेरी पूरी जिंदगी उसने पलट दी।

“पुलिस पड़ोसियों के भी बयान ले रही है। जब्बार खान के बारे में भी जानकारियां जुटाई जा रही हैं। तथ्यों की जांच की जाएगी, उसके बाद संबंधितों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

● **अभिनंदना शर्मा**
नगर पुलिस अधीक्षक

यूट्यूबर एल्विश के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग

नई दिल्ली, जेएनएन। गुरुग्राम में रहने वाले फेमस यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी विजेता एल्विश यादव के घर पर रविवार सुबह ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। यह घटना सुबह लगभग 6 बजे की है, जब दो हमलावर बाइक से आए और घर पर करीब 25 से 30 राउंड फायरिंग की। यह पूरी वारदात घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो में दोनों हमलावर हेलमेट और चेहरे पर कपड़ा बांधे दिख रहे हैं। वे भागते हुए आते हैं और एल्विश के घर की ओर गोलियां चलाते हैं। गोलियां घर की बालकनी, दरवाजों, खिड़कियों और दीवारों पर लगीं। गोलीबारी से घर के शीशे टूट गए और दरवाजों पर दर्जनों निशान पड़ गए। गनीमत यह रही कि घटना के समय एल्विश यादव घर पर मौजूद नहीं थे।

उज्जैन में स्थायी कुंभ नगरी के लिए जमीन अधिग्रहण के खिलाफ क्षिप्रा में उतरे किसान

पुलिस ने घाटों पर रोक लगाई, शमशान पहुंचे किसान, लगाया जाम

जागरण, उज्जैन। स्थायी कुंभ नगरी बनाने के लिए उज्जैन में जमीनों के अधिग्रहण की प्रक्रिया का विरोध बढ़ता जा रहा है। रविवार को पूरी रात पुलिस के साथ चली आंख मिचौली के बाद प्रदर्शनकारी किसान क्षिप्रा नदी में उतर गए। पुलिस सात घाटों पर प्रवेश प्रतिबंधित कर चौकसी करती रही तो किसान आठवें घाट में जाकर खड़े हो गए। किसानों का कहना है कि हमें तो स्थायी निर्माण करने से रोक दिया और अब सरकार खुद ही हमारी जमीन अधिग्रहित कर स्थायी कुंभ नगरी कैसे बना सकती है। इसका हर संभव विरोध हर स्तर पर किया जाएगा।

राज्य शासन द्वारा सिंहस्थ 2028 के लिए स्थायी कुंभ नगरी बनाने की योजना पर अमल करते हुए 2378 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। इसकी घोषणा के साथ जिला प्रशासन ने इस पर काम भी शुरू कर दिया है। मगर इस योजना की जद में आ रहे किसानों ने अपनी जमीन देने से मना कर दिया है और अधिकांश रहवासी व विरोध में उतर आए हैं। किसानों ने रविवार को रामघाट पर सत्याग्रह करने का ऐलान किया था। किसानों के सत्याग्रह का रोकने पुलिस देर रात ही सक्रिय हो गई थी। कई किसानों को शनिवार व रविवार की दरमियानी रात को दो बजे से पुलिस ने हिरासत में लेना शुरू कर दिया था। इसके साथ ही रामघाट सहित सातों घाटों पर पहरा लगाते हुए पुलिस ने आमलोगों का प्रवेश रोक दिया था।

शादी से नाराज युवक ने महिला के पति को गिफ्ट में छुपाकर भेजा बम

रायपुर, जेएनएन। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के मानपुर गांव में 20 वर्षीय युवक ने एक महिला से एकतरफा प्यार के चलते उसके पति की हत्या की साजिश रची। उसने म्यूजिक स्पीकर के भीतर दो किलो का आईईडी फिट कर दिया और उसे उपहार के तौर पर भेज दिया। हालांकि समय रहते पुलिस और बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड की टीम ने विस्फोटक को निष्क्रिय कर बड़ी दुर्घटना टाल दी। पीड़ित अफसर खान, जो इलेक्ट्रिशियन हैं और छोटी दुकान चलाते हैं, को कुछ दिन पहले एक पैकेट मिला। पैकेट पर उनका नाम था, लेकिन न तो भेजने वाले का नाम था और न ही किसी अन्य जानकारी का उल्लेख। खान ने पैकेट खोला, तो पाया कि स्पीकर असामान्य रूप से भारी है। शक होने पर उन्होंने तुरंत गंडई पुलिस को बुलाया। जांच के लिए बम डिस्पोजल टीम पहुंची और डॉग स्क्वॉड की मदद से स्पीकर के भीतर छुपे विस्फोटक का पता चला।

तकनीकी सबूतों के आधार पर पुलिस मुख्य आरोपी तक पहुंची। युवक की पहचान विनय वर्मा के रूप में हुई, जो आईटीआई डिप्लोमा धारक और इलेक्ट्रिशियन है। वह बोरवेल इंस्टॉलेशन का काम भी करता था और धमाकों से जुड़ी तकनीकी जानकारी रखता था।

पुलिस ने उसका मोबाइल खंगाला तो बम बनाने और पुलिस से बचने से जुड़ी ऑनलाइन सर्च हिस्ट्री मिली। पूछताछ में वर्मा ने बताया कि वह अफसर की पत्नी से स्कूल के दिनों से एकतरफा प्यार करता था। शादी के बाद से वह गुस्से और जलन में था और महिला के पति को रास्ते से हटाना चाहता था।

न्यायाधिकार — विधेयकों पर कार्रवाई के लिए समय-सीमा तय करने पर केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को चेताया

संविधान से परे शक्तियां नहीं ले सकती न्यायपालिका

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का कड़ा विरोध किया है, जिसमें राज्यपालों और राष्ट्रपति को राज्य विधानसभाओं से आए विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए तीन माह की समय-सीमा तय की गई थी। केंद्र का कहना है कि यह आदेश विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का उल्लंघन करता है और इससे संविधान का संतुलन बिगड़ सकता है।

यह है मामला

सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ वर्तमान में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा भेजे गए संदर्भ पर सुनवाई कर रही है। राष्ट्रपति ने मई 2025 में इस मामले को सुप्रीम कोर्ट के पास भेजते हुए 14 अहम सवाल उठाए थे। इससे पहले, अप्रैल में सुप्रीम कोर्ट की दो-न्यायाधीशीय पीठ ने यह आदेश दिया था कि राज्यपालों को लंबित विधेयकों पर निश्चित समयसीमा में फैसला करना होगा और राष्ट्रपति को भी तीन माह के भीतर निर्णय देना अनिवार्य होगा।

केंद्र का तर्क

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने 12 अगस्त को लिखित रूप से प्रस्तुत तर्क दिए।

- न्यायपालिका लोकतंत्र की हर समस्या का समाधान नहीं है।
- अगर कोई अंग दूसरे अंग के कार्य अपने हाथ में ले ले तो यह संविधान निर्माताओं की परिकल्पना से परे एक ‘संवैधानिक अव्यवस्था’ होगी।
- राष्टपति और राज्यपाल की सहमति ‘उच्च विशेषाधिकार’ वाली शक्ति है, जो न्यायिक समीक्षा से परे है।

राज्यपाल और राष्ट्रपति की स्थिति

केंद्र के अनुसार,

- राज्यपाल और राष्ट्रपति महज औपचारिक पद नहीं हैं।
- राष्ट्रपति चुने जाते हैं और राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह पर नियुक्त होते हैं।
- दोनों ही लोकतांत्रिक इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- राज्यपालों को ‘विदेशी’ या ‘बाहरी व्यक्ति’ नहीं माना जाना चाहिए। वे प्रत्येक राज्य में राष्ट्रीय हित और संवैधानिक भाईचारे का प्रतीक हैं।

न्यायिक समीक्षा की सीमाएं

- असहमति या सहमति देना एक मिश्रित और अद्वितीय प्रक्रिया है, जिसमें कार्यपालिका और विधायिका दोनों के तत्व शामिल होते हैं।
- इस पर न्यायपालिका द्वारा मानक तय करना असंभव है।
- यदि न्यायालय इस प्रक्रिया में दखल देगा तो यह संस्थागत संतुलन को बिगाड़ देगा और न्यायपालिका को सर्वोच्च बना देगा, जबकि भारतीय संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

अनुच्छेद 142 पर तर्क

केंद्र ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 के तहत भी संविधान से परे नहीं जा सकता। अनुच्छेद 142 ‘सर्वोच्च न्यायिक शक्ति’ नहीं है जो संविधान के प्रावधानों को दरकिनार कर सके। अगर अदालत ‘डीम्ड असेंट’ (माना हुआ अनुमोदन) जैसी अवधारणा गढ़ेगी तो इससे संवैधानिक और विधायी प्रक्रिया उलट जाएगी।

लोकतांत्रिक जवाबदेही

केंद्र सरकार ने कहा है कि कुछ मुद्दे पूरी तरह राजनीतिक होते हैं और उनका समाधान केवल लोकतांत्रिक उपायों से ही संभव है। अगर राज्यपाल या राष्ट्रपति के स्तर पर विलंब या त्रुटि होती है तो उसका समाधान विधानमंडलीय निगरानी, चुनावी जवाबदेही या संवैधानिक परामर्श प्रक्रियाओं से होना चाहिए, न कि न्यायिक हस्तक्षेप से।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर शहर के मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जागरण, कटनी। जन्माष्टमी पर पूरे शहर में उत्साह का माहौल था। परंपरागत रूप से इस साल भी प्रसिद्ध सत्यनारायण मंदिर, सिल्वर टॉकीज समीप स्थित गोविंद देवजी मंदिर, लक्ष्मीनारायण मंदिर सहित स्टेशन रोड स्थित लक्ष्मीनारायण ट्रस्ट मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी अवसर था श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का शहर सहित जिले भर में धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया मंदिरों में अष्टमी तिथि पर सोमवार को रात ठीक 12 बजे ककड़ी की बौल काटकर भगवान बांके बिहारी का प्राकट्योत्सव मनाया गया।

भगवान का जन्म होते ही श्रद्धालु खुशी झूम उठे। कटनी के सत्यनारायण मंदिर में लगे मेले का लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। मंदिरों में आकर्षक रूप से बनाई गईं रंगोली और भगवान श्रीकृष्ण राधा और गोपियों की जीवंत झांकियों ने दर्शनार्थियों को मुग्ध किया। इसके अलावा शहर के प्रमुख शक्तिपीठ

जालपा मंदिर, दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर, मधई मंदिर, शेर चौक स्थित साईं मंदिर, विश्राम बाबा मंदिर, भोलेशंकर मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भी पर्व की धूम रही। इसके अलावा घर घर कन्हैयाजी का जन्मोत्सव मनाया गया। लोगों ने दिनभर व्रत रखकर रात्रि में कन्हैयाजी के पाट का विशेष पूजन.अर्चन किया।

सत्यनारायण मंदिर में मेला : कृष्ण जन्माष्टमी की सबसे ज्यादा धूम सत्यनारायण मंदिर में रही। मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण का ठीक 12 बजे जन्मोत्सव मनाया गया। श्रद्धालु भक्ति के रंग में सराबोर होंगे और पूजा आरती, अराधना के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। भगवान के जन्मोत्सव गीत, बधाई गीत में से मंदिर परिसर गूंज उठे। यहां शाम से मंदिर परिसर व मुख्य मार्ग में मेला आकर्षण का केंद्र रहा। रिमझिम फुहारों के बीच लोगों को उत्साह देखते बना। बारिश के बीच लोगों ने मेले का लुत्फ उठाया। मंदिर में विशेष झांकियां बनाई गई थीं। मंदिर के बाहर मेले में झूले, स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे।

छपरवाह हनुमान मंदिर में धूमधाम से मनाई गई श्री कृष्ण जन्माष्टमी : श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर उपनगरीय क्षेत्र छपरवाह स्थित श्री श्री 1008 श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर परिसर स्थित भगवान श्री राधा कृष्ण मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मंदिर संचालन समिति के द्वारा रामायण पाठ व भजन संध्या के साथ भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर आयोजित धार्मिक आयोजन में उपनगरीय क्षेत्र छपरवाह, मंगलनगर, आयुध निर्माणी, बिलगंवा की धर्म प्रिय जनता शामिल रही।

गर्भवती पत्नी का हत्यारा पति माधवनगर पुलिस की गिरफ्त में

प्रेम विवाह के बाद शुरू हुआ घरेलू विवाद बना हत्या की वजह

कटनी। थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक चौबे के नेतृत्व में चौकी प्रभारी निवार नेहा मौर्य एवं पुलिस स्टाफ द्वारा नव विवाहिता की हत्या करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने चन्द घंटे में गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। दिनांक 16 अगस्त को सुबह सूचना प्राप्त हुई कि चौकी निवार अन्तर्गत ग्राम जरवाही में शिवानी उर्फ प्रिया बर्मन नामक महिला मृत अवस्था में अपने घर में खून से लथपथ पड़ी है। सूचना पर तत्काल थाना माधवनगर व चौकी निवार के पुलिस बल मौके पर पहुंचकर देखा कि शिवानी बर्मन नाम की महिला अपने घर के कमरे में बिस्तर में खून से लथपथ मृत अवस्था में पड़ी थी। महिला का पति रविशंकर बर्मन घर में नहीं था। घर वालों ने बताया कि रात में मृतिका शिवानी बर्मन एवं उसके पति रविशंकर बर्मन का विवाद हो रहा था घर वालो ने समझाइश देकर विवाद को शांत करा कर दोनों सुला दिया था। रविशंकर ने अपनी पत्नि शिवानी बर्मन को सोते समय चीप सिर में पटककर हत्या कर दी और घर से भाग गया। मौके पर उपस्थित मृतिका के पिता विशाल बर्मन निवासी बिलहरी ने बताया कि उसकी लड़की शिवानी बर्मन की अपनी मनपसंद की शादी दिनांक 12 फरवरी 2025 को रविशंकर बर्मन से बांदकपुर मंदिर दमोह में हुई थी। जो वर्तमान में 5 माह की गर्भवती थी। लड़की शिवानी बर्मन एवं रविशंकर बर्मन का आपस में घरेलू बात को लेकर वाद विवाद होता रहता था। घरेलू विवाद को लेकर दामाद रविशंकर ने लड़की शिवानी की हत्या कर दी है। आरोपी के विरुद्ध हत्या के आरोप का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाकर मृतिका का पोस्टमार्टम जिला चिकित्सालय कटनी से कराया गया। पुलिस को सूचना प्राप्त होने पर तत्काल पुलिस बल के साथ जरवाही गांव के जंगल में आरोपी रविशंकर को घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर उसने बताया कि दिनांक 15 अगस्त की रात मे हुए विवाद के कारण वह रात भर विवाद को लेकर गुस्से में था। घरेलू कलह के कारण दिनांक 16 अगस्त 25 को सुबह करीब 5 बजे जब उसकी पत्नि गहरी नींद में थी उसके सिर में चीप पटक दिया था। पत्थर का नुकीला कोना चेहरे में घुस जाने के कारण अत्यधिक खून निकलने लगा था पत्नि तड़पने लगी थी। पत्नि को तड़पता हुआ देखकर घर से भाग गया था। आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाकर जेल भेजा गया।

उप मुख्यमंत्री ने क्यूआर कोड का किया लोकार्पण

जागरण शहडोल। उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने महात्मा गांधी स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह के अवसर पर एक विशेष क्यूआर कोड का लोकार्पण किया, जिसके माध्यम से छात्राएं, बच्चियां और बच्चे अपनी शिकायतें सीधे पुलिस विभाग तक पहुंचा सकेंगे। जिले के छात्रावासों और विभिन्न विद्यालयों, विशेषकर कन्या विद्यालयों में यह क्यूआर कोड लगाया जाएगा। शिकायत दर्ज कराने के लिए किसी भी छात्रा या छात्र को क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा, जिसके बाद एक ऑनलाइन फॉर्म खुलेगा। इसमें वे अपनी समस्या, सूचना या शिकायत लिखकर भेज सकेंगे। यह संदेश सीधे पुलिस अधीक्षक शहडोल, रामजी श्रीवास्तव और उनकी विशेष निगरानी टीम तक पहुंचेगा।

मनाया गया कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

जागरण ब्योहारी। ब्योहारी विकास खंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पथरेही में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व प्राचार्य देवीदीन प्रजापति नेतृत्व में बड़े धूमधाम से मनाया गया जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे एवं अभिभावक रहे मौजूद सबसे पहले रामचरित मानस पाठ किया गया तत्पश्चात भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया जिसमें एक छोटे बच्चे को कृष्ण भगवान के पोशाक में बहुत सुंदर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया जो सभी के मनमोह लिया।

चालीस दिवसीय अखंड ज्योति के साथ भगवान श्री झूलेलाल चालिहा महोत्सव का हुआ समापन

कलश जवारों के साथ निकली शोभायात्रा, भजन कीर्तन में निहाल हुए श्रद्धालु

कटनी। झूलेलाल चालीहा समिति द्वारा नगर में मनाए जा रहे झूलेलाल चालीहा महोत्सव का समापन रविवार 17 अगस्त को कटनी नदी के मसुरहाघाट पर हुआ। इसके पहले प्रारंभ में गुरुनानक वार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर से भगवान श्री झूलेलाल जी की अखंड ज्योति व कलश शोभा यात्रा निकाली गई। समाज सेवी संजय खूबचंदानी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि भव्य शोभायात्रा झूलेलाल मंदिर से प्रारंभ होकर जंगल दफ्तर, हीरागंज, सिंधु भवन, सिंधी स्कूल, वरुण भवन, आदर्श कॉलोनी से होते हुए मसुरहा घाट कटनी नदी में जहां विधि विधान के साथ अखंड ज्योति का विसर्जन किया गया। इस शोभा यात्रा का स्वागत रोहरा परिवार, सिंधु नौजवान मण्डल, धर्मलोक हॉस्पिटल एवं जगह जगह किया गया। मसुरहा घाट में प्रातः11 बजे से झूलेलाल चालिहा सम्मति व झूलेलाल सेवा सम्मति द्वारा भजन संगीत चित्रांश केसवानी द्वारा प्रस्तुति दी गई। तत्पशात दोपहर 1 बजे गुरु प्रसाद, आम भंडारे का आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर त्रिलोक चंद भोजवानी, पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष चंदू लाल जादवानी, महेश बहलानी, अमर चेतवानी, नेवंद खूबचंदानी, हरीश बहलानी, सुरेश गांधी, पूर्व पंचायत अध्यक्ष मोहन बत्रा, विधायक संदीप जायसवाल, रामरतन पायल, नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, राजकुमार नानकानी, मोहन बजाज मन्नू भैया, शांति नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक चेलानी, गोविंद सचदेवा, प्रेम जसूजा, शंकर लाल आहूजा, मदन सेवलानी, अजीत केसवानी शांति नगर झूलेलाल नवयुवक मंडल के सभी सदस्य गण सामाजिक संस्थाओं में वरुण संस्था, सिंधु नौजवान मण्डल, सुपर ग्रुप, सिंधी भावरन ग्रुप, सुहिंणा सिन्धी ग्रुप एवं नगर के अनेक जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्तिथ रहे।

विधायक शरद कोल ने निःशुल्क सर्जिकल परीक्षण शिविर में लिया भाग

ब्यौहारी। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, खड्डा में आज एक्शन हॉस्पिटल, शहडोल द्वारा एक विशाल निःशुल्क सर्जिकल परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में स्थानीय विधायक श्री शरद कोल ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण अंचल के लोगों को उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं और सर्जरी से संबंधित जानकारी प्रदान करना था। इस दौरान अनुभवी सर्जन डॉ. कुलदीप पटेल (एसोसिएट प्रोफेसर और पूर्व विभागाध्यक्ष, सर्जरी विभाग, बीएम सरकारी मेडिकल कॉलेज, शहडोल) ने मरीजों की जांच की और उन्हें आधुनिक सर्जिकल सेवाओं के बारे में मुफ्त जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक शरद कोल ने कहा कि ऐसे सामाजिक स्वास्थ्य शिविरों से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को निश्चित रूप से बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के घर तक पहुंचाने के लिए एक्शन हॉस्पिटल की सराहना की। यह शिविर ग्रामीण जनता के बीच स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध हुआ। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री शत्रुधन पटेल और क्षेत्र के समस्त ग्रामीण जन भी उपस्थित रहे।

कार्यालय वनमण्डल अधिकारी, वनमण्डल सतना (म.प्र.)

(मुख्तियारगंज रेल्वे फाटक के पास, सिविल लाइन, सतना)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/राजस्व/7355 दिनांक 14.08.2025

विज्ञप्ति

वनोपज के घोष विक्रय की सूचना

भौतिक नीलाम दिनांक 26.08.2025

वन मण्डल का नाम एवं दूरभाष कं.	काष्ठागार का नाम तथा दूरभाष/ मो. कं.	नीलाम दिनांक	नीलाम स्थल	वनोपज का प्रकार	सागौन/साल काष्ठ अनुमानित मात्रा लट्ठा घ.मी.	सागौन/साल काष्ठ अनुमानित मात्रा बल्ली/ डेंगरी नग में	अन्य काष्ठ अनुमानित मात्रा लट्ठा घ. मी.	अन्य काष्ठ अनुमानित मात्रा बल्ली/ डेंगरी नग में	जलाऊ चट्टा अनुमानित मात्रा नग में	औद्योगित बांस अनुमानित मात्रा विक्रय इकाई में	व्यापा. बांस अनुमानित मात्रा वि. ई./नग में	कंटग बांस अनुमानित मात्रा नग में	अन्य सामग्री	अवरोध मूल्य (लाख रू.में.)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
सतना 07672 223355	बफर डिपो (सोनौरा) सतना मो. 9340810565	26.08. 2025	बफर डिपो सोनौरा सतना	नई	12.601	1306	0.142	43	0	–	–	–	–	783880
				पुरानी	124.32	2504	0	0	0	–	–	–	–	5444560
	योग				**136.921**	**3810**	**0.142**	**43**	**0**					**6228440**

1. अन्य विवरण संबधित काष्ठागार अधिकारी अथवा वन मण्डल अधिकारी से कार्यालयीन समय में दूरभाष एवं ई–मेल से प्राप्त की जा सकती है।
2. यदि स्वीकृत नीलाम तिथि को नीलामी पूरी नहीं होती है, तो अगले कार्य दिवस को नीलामी की कार्यवाही सम्पन्न की जावेगी।
3. इस विज्ञापन www.mpforest.gov.in पर भी देखा जा सकता है। ध्यान रखें नीलाम में भाग लेने वाले इच्छुक वन ठेकेदारों को वर्ष 2025 का म.प्र. वन उपज (व्यापार विनियमन) अधिनियम 1969 की धारा 11 के तहत जारी पंजीयन, जी.एस.टी. पंजीयन एवं आयकर विभाग का पंजीयन साथ में लाना होगा।
4. नई काष्ठ/जलाऊ की मात्रा बढ़ने की संभावना है।

जी–17315/25

वन मण्डल अधिकारी
वन मण्डल सतना

औद्योगिक नगरी कैमोर में आन-बान-शान से लहराया तिरंगा

कटनी। स्वतंत्रता दिवस पर नगर परिषद कैमोर सहित औद्योगिक नगरी में राष्ट्रीय ध्वज पूरे गौरव और सम्मान के साथ फहराया गया। नगर परिषद कार्यालय परिसर में निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती पलक नमित ग्रोवर ने ध्वजारोहण कर सभी को शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर पार्षदगण, सीएमओ, अधिकारी कर्मचारी, नगर के गणमान्यजन एवं पत्रकारगण मौजूद रहे। अपने उद्बोधन में अध्यक्ष ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि देश की आजादी बलिदानों का परिणाम है जिसे हमें संजोकर रखना है। उन्होंने कहा कि नगर विकास को विधायक संजय पाठक के मार्गदर्शन और जनता के सहयोग से गति दी जाएगी। अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री मोहन यादव का संदेश भी वाचन किया तथा मूलभूत सुविधाओं के त्वरित निराकरण, पुस्तकालय और अन्य जनहितकारी योजनाओं को प्राथमिकता में रखने का संकल्प जताया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष एवं पार्षद श्रीमती ऋद्धा मनीष नवैत ने भी शुभकामनाएँ देते हुए नगर विकास में एकजुटता पर जोर दिया। अंत में मिष्ठान वितरण व बच्चों को तिरंगे झंडे प्रदान किए गए।

हाउसिंग बोर्ड के समीप महिला से चैन स्नेचिंग की वारदात

कटनी। मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करने वाली एक महिला चैन स्नेचिंग की वारदात का शिकार बन गई। घटना माधवनगर थाना क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड में उस वक्त हुई जब महिला घरों में काम निपटाकर अपने घर लौट रही थी। तभी स्कूटी सवार दो अज्ञात युवक उसके गले से मंगलसूत्र खींचकर फरार हो गए। पीड़िता रेखा पति लखन तिवारी 40 वर्ष निवासी भट्टा मोहल्ला रोज की तरह 16 अगस्त को शाम करीब 4.45 बजे घरों का काम खत्म कर लौट रही थी। जैसे ही वह हाउसिंग बोर्ड के सामने पहुंची स्कूटी सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मारकर उसका सोने का मंगलसूत्र छीन लिया और भाग निकले। रेखा ने बताया कि यह मंगलसूत्र उसे विवाह के समय उसकी सास ने दिया था। मंगलसूत्र चोरी होने से वह गहरे सदमे और दुख में है। पुलिस जांच में सामने आया है कि रेखा की दिनचर्या और आने जाने की जानकारी क्षेत्र के ही कुछ बदमाश युवकों को थी। आशंका जताई जा रही है कि वारदात में स्थानीय युवक शामिल हो सकते हैं। माधवनगर पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम कैमोर में हुआ आयोजित

कटनी। कैमोर में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर कैमोर नगर परिषद की नव निर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती पलक नमित ग्रोवर के नेतृत्व में और विधायक संजय सतेंद्र पाठक के मार्गदर्शन में एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि विधायक संजय पाठक और अध्यक्षता अध्यक्ष पलक ग्रोवर ने की। कार्यक्रम में विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने देशभक्ति गीत और नृत्य प्रस्तुत कर सभी को भाव विभोर कर दिया। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ से आई आर्केस्ट्रा टीम ने कर चले हम फिदा, जहाँ डाल डाल पर सोने की चिड़िया, हर करम अपना करेंगे ऐ वतन तेरे लिए, जैसे गीतों से माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। जलवा तेरा जलवा गीत पर विधायक संजय पाठक भी झूम उठे और गीतकार आशीष के साथ मंच पर पंक्तियाँ गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का समापन भव्य आतिशबाजी के साथ हुआ, जिसने आसमान को तिरंगे रंगों में रंग दिया।

झाड़फूंक के चक्कर मे चली गई पारधी युवक की जान, सोते समय जहरीले कीड़े ने काटा था

कटनी। रीठी थाना अंतर्गत बूढ़ा देवगांव निवासी मख्तर पिता बंगला पारधी 25 वर्ष को शनिवार–रविवार की दरम्यानी रात जहरीले कीड़े ने काट लिया था। युवक द्वारा इस बात की जानकारी परिजनों को रात में दी गई लेकिन परिजन उसे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र इलाज कराने ले जाने के बजाये बरही के पिपरिया गाँव झाड़फूंक कराने ले गए जहां घंटो झाड़फूंक चली लेकिन इसके बाद भी युवक को कोई आराम नहीं मिला अंत मे जब वे कटनी पहुँचे और यहां अलग अलग निजी अस्पतालों में युवक को ले कर गए तो सभी ने हाथ खड़े कर दिए अंत में तक हार कर परिजन युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुँचे जहाँ इलाज दौरान उसकी मौत हो गई। कटनी जिले में जहरीले सर्प या कीड़े के काटने का यह पहला मामला नहीं इससे पूर्व 7 अगस्त को जहरीले सर्प के काटने से सगे भाई बहनों की जान चली गई थी एक अन्य मामला जहां एनकेजे क्षेत्र के जुगियाकाप का युवक को जहरीले सर्प के काटने के बाद मोबाइल से उसकी झाड़फूंक करने गुनिया मंत्र पढ़ रहा था। जिले में जागरूकता की कमी खासकर ग्रामीण अंचलों से इस तरह के मामले लगातार प्रकाश में आ रहें है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, म.प्र. लोक निर्माण विभाग, (भ./स.) सीधी संभाग सीधी

Website-www.mppwd.gov.in/pwdmp. email cepwdsidhi@mp.nic.in

नि सू.क्र.11/2025–26 सीधी, दिनांकः 13.08.2025

निविदा अमांत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संसोधनों सहित के आधार पर, प्रपत्र 'अ' में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हों, से आमंत्रित की जाती है:–

ग्रुप क्र.	टेंडर आई.डी.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि (रू.लाख में)	1. अमानत राशि 2. नि. प्रपत्र का मूल्य	1. निविदा आमंत्रण क्रमांक 2. कार्यावधि
1	2	3	4	5	6
1	2025_PWDRB_ 444138	उपसंभाग सीधी के उपखण्ड मुख्या. सीधी प्रथम अन्तर्गत शासकीय गैर आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत कार्य। लो0नि0वि0, भवन एस.ओ.आर. 01.01.2024	9.91	1. 19820 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2 05 माह
2	2025_PWDRB_ 444140	उपसंभाग सीधी के उपखण्ड मुख्या. सीधी प्रथम अन्तर्गत शासकीय आवासीय भवनों एफ.टाईप से ऊपर का वार्षिक मरम्मत कार्य। लो0नि0वि0, भवन एस.ओ.आर. 01.01.2024	13.59	1. 27180 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2 05 माह
3	2025_PWDRB_ 444141	उपसंभाग सीधी के उपखण्ड मुख्या. सीधी द्वितीय अन्तर्गत शासकीय गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई का कार्य। लो0नि0वि0, भवन एस.ओ.आर. 01.01.2024	15.28	1. 30560 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2 05 माह
4	2025_PWDRB_ 444142	उपसंभाग सीधी के उपखण्ड मुख्या. सीधी द्वितीय अन्तर्गत शासकीय आवासीय भवनों में रंगाई पोताई का कार्य। लो0नि0वि0, भवन एस.ओ.आर. 01.01.2024	17.39	1. 34780 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2 05 माह
5	2025_PWDRB_ 444143	उपसंभाग सीधी के उपखण्ड सिहावल एवं कुबरी अन्तर्गत शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत कार्य। लो0नि0वि0, भवन एस.ओ.आर. 01.01.2024	8.08	1. 16160 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2 05 माह
6	2025_PWDRB_ 444144	उपसंभाग चुरहट के उपखण्ड रामपुर नैकिन अन्तर्गत शासकीय आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत कार्य। लो0नि0वि0, भवन एस.ओ.आर. 01.01.2024	15.20	1. 30400 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2 05 माह
7	2025_PWDRB_ 444145	उपसंभाग चुरहट के उपखण्ड रामपुर नैकिन अन्तर्गत शासकीय गैर आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत कार्य। लो0नि0वि0, भवन एस.ओ.आर. 01.01.2024	7.73	1. 15460 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2 05 माह
8	2025_PWDRB_ 444146	उपसंभाग चुरहट के उपखण्ड चुरहट अन्तर्गत शासकीय आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत कार्य। लो0नि0वि0, भवन एस.ओ.आर. 01.01.2024	15.17	1. 30340 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2 05 माह
9	2025_PWDRB_ 444147	उपसंभाग चुरहट के उपखण्ड चुरहट अन्तर्गत शासकीय गैर आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत कार्य। लो0नि0वि0, भवन एस.ओ.आर. 01.01.2024	7.34	1. 14680 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2 05 माह
10	2025_PWDRB_ 444148	उपसंभाग चुरहट के उपखण्ड पटपरा अन्तर्गत शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत कार्य। लो0नि0वि0, भवन एस.ओ.आर. 01.01.2024	7.69	1. 15380 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2 05 माह
11	2025_PWDRB_ 444149	उपसंभाग चुरहट के उपखण्ड अमिलिया अन्तर्गत शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत कार्य। लो0नि0वि0, भवन एस.ओ.आर. 01.01.2024	8.08	1. 16160 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2 05 माह
		योग :–	125.46		

1. ऑन लाइन पोर्टल http://mptenders.gov.in के माध्यम से निविदा प्रपत्र क्रय करने, डाउनलोड एवं निविदा डालने का समय एवं दिनांक 18.08.2025 सुबह 10.30 से 04.09.2025 शाम 5.30 तक है।
2. अमानत राशि, केन्द्रीयकृत पी.डब्लू.डी. पंजीयन, शपथ पत्र, जी.एस.टी.एन. एवं अन्य अभिलेख (लिफाफा–अ), सिर्फ ऑनलाइन अपलोड किये जा सकते है।
3. निविदा से संबंधित सशोधन, समय परिवर्तन आदि की सूचना केवल बेवसाइट के माध्यम से दी जावेगी।
4. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है।

जी–17309/25

(एम. के. परते)
कार्यमालन यंत्री,
लो.नि.वि.,संभाग सीधी (म.प्र)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय रीवा खंड रीवा (म.प्र.)

निविदा सूचना क010/25–26/ब0ले0लि0/का0यं0/लो0स्वा0यॉ0/25, रीवा, दिनांक 07.08.2025

ई–टेण्डरिंग निविदा आमंत्रण सूचना

(1) निम्नलिखित कार्यों हेतु **ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑन लाइन निविदायें** एपेन्डिक्स 2.10 में प्रतिशत दर पर प्रमुख अभियन्ता, लोक स्वास्थ्य यॉत्रिकीय विभाग, भोपाल की नलकूपों के खनन एवं अन्य कार्य से संबंधित दिनांक **03.07.2018** से प्रभावशील एकीकृत दर सूची एवं निविदा सूचना जारी होने के दिनांक तक किए गए समस्त संशोधनों के आधार पर केन्द्रीयकृत नवीन पंजीयन के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा ऑन लाइन टेण्डर प्रकिया के तहत आमंत्रित की जाती है।

ऑन लाइन निविदा पब्लिशिंग का दिनांक **14.08.2025** डाक्यूमेन्ट डाउन लोड/टेण्डर फार्म कय प्रारम्भ तिथि **14.08.2025** टेण्डर फार्म कय की अंतिम तिथि **29.08.2025** बिड सबमिशन प्रारम्भ का दिनांक **14.08.2025** एवं बिड सबमिशन का अंतिम तिथि **29.08.2025** को सायं 5.30 बजे तक निर्धारित हैं। Manadatory 'A' & Financial bid Open का दिनांक **01.09.2025** को अपरान्ह 3.30 बजे निर्धारित्त है।

(2) उक्त निविदा आमंत्रण सूचना विभागीय बेवसाइट **(http//www.mptenders.gov.in)** पर प्रदर्शित है।

(3) निविदाएँ, निर्धारित तिथि दिनांक **01.09.2025** को खोली जावेंगी।

(4) कार्य का विवरण :–

रीवा जिले के विकासखण्ड रीवा, रायपुर, सिरमौर एवं जवा के विभिन्न ग्रामों की योजनाओं में जल जीवन मिशन के तहत पुनरीक्षित डी.पी.आर अन्तर्गत उच्चस्तरीय टंकी निर्माण, सम्पवेल निर्माण, ट्यूबवेल पर आधारित रेट्रोफिटेड पाइप जलापूर्ति का निर्माण, निष्पादन, सबमर्सिवल मोटर पंप की स्थापना, कियाशील घरेलू नल कनेक्शन, 90 दिवस के ट्रायल रन एवं कमिशनिंग आदि समस्त कार्य सामग्री एवं लेबर सहित।

ई– टेण्डर नं0	योजना का नाम	विकास खण्ड	कार्य की अनु0 लागत (रू0 लाख में)	प्रतिभूति राशि रू0 में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	3		4	5	6	7
2025_PHED_443008_1	पड़ोखर, कुल्लू, चौड़ियार, रकरिया, ओढ़कीकला, करहिया नं01, भटलो, कपुरी, रमकुई, नीगा, महसांव, रूपौली, बरा, खजुहाखुर्द, नैकिन, कठार	रीवा	466.86	466860.00	15000.00	9 माह (वर्षा ऋतु सहित)
2025_PHED_443010_1	गढ़, बांस, टिकुरी–32, सर नं01, दुबहाई खुर्द, खरहरी, लौरी, चौरी, अमहा	गंगेव	322.73	322730.00	15000.00	9 माह (वर्षा ऋतु सहित)
2025_PHED_443013_1	मढ़ी, पतौता, पोड़ी, पथरहा, कांटी, बेला, बेनीपुरवा, इटारपहाड, अहिरगॉव, हर्दी नं02, पलिया–352, नयागांव उन्मूलन, अमवा–10,	रायपुर	468.01	468010.00	15000.00	9 माह (वर्षा ऋतु सहित)
2025_PHED_443014_1	तिवरिगवॉ डेल्ही, सिलपरी, सोनारूपा, मोहगढ़, कछिगवॉं, मेथौरी, नदहा, हिनौती, मनिकवार–2, परसवार, माजन, धवैया–290, महुआ, अतरैला, पलिया–351	रायपुर	496.77	496770.00	15000.00	9 माह (वर्षा ऋतु सहित)
2025_PHED_443015_1	बौसड़, इटौरी, जनकहाई, कल्याणपुर–57, नगमा, पनवारकला, रमगढ़वा, बराह, मदरी, रिमारी, लूक, खोहा, कल्याणपुर–55, कंचनपुर–46	जवा	356.42	356420.00	15000.00	9 माह (वर्षा ऋतु सहित)
2025_PHED_443018_1	(a) Jawa Block (अकौरिया, दोंदर, कटांगी, केचुहा, कोटवाखास, लोनी, सोहावलकला, खारा, कुसमेदा) (b)Sirmour Block (हटया, जामू, महरी, गुहिया, बगढ़ा पिड़िहान)	जवा एवं सिरमौर	364.74	364740.00	15000.00	9 माह (वर्षा ऋतु सहित)

निविदा सूचना से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी विभागीय वेवसाइट **(http//www.mptenders.gov.in)** पर प्रदर्शित है।

जी–17313/25

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
रीवा (म.प्र.)

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

जमीन बेचना है

पद्मधर कॉलोनी के पीछे नदी से लगा व 11,500 वर्गफिट फार्म हाउस मात्र 1200 रूपये वर्गफिट बेचना है। सम्पर्क करें। पंकज सिंह मो. 9753664665 आरएन-जीएमसर(23/8)

आवश्यकता है

- कर्मचारी/हेल्पर,
- टाइपिस्ट सम्पर्क- 8770231515

आरएन-84222(19/8)

फोर लेन सड़कों के निर्माण का बढ़ रहा इंतजार

जागरण लापरवाही

सांसद व विधायकों के प्रयासों से हो चुकी है घोषणाएं

प्रशासनिक कार्यवाही के पेंच में फंसा है फोर लेन का कार्य

जागरण, सीधी

जिले की आधा दर्जन मुख्य सड़कों का फोर लेन कार्य प्रशासनिक शिथिलता में फंसा हुआ है। उक्त मार्गों के फोर लेन निर्माण की घोषणा सांसद एवं विधायकों के प्रयासों से हो चुकी है। लेकिन फोर लेन सड़कों के निर्माण के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं शुरू होने में काफी विलंब बना हुआ है। प्रशासनिक कार्यवाही के पेंच में फोर लेन सड़कों का निर्माण कार्य फंसा हुआ है। बताते चलें कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-39 सीधी-रीवा के फोर लेन निर्माण की घोषणा के साथ ही आवश्यक कार्यवाही भी प्रारंभिक तौर पर शुरू की गई है। किंतु प्रशासनिक लेट-लतीफी के कारण अभी तक उक्त मार्ग में भू-अर्जन का कार्य भी शुरू नहीं हो सका है। लिहाजा सड़क के किनारे जिनकी भूमि है उनके द्वारा लगातार मुआवजा के लालच में अवैध निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। इसको लेकर जिम्मेदार अधिकारी भी पूरी तरह से निष्क्रिय बने हुए हैं। इसी तरह संसद के बजट सत्र 2025-26 में सीधी-पटपरा, सीधी-टिकरी एवं सीधी-ब्यौहारी मार्ग का निर्माण फोर लेन के रूप में कराने की घोषणा की गई है। किंतु घोषणा के आगे अभी तक कोई कार्यवाही शुरू नहीं हो सकी। जानकारों का कहना है कि घोषणा के बाद धरातल पर मुख्य सड़कों के फोर लेन निर्माण को लेकर 6 महीने बाद भी कोई प्रगति नजर नहीं आ रही है। ऐसा आभाष होता है कि जो घोषणाएं की गई थी उसमें केंद्र स्तर से ही सुस्ती बनी हुई है। सीधी जिले में उक्त प्रमुख मार्गों का फोर लेन निर्माण कार्य हो जाने से आवागमन को लेकर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो जाएंगी। इसी वजह से इन प्रमुख मार्गों का फोर लेन सड़क में निर्माण कार्य होने की घोषणा से लोगों में काफी खुशी बनी हुई थी। समय व्यतीत होने के बाद जब फोर लेन सड़क निर्माण के लिए आवश्यक कार्यवाही शुरू नहीं हुई तो इसको लेकर भी अब तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। यह माना जा रहा है कि फोर लेन सड़क निर्माण के लिए कार्यवाही शुरू होने में अभी विलंब लगेगा। यदि जन प्रतिनिधियों द्वारा इस संबंध में आवश्यक पहल शुरू की जाए तो इसके सार्थक नतीजे सामने आ सकते हैं। इसके अलावा सरई-टिकरी एवं बहरी-हनुमना मार्ग के भी फोर लेन निर्माण को लेकर प्रशासनिक कार्यवाही कई सालों से मंथर गति से चल रही है। लेकिन इसको लेकर भी धरातल में कोई कार्य नहीं हो रहा है। यह दीगर बात है कि बहरी-हनुमना मार्ग के फोर लेन निर्माण को लेकर प्रारंभिक सर्वे का काम दो वर्ष पूर्व किया गया है। इसके बाद से सड़क निर्माण को लेकर जो कार्यवाही होनी चाहिए वह पूरी तरह से ठप्प है। फोर लेन सड़क निर्माण के पूर्व प्रशासन को भू-अर्जन की कार्यवाही करनी पड़ती है। जब तक संबंधित मार्गों के लिए भू-अर्जन का कार्य शुरू नहीं होता कार्य की प्रगति सामने नहीं आएगी।

फोर लेन सड़कों से कम होंगे सड़क हादसे

जिले की मुख्य सड़कों का यदि फोर लेन निर्माण कार्य पूर्ण हो जाए तो वाहनों को आवागमन को लेकर जहां व्यवस्थित सुविधाएं मिलेंगी वहीं सड़क हादसों की संख्या भी कम हो जाएगी। फोर लेन सड़कों के निर्माण के दौरान सड़कों में मोड़ एवं कठिन चढ़ाई को खत्म किया जाता है। जिससे वाहनों को तेज रफ्तार में निकलने के लिए सुविधाएं मिल सकती हैं। सीधी जिले में सीधी-पटपरा मार्ग में कठिन चढ़ाई के साथ ही अंधे मोड़ हैं। यह मार्ग अब वाहनों की आवाजाही के कारण काफी व्यस्त हो चुका है। मार्ग में आवश्यक सुविधाएं न होने के कारण सड़क हादसे भी बढ़ रहे हैं। सीधी-पटपरा मार्ग मऊगंज से जुड़ने वाला मार्ग है। इस वजह से इसका फोर लेन निर्माण हो जाता है तो वाहनों की आवाजाही में काफी सुविधा मिलेगी। वहीं सीधी-ब्यौहारी मार्ग में भी वाहनों का दबाव काफी ज्यादा है। इस मार्ग का फोर लेन निर्माण हो जाए तो सड़क हादसों की संख्या कम हो सकती है। सीधी-टिकरी मार्ग भी काफी व्यस्ततम मार्ग में शुमार है। इसका फोर लेन निर्माण हो जाने के बाद सड़क हादसों की संख्या तो घटेगी ही साथ ही जंगलों के अंदर से गुजरने वाले मार्ग की सुविधा भी बढ़ेगी। इसी वजह से सीधी जिले के जिन प्रमुख मार्गों में वाहनों का आवागमन काफी ज्यादा है उनके फोर लेन निर्माण की मांग काफी अरसे से की जा रही थी। सांसद एवं विधायकों द्वारा इसी वजह से प्रमुख मार्गों के फोर लेन निर्माण के लिए बजट सत्र के पूर्व प्रस्ताव दिए गए थे। जिनके निर्माण के लिए बजट सत्र में स्वीकृति भी दी गई है। यह दीगर बात है कि अभी तक स्वीकृति के अलावा धरातल पर कोई कार्य शुरू नहीं हुआ है।

विधायक सीधी ने कल्पतरु काव्यकृति का विमोचन किया

सोमालोब द्वारा प्रकाशित पुस्तक कल्पतरु विमोचित

जागरण, सीधी

सीधी विधान सभा क्षेत्र की लब्ध प्रतिष्ठ विधायक श्रीमती रीती पाठक के कर कमलों से 16 अगस्त को सोंधी माटी लोनी बघेली साहित्यिक मंच सीधी के सौजन्य से प्रकाशित तथा सोमालोब के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्रीनिवास शुक्ल सरस साहित्यकार द्वारा संपादित कृति कल्पतरु काव्य संग्रह का विमोचन श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पुनीत अवसर पर सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सोमालोब साहित्यिक मंच के साहित्यकार सचिव आचार्य बृजमोहन ब्रजेश, राजबहोर पाठक मनोज, रमाकांत द्विवेदी सावन, भीमसेन त्रिपाठी भावेश, विनय मिश्र प्रांजल, डॉ. प्रदीप द्विवेदी, सतीश पाण्डेय शलभ, एसपी द्विवेदी अर्चक, शिवशंकर सिंह चौहान, हरिविलास गुप्त हरि, कमलेश कुमार कायल, कुंजल साकेत कुंज, रोहित पाण्डेय मोहित, रावेन्द्र तिवारी सहित कवि लेखक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। डॉ. श्रीनिवास शुक्ल सरस की संपादित इस कृति में छग, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान के करीब 80 कवियों की कविताएँ प्रतिष्ठित हैं। मुख्य अतिथि विधायक रीती पाठक ने सभी को विमोचन पश्चात शुभकामनाएं देकर सभी कवियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बताया कि सोमालोब साहित्यिक मंच सीधी साहित्य एवं संस्कृति के उन्नयन के साथ साथ आंचलिक बघेली लोक साहित्य लोक गीत, लोक नाट्य तथा लोक परम्परा से जुड़ी गतिविधियों के विस्तार हेतु सतत प्रयत्न शील रहता है। ऐसे कार्यक्रमों से हमारी भारतीय ज्ञान परम्परा भी समृद्ध होती है। प्रारम्भ में एक दर्जन से अधिक सोमालोब के कवियों ने मुख्य अतिथि रीती पाठक को पुष्पगुच्छ भेंट करके उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर सीधी विधान सभा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक आदि की उपस्थिति विशेष उल्लेखनीय रही।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

गुरुकुल कन्या उमावि में स्वतंत्रता दिवस का मना जश्न

जागरण, सेमरिया। शासकीय गुरुकुल कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेमरिया में स्वतंत्रता दिवस के अवसर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्राचार्य हनुमान प्रसाद मिश्रा के नेतृत्व में छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। इसके बाद मुख्य अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य सरस्वती बहेलिया और अध्यक्ष निशा संजय पाण्डेय थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रामनारायण पाण्डेय, अखण्ड प्रताप सिंह, शानबहादुर सिंह, राजेंद्र सिंह, धर्मराज सिंह, रामनारायण सोनी, जयनारायण सोनी और ऊषा पाण्डेय, राघवेन्द्र प्रसाद पाण्डेय, रामनारायण त्रिपाठी, शिवनारायण पाण्डेय और कई अन्य शिक्षक और छात्राएं भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में स्व रुचि भोजन का आयोजन किया गया, जिसमें सभी अतिथि और छात्राएं शामिल हुए।

गुलाब सागर संकुल स्तरीय संगठन का सक्षम केंद्र स्थापित

जागरण, मझौली। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के निर्देशानुसार पुष्पेंद्र सिंह जिला परियोजना प्रबंधक के मार्गदर्शन में गुलाब सागर संकुल स्तरीय संगठन का छुही में सक्षम केंद्र की स्थापना जनपद सदस्य रानू सिंह एवं सुनीता विश्वकर्मा संकुल संगठन के अध्यक्ष की उपस्थिति में किया गया। सक्षम केंद्र के माध्यम से आयुष्मान योजना बीमा संबंधी योजना राशि का लेनदेन एवं समस्त प्रकार की बैंक संबंधी जानकारी एक ही मंच के माध्यम से प्रदान की जाएगी। गुलाब सागर संकुल स्तरीय संगठन में लोग आकर बैंक संबंधी लेन-देन भी करेंगे एवं बैंक से संबंधित जो भी समस्याएं हैं उसका आदान-प्रदान करेंगे। ऑनलाइन से संबंधित कामए जो शासन की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं में काम आते हैं, वह सभी काम सक्षम केंद्र से होंगे। ई-केवाईसी का काम भी सक्षम केंद्र के माध्यम से संचालित किया जाएगा। सक्षम केंद्र का संचालन सूर्यवती कुशवाहा भारती एवं कल्पना पनिका के द्वारा यह सुविधा संकुल स्तरीय संगठन कार्यालय छूही विकासखंड मझौली में उपलब्ध होंगे। उक्त कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन विकासखंड प्रबंधक चंद्रकांत सिंह एवं सहायक विकासखंड प्रबंधक अरुण गौतम के द्वारा कराया गया। शुभारंभ अवसर पर स्व सहायता समूह के सदस्य एवं संकुल स्तरीय संगठन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

लिटिल वर्ड पब्लिक स्कूल में मना स्वतंत्रता दिवस

जागरण, मोहनिया। लिटिल वर्ड पब्लिक स्कूल मोहनिया में हर्ष उल्लास के साथ आजादी का 79वां स्वतंत्रता दिवस पर्व मनाया गया। जिसमें ग्राम के पुरोहित रामनरेश द्विवेदी के मुख्य आतिथ्य एवं मुन्ना लाल पटेल विद्यालय के चेयरमैन रामायण प्रसाद द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे झंडे को सलामी देते हुए ध्वजारोहण किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विश्वनाथ प्रताप सिंह द्वारा सभी अतिथियों का अभिवादन करते हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह पर विचार व्यक्त किये। इसी क्रम में नन्हे-मुन्हे छात्रों द्वारा देश भक्ति गायन, देश भक्ति नृत्य, देश भक्ति भाषण, देश भक्ति अंग्रेजी भाषण की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। पूरे कार्यक्रम को तैयार करने में शिक्षिका आकांक्षा गुप्ता एवं रचना तिवारी की अहम भूमिका रही। चयनित अभ्यर्थियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया। अतिथियों में ग्राम पंचायत सरपंच जयकरण रावत, महेश गुप्ता, रोजगार सहायक नरेंद्र पटेल, समाजसेवी द्वारका प्रसाद तिवारी, लाल मणि, शेषमणि पटेल, संतोष पटेल, जयसिंह, महीप प्रसाद द्वारा आजादी के इस महापर्व पर छात्रों को अनुकर्णीय उद्बोधन दिए। मोहनिया चौकी प्रभारी चक्रधर प्रजापति एवं समस्त पुलिस स्टॉफ ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। मोहनिया पत्रकार प्रेमलाल साहू, कार्यक्रम समन्वयक अरविन्द कुमार उक्त कार्यक्रम को सजाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिए। मंच का संचालन गणेश दीन पटेल द्वारा किया गया। अंत मे विद्यालय के प्रबंधक अजय कुमार ने सभी का आभार प्रगट करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

युवा शिवसेना ने मटकी फोड़ कार्यक्रम से मनाई जन्माष्टमी

जागरण, सीधी। युवसेना जिला ईकाई द्वारा जन्माष्टमी पर्व पर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नन्हें-मुन्ने बच्चों से लेकर युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व शिवसेना सीधी विधानसभा प्रभारी रोहित राठौर ने किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि रहे शिवसेना संभाग उपप्रमुख प्रदीप विश्वकर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें भगवान श्रीकृष्ण से यह सीख लेनी चाहिए कि जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना कैसे किया जाए। वहीं युवा सेना जिला संयोजक आकाश परांडे ने कहा कि श्रीकृष्ण ने अत्याचारी कंस का संहार कर समाज को अन्याय से मुक्ति दिलाई। उसी प्रकार आज के युवाओं को भी समाज में व्याप्त अन्याय व अत्याचारों के विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने कृष्ण की बाल लीलाओं का उल्लेख करते हुए मटकी फोड़ परंपरा को आनंद और उत्साह का प्रतीक बताया। कार्यक्रम में युवाओं के जोश और भक्ति भाव का माहौल रहा। अंततः अनिल साकेत ने मटकी फोड़कर आयोजन को सफल बनाया। इस मौके पर प्रमुख रूप से संभाग उप प्रमुख प्रदीप विश्वकर्मा, नगर सहसंयोजक राजन मिश्रा, रोहित राठौर, धीरज पटेल, युवासेना जिला संयोजक आकाश परांडे, मनीष बघेल, अनिल साकेत, मुकेश बघेल, शिवम साहू सहित सैकड़ों की संख्या में शिवसैनिक व स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर रॉयल पब्लिक स्कूल में हुआ भव्य कार्यक्रम

जागरण, चुरहट। स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर चुरहट में युवाओं एवं अग्रणी समाजसेवियों की पहल पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक शाम शहीदों के नाम शीर्षक से आयोजित इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय स्तर के ख्यातिप्राप्त गायक दीपक अंश ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से पूरे नगरवासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी देशभक्ति से ओत-प्रोत गायकी ने दर्शकों को देर तक बाँधे रखा और वातावरण देशप्रेम की भावना से गूँज उठा। इस अवसर पर चुरहट थाना के नगर निरीक्षक दीपक सिंह वघेला अपने पूरे दल के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने पुलिस जवानों को सम्मानित कर उनकी सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में समाजसेवी एवं भूत पूर्व सांसद गोविंद मिश्रा के सुपुत्र अनेंद्र मिश्रा राजन भैया, पूर्व अध्यक्ष विंध्य विकाश प्राधिकरण सुभाष सिंह और डॉ. राकेश पटेल अपनी धर्मपत्नी एवं विहान हॉस्पिटल रीवा की मैनेजिंग डायरेक्टर कल्पना पटेल के साथ मौजूद रहे। इन सभी विशिष्ट अतिथियों ने कलाकारों और युवाओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में दर्शकों ने शिरकत की। नगरवासियों का उत्साह देखते ही बनता था। हर प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट और भारत माता की जय के नारों से पूरा माहौल गूँज उठा। कार्यक्रम की सफलता में कई युवाओं और समाजसेवियों का विशेष योगदान रहा। आयोजन समिति में सुख नंदन सोनी, रविशंकर सोनी मोनू, प्रसन्न गोल्ड पैलेस के संजय सोनी, अनिल गुप्ता स्मार्ट कलेक्शन, अजय गुप्ता, जगजीवन लाल गुप्ता, राजकरण नामदेव, ओमकार सिंह, शिव कुमार, प्रदीप सोनी, धीरज नामदेव, चुरहट साफा हाउस राहुल गुप्ता, ओमप्रकाश सोनी गुड्डा, महेंद्र गुप्ता, मनीष पटेल, दिलीप पटेल, मोनू खान, रामनाथ सोनी, कैलाश सोनी, दीपक सिंह, विजय सिंह, रमेश सिंह, विपुल पाण्डेय, शशांक सिंह, सत्यम सोनी, राहुल पाण्डेय सहित अन्य लोगों की सक्रिय भूमिका रही। इसके साथ ही रॉयल पब्लिक स्कूल के संचालक राजेश गुप्ता और उनके साथियों ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। चुरहट के युवाओं की इस अनूठी पहल ने स्वतंत्रता दिवस को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में पत्रकारो का भी सम्मानू किया गया जिनमे अखिलेश पाण्डेय, बसंत लाल गुप्ता, बलराम पाण्डेय शामिल रहे। इस आयोजन ने साबित किया कि समाज की नई पीढ़ी न केवल अपने शहीदों और जवानों का सम्मान करती है बल्कि संस्कृति और देशभक्ति की धारा को भी आगे बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर है।

ज्ञान सिंह का फिर अध्यक्ष बनना उचित नहीं: केडी सिंह

जागरण, सीधी। जिला कांग्रेस कमेटी सीधी का दोबारा जिला अध्यक्ष बनना उचित नहीं है। इससे पार्टी संगठन से जुड़े लोगों के बीच विपरीत संदेश गया है। यह बातें जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ संविदाकार केडी सिंह ने कही है। श्री सिंह ने कहा कि इससे पूर्व भी जिला कांग्रेस कमेटी सीधी के ज्ञान सिंह अध्यक्ष थे और उन्हें विधानसभा क्षेत्र सीधी से पार्टी का प्रत्याशी भी घोषित किया गया था। ऐसे में पार्टी संगठन में यह संदेश जा रहा है कि यहां समर्पित कार्यकर्ताओं की क्या कमी है। आखिर पार्टी संगठन की ओर से अन्य लोगों को तरजीह क्यों नहीं दी जा रही है। पार्टी के शीर्ष नेताओं को इस पर विचार मंथन करना चाहिए।

उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य स्वतंत्रता दिवस पर हुए सम्मानित

जागरण, सीधी। 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025 का आयोजन पुलिस परेड ग्राउंड सीधी में प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री तथा सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों को माननीय मुख्य अतिथि महोदय द्वारा सम्मानित किया गया। इसी तारतम्य में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सीधी के प्राचार्य शंभूनाथ त्रिपाठी को माननीय मंत्री द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य की इस उपलब्धि पर विद्यालय के सभी शिक्षकों ने बधाई संदेश प्रेषित किया है। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी पीके सिंह, डीपीसी डॉ. राजेश तिवारी, एडीपीसी प्रवीण कुमार शुक्ला, एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्रा, प्राचार्य वीरेंद्र सिंह बघेल, गिरिजा प्रसाद तिवारी, डॉ. संजीव कुमार त्रिपाठी, सुशील कुमार निगम आदि सभी प्राचार्यों ने बधाई दी।

कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव एवं मटकीफोड़ प्रतियोगिता हुई संपन्न

जागरण, सीधी। कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष में ग्राम हनुमानगढ़ में बड़ी धूम-धाम के साथ कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव एवं मटकी फोड़ प्रतियोगिता संपन्न हुई जिसमे कई स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भजन गायन एवं सुंदर नृत्य से ग्रामवासियों एवं अतिथियों का मन मोह लिया। जन्माष्टमी उत्सव एवं मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन श्रीकृष्ण सुदामा समिति हनुमानगढ़ के युवाओं द्वारा आयोजित किया गया था, जो सराहनीय था क्योंकि ग्रामीण स्तर पर कम सुविधाओं में इस तरह के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन अपने आप में प्रशंसनीय है। जन्माष्टमी जन्मोत्सव कार्यक्रम में क्षेत्र की विद्यालयों का भी विशेष सहयोग रहा जिनमें साईं विद्या मंदिर पोस्ता, शिव कृष्ण पब्लिक स्कूल अकौरी, बाल जागृत स्कूल, शिव पब्लिक स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल हनुमानगढ़ के संचालकों एवं छात्र-छात्राओं का सहयोग रहा वही हनुमानगढ़ हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य रामसुशील पाण्डेय भी युवाओं को भरपूर सनातन और सहयोग मिला, युवाओं ने विद्यालय के प्राचार्य का सम्मान कृष्ण प्रतिमा भेट कर किया। वहीं इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा समाजसेवी आनेंद्र राजन मिश्रा एवं क्षेत्र से आए सभी गणमान्य विशिष्ट अतिथियों सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जनपद सदस्या राधा राजेश यादव ने आए हुए सभी अतिथियों एवं आयोजन समित का आभार व्यक्त किया। वहीं संगठन की ओर से सफल आयोजन के लिए प्रियंजीव पाण्डेय ने ग्राम वासियों, संचालक अवनींद्र शुक्ल, भजन मंडली एवं अन्य क्षेत्रों से आए अतिथियों, मुख्य अतिथि एवं संगठन के सभी साथियों जिनमें प्रमुख रूप से विमल यादव, रामलल्लू यादव, जितेंद्र यादव, श्यामलाल रजक, अजीत सिंह, महाबली सिंह, राजेश यादव, दीपेंद्र सिंह, सुनीत यादव, बृजेश, पुनीत यादव, जेपी गोस्वामी, अजीत त्रिपाठी, अंकित यादव, रामबहोर यादव, रामदयाल, ऋषि, धीरेन्द्र, रजनीश एवं अन्य सभी युवा साथियों का आभार और धन्यवाद दिया।

प्रजापिता ब्रम्हकुमारी में मना जन्माष्टमी महोत्सव

जागरण, सीधी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्टेडियम के पास स्थित स्थानीय मुख्य सेवाकेंद्र द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया। श्रीकृष्ण की चैतन्य झांकी सजाई गई और उनकी महाआरती की गई। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी रेखा बहन ने जन्माष्टमी के आध्यात्मिक रहस्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण सर्व दैवी गुणों से संपन्न देव शिरोमणि हैं। उन्होंने परमात्मा शिव से सत्य गीता ज्ञान द्वारा अपने जीवन में सर्व शक्तियां धारण कर देव पद प्राप्त किया। श्रीकृष्ण की बांसुरी जीवन में संपूर्ण आनंद को प्रदर्शित करती है। परमात्मा हमें दैवी गुणों से संपन्न बना रहे हैं ताकि हम स्वर्ग जैसी दुनिया का निर्माण कर सकें। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमारी अर्चना ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आन-बान और शान से शासकीय एवं अशासकीय भवनों में लहराया तिरंगा

स्कूली बच्चों ने उमंग और उत्साह के साथ रंगारंग कार्यक्रम की दी प्रस्तुति

जागरण, मझौली

आजादी के 79 वें स्वतंत्रता दिवस को देश, प्रदेश व जिले के साथ मझौली उपखंड क्षेत्र में भी पूरे जोश और जुनून के साथ मनाया गया। जहां जगह-जगह शासकीय और अशासकीय कार्यालयों में राष्ट्रीयध्वज तिरंगे को आन, बान और शान से लहराया गया। खंड स्तरीय कार्यक्रम शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझौली प्रांगण में आयोजित किया गया था। जहां पर जनपद अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा एनसीसी परेड की सलामी ली गई। वहीं मुख्यमंत्री के संदेश का वचन जनपद उपाध्यक्ष द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने उत्साह और उमंग के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागी बन रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। जिनमें से प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार तथा प्रतिभागी सभी विद्यालयों को सांत्वना पुरस्कार से प्रस्तुत किया गया। वहीं विभागों के उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों को भी प्रशस्त पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विदित हो कि खंड स्तरीय ध्वजारोहण कार्यक्रम जनपद अध्यक्ष सुनैना सिंह की मुख्य अतिथि में संपन्न हुआ। जहां मुख्य अतिथि व अतिथियों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके समक्ष दीप प्रज्वलित कर ध्वजारोहण किया गया तथा संदीपनी विद्यालय सीएम राइज मझौली के एनसीसी कैडेट के परेड की सलामी ली गई। मुख्यमंत्री के संदेशों का वचन उपाध्यक्ष रमेश कुशवाहा द्वारा किया गया। तदउपरांत अतिथियों का स्वागत सम्मान माल्यार्पण व पुष्प गुच्छ प्रदान कर किया गया। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम की कड़ी में शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग मनमोहक कार्यक्रम की उपस्थित से सभी को देश प्रेम, देश भक्ति के भावों से भरते हुए मनमुग्ध कर ताली ठोंकने के लिए मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का मंचीय संचालन सुनियोजित ढंग से शिक्षक राजेश शर्मा द्वारा किया गया तथा अतिथियों का आभार व्यक्त कन्या प्राचार्य राजेंद्र सिंह द्वारा किया गया। मझौली के खंड स्तरीय इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष सुनैना सिंह, नगर परिषद मझौली के नगर अध्यक्ष शंकर लाल गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य खडौरा कृष्ण लाल छोटू पयासी, भाजपा जिला मंत्री पार्षद नगर परिषद मझौली वरिष्ठ संविदाकार लवकेश सिंह, उपाध्यक्ष नप मझौली उदयभान यादव, पार्षद हिमांशु तिवारी, रंजना गुप्ता, मीना रजक, जनपद उपाध्यक्ष रमेश कुशवाहा, जनपद सदस्य सुनील सिंह, रीतू सिंह, कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष आनन्द सिंह, क्षेत्रीय नेता यमुना प्रसाद वर्मा, कामता सोनी, सन्तोष तिवारी, एसडीएम मझौली आरपी त्रिपाठी के साथ उपखंड के सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक स्कूली शिक्षक-छात्र भारी संख्या में शामिल रहे।

सांदीपनी विद्यालय ने दूसरी बार अर्जित किया प्रथम स्थान

खंड स्तरीय ध्वजारोहण कार्यक्रम में उपखण्ड के कुल आठ शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं जिसमें शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझौली, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पांड, प्रभा पूर्व माध्यमिक विद्यालय मझौली, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझौली, विंध्य दीपिका अकैडमी हाई स्कूल मझौली, संदीपनी सीएम राइज विद्यालय मझौली, सरस्वती ज्ञान मंदिर हाई स्कूल मझौली, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझौली के बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभाओं का ज़ोर दार प्रदर्शन किया। जहां स्कोर की भूमिका निभा रहे अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष महेंद्र सिंह, रोजगार सहायक चदौहीडोल कनक द्विवेदी, अक्षीक्षिका आराधना श्रीवास्तव प्रतिभागी विद्यालयों को प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के लिए चयनित किए। जिनके साथ सभी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। जहां स्वतंत्रता दिवस 2024 को प्रथम स्थान अर्जित करने वाली संदीपनी सीएम राइज लगातार दूसरी बार स्वतंत्रता दिवस पर प्रथम स्थान अर्जित की, जो गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2025 को दूसरे स्थान पर रही। वही दूसरे स्थान पर पूर्व में जिला स्तरीय कार्यक्रम में जलवा बिखेर चुकी सरस्वती ज्ञान मंदिर हाई स्कूल मझौली तथा तीसरे स्थान पर सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझौली रही।

निर्धन गिरे पहाड़ से, कोई न पूछे हाल
धनी को कांटा लगे, पूछें लोग हजार
संत कबीर

लिव-इन रिलेशनशिप : प्यार के खुमार में उलझे संपत्ति के अधिकार

लिव-इन रिलेशनशिप में कई कानूनी और सामाजिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है ऐसे पार्टनर्स के संपत्ति के अधिकार का मुद्दा। ऐसे रिश्तों के टूटने पर संपत्ति के बंटवारे से जुड़ी कई चुनौतियां सामने आ रही हैं, जैसे कि संयुक्त संपत्ति का अभाव और दोनों का वित्तीय योगदान साबित करने में मुश्किल।

● डॉ सुधीर कुमार ●

भारत में लिव-इन रिलेशनशिप एक जटिल सामाजिक वास्तविकता बन गई है, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद का प्रतीक तो है, लेकिन इसके कानूनी दायरे, खासकर संपत्ति के अधिकारों को लेकर, अक्सर भ्रम की स्थिति बनी रहती है। पारंपरिक विवाह के इतर इस रिश्ते में रहने वाले भागीदारों के लिए संपत्ति का अधिकार अक्सर एक अंधकारमय गलियारे जैसा होता है, जहां न्याय की राह आसान नहीं, क्योंकि सामाजिक मानदंडों में बदलाव और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर बढ़ते जोर के साथ, यह व्यवस्था अब महानगरों तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों में भी इसका प्रचलन बढ़ रहा है। हालांकि, इस बढ़ती प्रवृत्ति के साथ कई कानूनी और सामाजिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले पार्टनर्स के संपत्ति के अधिकार का मुद्दा, जो एक ऐसा क्षेत्र है जहां स्पष्ट कानूनी ढांचे की कमी के कारण अक्सर जटिल समस्याएं उत्पन्न होती हैं। लिव-इन रिलेशनशिप में रिश्तों के टूटने पर संपत्ति के बंटवारे से जुड़ी कई चुनौतियां सामने आती हैं, जैसे कि संयुक्त संपत्ति का अभाव और वित्तीय योगदान साबित करने में मुश्किल। अक्सर पार्टनर संपत्ति अलग-अलग खरीदते हैं या एक कमाता है और दूसरा घर चलाता है, जिससे यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि कौन सी संपत्ति किसकी है। भावनात्मक और सामाजिक दबाव भी महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए लड़ने से रोकता है। उत्तराधिकार का मुद्दा भी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि वसीयत न होने पर लिव-इन पार्टनर का संपत्ति में अधिकार जताना असंभव हो जाता है। हमारे देश में लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर कोई स्पष्ट और व्यापक कानून मौजूद नहीं है, जिसके कारण ऐसे रिश्तों में संपत्ति के अधिकारों पर अक्सर अस्पष्टता बनी रहती है। यद्यपि सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न फैसलों में इसे 'विवाह जैसी प्रकृति का रिश्ता' माना है, खासकर घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत गुजारा भत्ता के मामलों में। फिर भी संपत्ति के बंटवारे या विरासत को लेकर कोई ठोस कानूनी दिशानिर्देश स्थापित नहीं किए गए हैं। भारतीय कानून पारंपरिक रूप से विवाह-आधारित संबंधों को मान्यता देता है, जहां पति-पत्नी के संपत्ति के अधिकार स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं। इस कानूनी अस्पष्टता का सीधा अर्थ यह है कि यदि एक लिव-इन पार्टनर की मृत्यु हो जाती है, या रिश्ता टूट जाता है, तो संयुक्त रूप से अर्जित संपत्ति के बंटवारे या विरासत को लेकर विवाद उठना तय है, जिससे अक्सर महिला साथी को खमियाजा भुगतना पड़ता है। वे अपनी कमाई या रिश्ते में किए गए योगदान का कानूनी प्रमाण पेश करने में कमजोर स्थिति में होती हैं। यह कानूनी लड़ाई लंबी और महंगी साबित होती है, जिसमें न्याय मिलना मुश्किल हो जाता है।

विरासत में संपत्ति पाने का अधिकार भी

भारतीय न्यायपालिका ने विभिन्न फैसलों के माध्यम से लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले पार्टनर्स के अधिकारों को खासकर संपत्ति के संदर्भ में परिभाषित किया है। एस. खुशबू बनाम कन्नियाम्मल (2010) मामले ने लिव-इन रिलेशनशिप की कानूनी वैधता को स्थापित करते हुए इसे जीवन के अधिकार का हिस्सा माना। डी. वेलुसामी बनाम डी. पचईअम्मल (2010) में सर्वोच्च न्यायालय ने 'विवाह जैसे रिश्ते' की अवधारणा को उजागर किया, यह स्पष्ट करते हुए कि यदि लिव-इन पार्टनर ने किसी संपत्ति के अधिग्रहण में प्रत्यक्ष योगदान दिया है, तो उस पर उनका अधिकार हो सकता है, हालांकि स्वत: विरासत का अधिकार नहीं होता। इंद्र सरमा बनाम वी.के.वी. सरमा (2013) में, घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 के तहत लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिलाओं को भरण-पोषण का अधिकार दिया गया, जो वित्तीय सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। धन्नूलाल और अन्य बनाम गणेशराम और अन्य (2015) ने यह स्थापित किया कि यदि एक पुरुष और महिला लंबे समय तक पति-पत्नी की तरह साथ रहते हैं, तो उन्हें विवाहित माना जाएगा, जिससे महिला को लिव-इन पार्टनर की मृत्यु के बाद संपत्ति विरासत में पाने का अधिकार मिला।

बच्चों का पैतृक संपत्ति में हिस्सा

सबसे हालिया फैसला कट्टुकंडी इडाथिल कृष्णन तथा अन्य बनाम कट्टुकंडी इडाथिल वाल्सन और अन्य (2022) ने लिव-इन रिलेशनशिप से जन्मे बच्चों के संपत्ति अधिकारों को स्पष्ट करते हुए कहा कि ऐसे बच्चों को वैध माना जाएगा और उन्हें पैतृक संपत्ति में हिस्सा प्राप्त करने का अधिकार होगा, बशर्ते संबंध 'लंबे समय तक' और 'आकस्मिक' प्रकृति का न हो। इन फैसलों ने मिलकर भारत में लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े अधिकारों, विशेषकर संपत्ति और वित्तीय सुरक्षा के पहलुओं को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नि:संदेह, समस्याओं से निपटने के लिए लिव-इन रिलेशनशिप के स्वैच्छिक पंजीकरण और भागीदारी समझौते 'पार्टनरशिप एग्रीमेंट' को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि संपत्ति और वित्तीय जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से परिभाषित हों। साथ ही, न्यायपालिका को भी स्पष्ट दिशानिर्देश बनाने चाहिए और लोगों को अपने कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना चाहिए ताकि भविष्य में होने वाली समस्याओं से बचा जा सके।

किसी फिल्म जितनी दिलचस्प है नसीर की आत्मकथा

'एंड दैन वन डे'

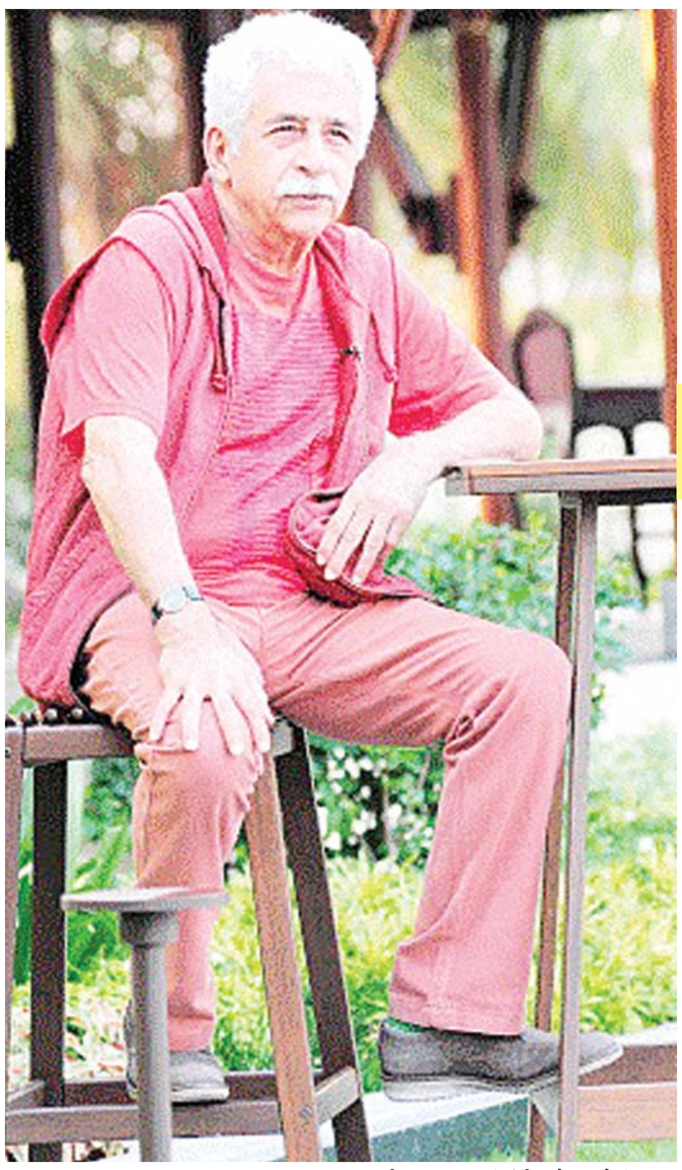

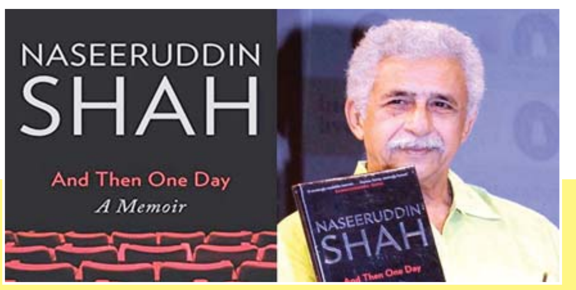

इस किताब से उनके नाटक के लिए जुनून का पता चलता है और फिल्मी परदे पर खुद को देखने की उनकी ख्वाहिश का भी।

अभिनेता नसीरुद्दीन शाह अपने जन्म, बचपन तथा 32 वर्ष की अपनी उम्र का ईमानदार लेखा-जोखा 'एंड दैन वन डे' में देते हैं। जमींदार परिवार से आने वाले नसीर अपने पिता, मामा, ड्रामा स्कूल के साथियों-शिक्षकों की विशेषताओं-कमियों को दिखाते, अपनी कमजोरियों को खोल कर लिखते हैं। बेबाकी से नशाखोरी, अपने पहले विवाह, उसके टूटने, अपनी पहली संतान हीबा से कई वर्षों तक न जुड़ पाने, फिर मिलने पर पुन: संबंध स्थापित करने में होने वाली हिचक का वर्णन करते हैं।

● डॉ. विजय शर्मा ●

नसीरुद्दीन शाह का जीवन/संस्मरण किसी फिल्म जितना दिलचस्प है। कलात्मक सिनेमा और लोकप्रिय सिनेमा दोनों में उनकी उपस्थिति की सराहना होती रही है। बड़े परदे पर जितने वे सफल रहे हैं, उतने ही सफल वे टीवी परदे पर भी रहे हैं। उनके निभाए किरदार 'गालिब' को कौन भूल सकता है।

गालिब का नाम लेते आंखों के सामने उन्हीं की आकृति उभरती है। फिल्में जैसे 'निशांत' हो अथवा 'चमत्कार' या फिर 'हीरो हीरालाल' या 'मंडी' हो, चाहे 'मासूम' हो, उन्होंने सब पर अपनी छाप छोड़ी है। 'मासूम' के बाद जब दर्शक 'सरफरोश' देखता है, तो वह शिद्दत से चाहता है, गुलफाम हसन बकरी का कान न उखाड़ें। मगर क्रूरता की हद का अभिनय नसीर उसी बड़ी सहजता से करते हैं, जिस सहजता से 'मिर्च मसाला' के लीचड़ किरदार का। वे गंभीर, हास्य और हल्की-फुल्की भूमिकाएं सबमें जंचते हैं। उनकी दमदार और स्पष्ट आवाज भाषा पर उनकी पकड़ और प्रेम को दिखाती है। जमींदार परिवार से आने वाले नसीर अपने पिता, मामाओं, स्कूल-कॉलेज टीचर्स, नेशनल ड्रामा स्कूल, पूना फिल्म संस्थान के साथियों-शिक्षकों की विशेषताओं-कमियों को दिखाते, अपनी कमजोरियों को खोल कर लिखते हैं। जीवन का बड़ा हिस्सा ननिहाल, मेरठ के सरधना में बीता। इस किताब से नाटक के उनके जुनून का पता चलता है, फिल्मी परदे पर खुद को देखने की ख्वाहिश का भी। बेबाकी से नशाखोरी, अपने पहले विवाह, उसके टूटने, अपनी पहली संतान हीबा से कई वर्षों तक न जुड़ पाने, मिलने पर पुन: संबंध स्थापित करने में होने वाली हिचक का वर्णन करते हैं। वे आत्ममुग्ध व्यक्ति हैं।

आत्मकथा 'एंड दैन वन डे'

आत्मकथा 'एंड दैन वन डे' पढ़ते हुए भाषा पर उनके अधिकार का पता चलता है। पूरी किताब कहानी का मजा देती है। अभिनय उनका 'स्व-धर्म' है, उनके खून में रचा-बसा है। बहुत ऊबे हुए नसीर को एक बार काफी पैसे मिले, उन्होंने एक लैपटॉप खरीदा, उसे चलाना सीखा। बस लिखने लगे, 'मैं पैदा...' और नतीजा हुई यह किताब 'एंड दैन वन डे'। साढ़े तीन सौ पन्नों में नसीर अपने जीवन खूबसूरती से पिरोते हैं। रत्ना पाठक से अपनी शादी तक के समय को दर्ज करते हैं। नसीर के अनुसार रत्ना के आने से उनकी जिंदगी पटरी पर आई है। यहां उनके और उनके परिवार के खूब सारे चित्र भी हैं। जिद्दी नसीर ओम पुरी, शबाना आजमी, स्मिता पाटिल और दिलीप कुमार की अभिनय क्षमता की प्रशंसा करते हैं। नाट्य-फिल्म निर्देशक पीटर ब्रूक की असलियत खोलते हैं। इब्राहिम अलकाज़ी, श्याम बेनेगल, गिरीश कर्नाड, सई परांजपे, शेखर कपूर, गुलजार से अपने संबंध बताते हैं। नसीर कई जगह अपना खुद का मजाक उड़ाते हैं। अम्मी, दूसरी पत्नी रत्ना पाठक को अपनी कामयाबी का श्रेय देते हैं। इस आत्मकथा को पढ़ते हुए आप बाराबंकी से मुंबई (बंबई) तक की रोचक यात्रा करते हैं। उनके पिता उन्हें क्या बनाना चाहते थे, वे क्या बनना चाहते थे, क्या बने। नसीर की सही जन्मतिथि ज्ञात नहीं है। तीन भाइयों में सबसे छोटे नसीर पढ़ने में बहुत अच्छे न थे, साहित्य पर पकड़ अच्छी थी। शैक्सपीयर के दीवाने नसीर को अपने पिता से कभी अच्छा व्यवहार न मिला। पिता को बेटे से बहुत अपेक्षाएं थी, बेटा मनमानी करने पर तुला था। बेटे ने जिंदगी भर जो मन में आया वही किया।

इंग्लिश फिल्मों ने लगाया फिल्म का चस्का

प्रतिभा के साथ इस आदमी ने लगन के साथ मेहनत की, मुकाम हासिल किया। वे अपने ननिहाल और ददिहाल के सदस्यों का बड़ा रोचक चित्रण करते हैं। नैनीताल का बोर्डिंग स्कूल, गणित और विज्ञान उन्हें कभी रास न आया। हां, वहां प्रत्येक सप्ताह दिखाई जाने वाली इंग्लिश फिल्मों ने उन्हें फिल्म का चस्का लगा दिया। नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा ने उनकी प्रतिभा को निखारा। मेहनत और लगन के साथ भाग्य ने उनका साथ दिया। दारा सिंह की ढेरों फिल्म देखने वाले नसीर अपने एक साथी, खूबसूरत युवा जसपाल की बात करते हैं। जसपाल में संगीत की प्रतिभा थी, नसीर को इंग्लिश में महारत हासिल थी। दोनों अभिनय के शौकीन थे। नसीर युवावस्था में संभोग और नशे के कई अनुभवों का जिक्र करते हैं। श्याम बेनेगल ही नसीर को फिल्मों में ले कर आए, 'निशांत' उनकी पहली फिल्म है।

19 साल की उम्र में 36 साल की पुरवीन से शादी की

ओमपुरी से अपने जटिल संबंध की बात नसीर अपनी आत्मकथा में लिखते हैं। फिल्मों में काम करना उनका लक्ष्य था। हाथ में पैसा न होने पर भी वे बंबई भाग आए। 19 साल की उम्र में उन्होंने 36 साल की पुरवीन से शादी की और पिता बन गए। वे पिता की जिम्मेदारी के लिए तैयार न थे, अतः बच्ची और पत्नी से दूरी बनी। पुरवीन बच्ची लेकर ईरान चली गई। धीरे-धीरे कट्टर बन गई। उसने हीबा को स्कूल नहीं भेजा। जब हीबा नसीर के साथ रहने लगी, तब उसकी शिक्षा-दीक्षा हुई। पत्नी रत्ना ने नसीर और बेटी हीबा को करीब ला दिया। नसीर के आर्थिक पक्ष की वही देखभाल करती हैं। इस किताब को लिखने में उन्हें 12 वर्ष का समय लगा था। इस 32 वर्षों की कहानी में खुशी और दर्द दोनों छलकें हैं। आप एक रोचक जीवन के बारे में जानना चाहते हैं तो, इसे पढ़ें।

क्या द्विज और सवर्ण एक ही हैं?

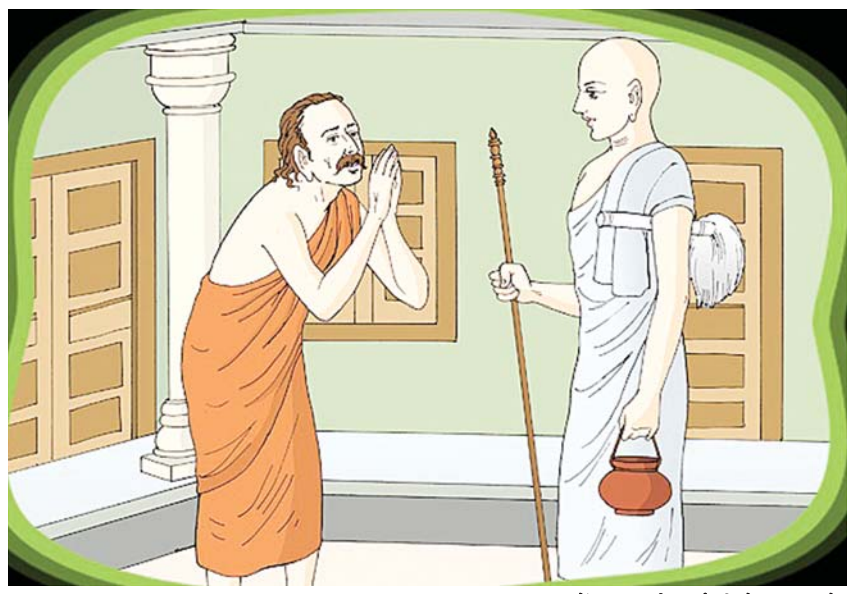

● देवदत्त पटनायक ●

सवर्ण शब्द वामपंथियों द्वारा हिंदू अभिजात वर्ग को 'अवर्ण' से अलग करने के लिए गढ़ा गया था, यानी वे लोग जिन्हें जाति व्यवस्था से बाहर माना जाता है और जिन्हें मानवीय गरिमा से वंचित रखा जाता है। भारत में भी 2,000 साल पहले कुछ ऐसा ही किया गया था, लेकिन एक अलग कारण से। ब्राह्मणों ने अपनी आय का आधार बढ़ाने के लिए द्विज नामक एक अभिजात वर्ग बनाया।

द्विज शब्द वैदिक नहीं है। इसका पहली बार धर्मशास्त्रों में, 300 ईसा पूर्व के बाद, उल्लेख मिलता है। इस शब्द का प्रयोग हिंदू समाज के अभिजात्य वर्ग को गैर-अभिजात्य वर्ग से अलग करने के लिए किया जाता था। द्विजों में ब्राह्मण और उनके संरक्षक (ज्यादातर भूस्वामी क्षत्रिय) शामिल थे, और कुछ अनिच्छा के साथ, व्यापारी समुदाय (वैश्य) भी। इसमें शूद्र या सेवा वर्ग शामिल नहीं था, जो गाँव के सभी लोगों की सेवा करता था, जिनमें कारीगर, शिल्पकार और किसान शामिल थे। शूद्र में वे लोग शामिल थे जिन्हें छुआ जा सकता था, यानी द्विजों के सेवादार के रूप में थे।

कई लोगों ने तर्क दिया है कि इसमें वे नौकर शामिल नहीं थे जिन्हें छुआ नहीं जाता था, जो कचरा, मल और शवों से जुड़े 'गंदे' कामों में लगे थे। वैदिक काल में, 3,000 साल पहले, क्षत्रियों (राजाओं) को बहुत महत्व दिया जाता था, जो घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाले रथों पर सवार होते थे और धनुष चलाते थे। ये खानाबदोश चरवाहे थे, जिनका भरण-पोषण भजन-कीर्तन करने वाले, अनुष्ठान करने वाले कवि-पुजारी करते थे, जिन्हें ब्राह्मण, गुप्त भाषा और विद्या के रक्षक के रूप में जाना जाता था। लौह युग (1000 ईसा पूर्व) में खानाबदोश समुदायों के कृषि बस्तियों में स्थानांतरित होने के बाद, व्यापारिकता का उदय हुआ। शुरुआत में, व्यापारी वर्ग विशेष रूप से प्रभावशाली नहीं था। हालाँकि, लगभग 2,500 वर्ष पूर्व, व्यापारी वर्ग ने प्रमुखता प्राप्त की, क्योंकि व्यापार मार्ग गंगा नदी बेसिन से हिंदू कुश पर्वतों और समुद्र तटों तक फैले हुए थे। ये व्यापारी बौद्ध और जैन धर्म जैसे मठवासी संप्रदायों के संरक्षक बन गए। व्यापारी भिक्षुओं का समर्थन करते थे और भिक्षु बदले में व्यापारियों का समर्थन करते थे, जिससे ब्राह्मणों को उभरती हुई बाजार अर्थव्यवस्था से अलग-थलग महसूस होता था। व्यापारियों को अपने सामाजिक ढाँचे में एकीकृत करने की आवश्यकता को समझते हुए, ब्राह्मणों ने पुराने त्रिवर्ण मॉडल को छोड़कर चतुर्वर्ण मॉडल को अपनाया।

ब्राह्मणों ने अपनी आय का आधार बढ़ाने के लिए द्विज नामक एक अभिजात्य वर्ग बनाया। इस शब्द का प्रयोग हिंदू समाज के अभिजात्य वर्ग को गैर-अभिजात्य वर्ग से अलग करने के लिए किया जाता था।

त्रिवर्ण मॉडल में, समाज तीन समूहों में विभाजित था- क्षत्रिय (योद्धा), ब्राह्मण और सामान्य जनता (विश), जिसमें चरवाहे और कृषि श्रमिक शामिल थे। चतुर्वर्ण मॉडल ने व्यापारियों को एक अलग श्रेणी के रूप में शामिल करके एक चौथे स्तर की शुरुआत की। सामान्य जनता शूद्र बन गई, जो शीर्ष तीन स्तरों की सेवा करते थे। यह एक नया विचार था। धर्मशास्त्र में इसे लोकप्रिय बनाया गया।

ऋग्वेदिक की वह ऋचा जिसमें चार वर्णों का उल्लेख है, एक विचित्रता है। 1,000 ऋचाओं में से, यह एकमात्र ऋचा है जिसमें वर्ण का उल्लेख है। 'शूद्र' शब्द केवल यहीं आता है। यह स्पष्ट रूप से बाद में जोड़ा गया एक शब्द है जिसका उद्देश्य 300 ईसा पूर्व के बाद आए धर्मशास्त्र द्वारा प्रचलित चतुर्विधा को वैध ठहराना था। द्विज (द्विज) कहलाने के लिए, व्यक्ति को एक ब्राह्मण द्वारा आयोजित एक समारोह में भाग लेना होता था, जिससे उसे वेदों का अध्ययन करने की अनुमति मिलती थी। यह दीक्षा दूसरे जन्म का प्रतीक थी - पहले माँ के गर्भ से, और फिर एक ब्राह्मण गुरु के माध्यम से, जो व्यक्ति को वैदिक ज्ञान से परिचित कराता था।

विश्व मच्छर दिवस

सतर्क रहें... हमारे बीच पनप रहा है 'मौन मृत्यु दूत'

बारिश के मौसम में इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि इसी मौसम में एक मौन मृत्यु दूत हमारे बीच पनप रहा है। बारिश के बाद ठहरे पानी में एक ऐसा जीव जन्म लेता है, जो मानव जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। यह जीव है, मच्छर! यह आकार में भले ही बेहद छोटा हो, परंतु इसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत होती है।

● जयसिंह रावत ●

मानसून भारत में जितना स्वागत योग्य होता है, उतना ही कई बार विनाशकारी भी साबित होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मच्छर की वजह से दुनिया में हर साल औसतन सात लाख लोगों की मौत होती है। विडंबना यह कि मच्छर से मृत्यु न तो खबर बनती है, न एजेंडा। आंकड़े बताते हैं कि मानव हंताओं की इस सूची में दूसरे नंबर पर स्वयं मनुष्य आता है, जिससे लगभग चार लाख लोगों की मृत्यु होती है, फिर सांप (एक लाख), कुत्ते (25,000), बिच्छू (3,000-5,000) आदि शामिल हैं। मच्छर किसी को सीधे तौर पर नहीं मारता, बल्कि मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जीका वायरस और पीला बुखार जैसी बीमारियां इसके जरिये फैलती हैं। इन रोगों से ग्रस्त लोगों की संख्या करोड़ों में है और लाखों की जान चली जाती है। भारत जैसे घनी आबादी और उष्णकटिबंधीय जलवायु वाले देश में मानसून का मौसम मच्छरों के लिए अनुकूल होता है। जल-जमाव, नालियों की सफाई में लापरवाही, खुले गमले, कूलर और जलाशयों में जमा पानी मच्छरों के लिए प्रजनन स्थल बन जाते हैं। भारत में मलेरिया और डेंगू सबसे अधिक जानलेवा साबित हो रहे हैं। 2023 में अकेले डेंगू के दो लाख से अधिक मामले दर्ज हुए, जिनमें से सैकड़ों की मौत हुई। वहीं मलेरिया के भी हजारों मामले सामने आते हैं। शहरीकरण, अनियंत्रित विकास और जलवायु परिवर्तन के चलते अब पहाड़ी और ठंडे इलाकों में भी डेंगू जैसे रोग फैलने लगे हैं। हाल ही में उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में डेंगू के केस सामने आए। मानसून के समय नगर निकायों और स्वास्थ्य विभाग द्वारा मच्छरनाशक छिड़काव, फॉगिंग, और जनजागरूकता अभियान की घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इनका कार्यान्वयन बहुत सीमित और असमान होता है। बड़े शहरों में भी कई क्षेत्रों में फॉगिंग नहीं की जाती या फिर कम गुणवत्ता वाली दवाएं छिड़की जाती हैं। इसके कारण झुग्गी-झोपड़ी और निम्न आय वर्ग के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। साफ है कि मच्छरजनित रोग अब केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानता का भी संकेत बन गए हैं।

मध्यमवर्ग पर बोझ है डेंगू के इलाज का खर्च

स्वास्थ्य के साथ-साथ मच्छरों का आर्थिक प्रभाव भी व्यापक है। एक अनुमान के अनुसार, औसत भारतीय परिवार को डेंगू या मलेरिया से पीड़ित सदस्य के इलाज पर 10,000 से 30,000 रुपये तक खर्च करने पड़ते हैं। यह खर्च निम्न मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के लिए अत्यधिक बोझ बन जाता है। सरकार द्वारा दी जाने वाली चिकित्सा सेवाएं कई बार पर्याप्त नहीं होतीं या बहुत दूर होती हैं। खासकर ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य केंद्रों की कमी और दवाओं की अनुपलब्धता के कारण स्थिति और भी विकट हो जाती है। सरकारी अस्पतालों में बेड की कमी, प्लेटलेट्स की अनुपलब्धता और समय पर जांच न हो पाना भी इस समस्या को बढ़ाता है। यह भी उल्लेखनीय है कि जलवायु परिवर्तन के चलते मच्छरों के व्यवहार और प्रजनन के तरीके बदल रहे हैं। चिकित्सक और महामारी विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत को मच्छरजनित रोगों से निपटने के लिए केवल मौसमी अभियान नहीं, बल्कि एक सतत और दीर्घकालिक रणनीति बनानी होगी।

संक्षिप्त खबरें

विधानसभा अध्यक्ष ने किया ध्वजारोहण

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर विधानसभा में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा सुरक्षा बल (मार्शल्स) की परेड की सलामी ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह में विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव एपी सिंह, अन्य वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित थे। इससे पूर्व माननीय विधानसभा अध्यक्ष ने अपने शासकीय आवास पर ध्वजारोहण किया।

आजादी के पर्व पर व्हील्स ऑफ फ्रीडम ने निकाली रैली

मुख्य संवाददाता, भोपाल। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर व्हील्स ऑफ फ्रीडम नाम की संस्था ने साइकिल रैली निकाली। इस रैली में शहरभर से 700 से अधिक साइकिल सवारों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 100 भोपाल के बाहर से आए थे। इस रैली के जरिए देशभक्ति के तरानों के बीच लोगों को एकता और स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। रैली का मकसद नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण, फिटनेस और साइकिल चलाने के प्रति जागरूक करना था। रैली में शामिल सभी प्रतिभागियों ने तिरंगे के साथ सड़कों पर साइकिल चलाकर यह संदेश दिया कि स्वस्थ शरीर और स्वच्छ पर्यावरण ही सच्ची आज़ादी का प्रतीक हैं। यह रैली एमपी नगर मल्टीलेवल पार्किंग से शुरू होकर, आरबीआई, सुभाष नगर, 80 फीट रोड, पुरानी सब्ज़ी मंडी, संगम टॉकीज़, स्टेशन रोड, बस स्टैंड, शाहजहांनाबाद गेट, ताजुल मसाजिद, कर्फ्यू वाली माता, वीआईपी रोड, लालघाटी होते हुए द्रोणांचल पर संपन्न हुई। यहां साइक्लिस्ट ने सेना के जवानों के साथ राष्ट्रीय पर्व मनाया।

मीसाबंदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लौटाया सम्मान

जागरण संवाददाता, भोपाल। लंबे समय से लीवर व किडनी की समस्याओं से जूझ रहे 81 वर्षीय मीसाबंदी व लोकतंत्र सैनानी पंडित रामजीवन दुबे ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शासन द्वारा किए जाने वाले सम्मान को लौटा दिया है। दरअसल दुबे लंबे समय से अपने इलाज के लिए जिला प्रशासन पर सीएमएचओ कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो पा रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में किडनी व लीवर में सूजन व प्रोस्टेट की समस्या के चलते उन्हें नेशनल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उन्हें न तो मीसाबंदी कार्ड का लाभ मिला और न ही आयुष्मान योजना का लाभ मिला, जिसके चलते उन्हें लगभग 2 लाख रुपए से ज्यादा का बिल भरना पड़ा। इस संबंध में वे जनसुनवाई के तहत 29 जुलाई और 5 अगस्त को आवेदन दे चुके हैं, लेकिन समस्या का हल न होने के कारण उन्होंने 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शासन के सम्मान को लौटा दिया। रामजीवन दुबे ने बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक न होने के चलते वे अपना इलाज नहीं करा पा रहे हैं। वहीं शासन की योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल रहा है।

कांग्रेस ने पूर्व मंत्रियों और विधायकों को भी बनाया जिलाध्यक्ष

जयवर्धन सिंह गुना, ओमकार मरकाम डिंडौरी, भोपाल शहर से प्रवीण सक्सेना व ग्रामीण से अनोखी पटेल अध्यक्ष बने

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में कांग्रेस ने 71 जिलों के अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। इसमें भोपाल शहर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, भोपाल ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनोखी मानसिंह पटेल को रिपीट किया गया है। वहीं चिंटू चौकसे को इंदौर शहर, जबकि विपिन वानखेड़े को इंदौर ग्रामीण की

कमान दी गई है। गुना में पूर्व सीएम के बेटे और राघौगढ़ से विधायक जयवर्धन सिंह को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। उज्जैन शहर मुकेश भाटी और उज्जैन ग्रामीण में महेश परमार को जिम्मेदारी दी गई है। कांग्रेस के 71 जिला अध्यक्षों की लिस्ट में महज 4 महिलाओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। 6 वर्तमान विधायकों को भी जिला संगठन की कमान दी गई है। 11 पूर्व विधायकों को भी जिला अध्यक्ष बनाया गया है। अल्पसंख्यक वर्ग से पन्ना में अनीस खान और सतना शहर में आरिफ इकबाल सिद्धिकी को मौका दिया गया है। कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की सूची जारी होने के बाद अब पार्टी कार्यकर्ताओं को जोड़ने के साथ ही संगठन की गतिविधियों के विस्तार पर फोकस करेगी।

15 ऐसे नेता अध्यक्ष बने जिन्होंने नहीं किया आवेदन

कांग्रेस ने जिला अध्यक्षों के चयन के लिए राष्ट्रीय स्तर से ऑब्जर्वर नियुक्त किए थे। इन ऑब्जरवर्स के साथ पीसीसी ने भी सहयोगी ऑब्जर्वर बनाकर जिलों में भेजे थे। ऑब्जर्वर्स ने जिलों में जाकर रायशुमारी कर अध्यक्ष के लिए नाम छांटे हैं। दो महीने की मेहनत के बाद घोषित हुए जिला अध्यक्षों में 15 ऐसे भी अध्यक्ष बनाए गए हैं जिन्होंने जिला अध्यक्ष बनने के लिए आवेदन नहीं किया था। न ही पर्यवेक्षकों के सामने दावेदारी की थी। लेकिन, ऑब्जर्वर्स की रिपोर्ट और सीनियर लीडर्स से हुई चर्चा में ये नाम जोड़े गए और इन्हें जिलों की कमान दी गई है।

प्रवीण सक्सेना भोपाल शहर अध्यक्ष

अनोखी पटेल भोपाल ग्रामीण अध्यक्ष

जयवर्धन सिंह गुना

ओमकार मरकाम डिंडौरी

प्रतिभा रघुवंशी खंडवा शहर

विजयलक्ष्मी तंवर आगर-मालवा

सुनीता पटेल नरसिंहपुर

सरस्वती मरकाम सिंगरौली ग्रामीण

बुरहानपुर में कांग्रेस नेता ने दिया इस्तीफा

बुरहानपुर में कांग्रेस ग्रामीण जिलाध्यक्ष पद के लिए दावेदारी जताने वाले लोनी के कांग्रेस नेता हेमंत पाटिल ने कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट की कि मैं कार्यकर्ता हूं और कार्यकर्ता रहूंगा। कांग्रेस जिलाध्यक्षों की सूची जारी होने के कुछ समय बाद ही बुरहानपुर में किसी कांग्रेस नेता का यह पहला इस्तीफा है। वह राजीव गांधी पंचायती राज संगठन जिला अध्यक्ष और जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता के पद पर थे।

11 पूर्व विधायक बने अध्यक्ष

अलीराजपुर	मुकेश पटेल
इंदौर ग्रामीण	विपिन वानखेड़े
कटनी शहर	कुंवर सौरभ सिंह
मंडला	डॉ अशोक मर्सकोले
नरसिंहपुर	सुनीता पटेल
राजगढ़	प्रियव्रत सिंह
रतलाम ग्रामीण	हर्ष विजय गहलोत
बैतूल	निलय डागा
जबलपुर ग्रामीण	संजय यादव
बुरहानपुर ग्रामीण	रविंद्र महाजन
पांढुर्णा	जतन उईके

जीतू पटवारी ने दीं शुभकामनाएं कहा- जनहित में जुटे रहना है

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सभी जिलों के नव निर्वाचित कांग्रेस अध्यक्षों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा- कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन में पूर्ण हुआ संगठन सृजन अभियान मंथन और चिंतन की प्रक्रियाओं को पार करते हुए अब संगठन की जिम्मेदारियों तक आ पहुंचा है। आगे की यात्रा भी निर्णायक है। पटवारी ने आगे लिखा- अपने अथक परिश्रम से हर सपने को, हर संकल्प को, हर लक्ष्य को भी साकार करना है। मुझे पूर्ण विश्वास है हमारे साझा प्रयास मप्र में कांग्रेस के विचार और संस्कार को नया विस्तार देंगे। संगठन को नई और मजबूत जमीन देंगे। 2028 में मप्र को कांग्रेस की सरकार देंगे।

6 विधायकों को मिली जिलाध्यक्ष की कमान

गुना	जयवर्धन सिंह (राघौगढ़ विधायक)
उज्जैन ग्रामीण	महेश परमार (तराना विधायक)
बालाघाट	संजय उईके (बैहर विधायक)
डिंडौरी	ओमकार सिंह मरकाम (डिंडौरी विधायक)
सतना ग्रामीण	सिद्धार्थ कुशवाह (सतना विधायक)
रायसेन	देवेन्द्र पटेल (सिलवानी विधायक)

18 जिलाध्यक्षों को फिर मिली कमान

- बड़वानी से नानेश चौधरी
- खरगोन से रवि नाईक
- झाबुआ से प्रकाश रांका
- शाजापुर से नरेश्वर प्रताप सिंह
- उज्जैन शहर से मुकेश भाटी
- विदिशा से मोहित रघुवंशी
- सीहोर से राजीव गुजराती
- भोपाल शहर से प्रवीण सक्सेना
- भोपाल ग्रामीण से अनोखी पटेल
- छिंदवाड़ा से विश्वनाथ ओक्टे
- बालाघाट से संजय उईके
- जबलपुर शहर से सौरभ शर्मा
- सीधी से ज्ञान प्रताप सिंह
- मैहर से धर्मेश घई
- रीवा ग्रामीण से राजेन्द्र शर्मा
- टीकमगढ़ से नवीन साहू
- अशोकनगर से राजेन्द्र कुशवाहा
- मुरैना ग्रामीण से मधुराज तोमर।

सिर्फ चार जिलों में महिलाओं को जिम्मेदारी

- आगर-मालवा से विजयलक्ष्मी तंवर
- खंडवा शहर से प्रतिभा रघुवंशी
- नरसिंहपुर से सुनीता पटेल
- सिंगरौली ग्रामीण से सरस्वती सिंह मरकाम

सीएम हाउस में मना श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, बाल-गोपाल राधा-कृष्ण की वेशभूषा में बच्चे हुए शामिल

जिन स्थानों पर श्रीकृष्ण के चरण पड़े, उन्हें तीर्थ के रूप में कर रहे विकसित: मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण के चरण पड़े हैं, वह स्थान हमारे लिए वंदनीय हैं। हमारी सरकार श्रीकृष्ण की चिरस्मृतियों से जुड़े सभी स्थानों एवं लीलास्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि राम वनगमन पथ की तरह हम श्रीकृष्ण पाथेय के विकास के लिए काम कर रहे हैं। इसके अंतर्गत उज्जैन के सांदीपनि आश्रम, धार के जानापाव और अमझेरा को तीर्थ बनाया जाएगा। ये सभी स्थान गोकुल जितने ही पवित्र हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने कंस का वध कर तत्कालीन समय में प्रजातंत्र की स्थापना की। योगीराज श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में विभिन्न लीलाओं के जरिए समाज के समक्ष जीवन का कर्मवादी ध्येय प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर्व, हलधर महोत्सव और लीलाधर प्रकटोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने जन्माष्टमी के भव्य समारोह में इस्कॉन मंदिर के पुजारी के मंत्रोच्चार के बीच बालगोपाल कृष्ण स्वरूप का जलाभिषेक, पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस्कॉन इंटरनेशनल संस्था की ओर से कार्यक्रम में शामिल हुए धर्मप्रेमी बंधुओं को भगवान श्रीकृष्ण (लड्डू गोपाल) की प्रतिमा, कृष्ण साहित्य एवं प्रसादी का वितरण किया गया। सीएम ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने कौरव-पांडवों के बीच हुए युद्ध महाभारत में अर्जुन को गीता का उपदेश दिया और सदैव धर्म की रक्षा के लिए पांडवों के साथ खड़े रहे। श्रीकृष्ण ने द्वारकापुरी छोड़ते समय अपने पुत्र को सिंहासन पर नहीं बिठाया। वे अपने सिर पर सदैव मोरमुकुट धारण करते थे। इस प्रकार से योगेश्वर श्रीकृष्ण ने अपनी ग्रामीण सांस्कृतिक विरासत को हमेशा अपने सर माथे से लगाए रखा। डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार श्रीकृष्ण के ज्ञान, उनके उपदेश और सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित कर रही है।

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता सामाजिक समरसता का उदाहरण

डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने घर-घर को गोकुल बनाने और घर-घर में बच्चों को संस्कारित कर गोपाल कृष्ण बनाने, उन्हें भगवान श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप के जीवन आदर्श सिखाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रदेश में सांदीपनि विद्यालय स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का पूरा प्रसंग सामाजिक समरसता का उत्कृष्ट उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व, हलधर महोत्सव एवं लीलाधर प्रकटोत्सव के अंतर्गत संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश के 162 स्थानों पर प्रमुख मंदिरों में हुए भक्तिपरक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश के 3 हजार से अधिक श्रीकृष्ण मंदिरों में आकर्षक साज-सज्जा एवं श्रृंगार भी जन्माष्टमी के अवसर पर किया गया है। उन्होंने कहा कि मंदिरों में आकर्षक साज-सज्जा एवं श्रृंगार के लिए सरकार द्वारा 1.50 लाख रुपए के तीन पुरस्कार, एक लाख रुपए के पांच पुरस्कार एवं 51 हजार रुपए के सात पुरस्कार, कुल 15 पुरस्कार दिए जाएंगे।

जीएमसी में नहीं बनी कमेटी, जो बताती है मेडिकल उपकरण सही हैं या खराब

एनएमसी ने मेडिकल कॉलेजों को दिए हैं निर्देश, मरीजों की सेहत से जुड़ा मामला

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने सभी मेडिकल कॉलेजों को एक सर्कुलर जारी किया है। इसके मुताबिक कमेटी का गठन करना है, जो यह निश्चित करेगी कि मरीज को लगाए जाने वाले मेडिकल उपकरण अच्छे हैं या खराब। एनएमसी के आदेश के बाद भी भोपाल में गांधी मेडिकल कॉलेज द्वारा अभी तक यह कमेटी नहीं बनाई गई है। कमेटी न बनने का असर सीधे तौर पर मरीजों पर पड़ेगा। इस मामले में जीएमसी प्रबंधन का तर्क है कि उसे अभी तक सर्कुलर प्राप्त नहीं हुआ है। जानकारी अनुसार एनएमसी ने मेडिकल डिवाइस की खराब क्वालिटी की शिकायतों के आधार पर यह आदेश जारी किया है। कमेटी बनाने का मकसद खराब क्वालिटी के उपकरणों की सप्लाई को रोकना और सप्लायर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की अनुशंसा करना रहेगा।

इलाज के साधनों पर निगरानी जरूरी

एनएमसी के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि यह समिति प्रत्येक शिकायत को दर्ज करेगी और उसकी जानकारी भारतीय औषधि आयोग को भेजेगी। जिससे सप्लायर के ऊपर कार्रवाई हो सके। एनएमसी ने कहा है कि आधुनिक चिकित्सा में चिकित्सा उपकरण एक अनिवार्य हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में पेसमेकर, इम्प्लांट, मशीनों जैसी डिवाइसेज की भूमिका बेहद अहम है। लेकिन हाल के वर्षों में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जहां तकनीकी गड़बड़ी या मानवीय चूक के कारण इन उपकरणों से मरीजों को गंभीर नुकसान हुआ है।

मरीजों को क्या होगा लाभ

एनएमसी के आदेश से सबसे बड़ा फायदा मरीजों को मिलेगा। क्योंकि अगर किसी मरीज को चिकित्सा उपकरण के कारण कोई नुकसान होता है, तो उसकी शिकायत सीधे एक प्रक्रिया के तहत आयोग तक पहुंचेगी। इससे न सिर्फ जवाबदेही तय होगी, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने में भी मदद मिलेगी।

क्या है मेटेरियोविजिलेंस प्रोग्राम

केंद्रीय स्वास्थ मंत्रालय ने साल 2015 में चिकित्सा उपकरणों से जुड़ी समस्याओं, खामियों और घटनाओं की निगरानी के लिए मेटेरियोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया की शुरुआत की थी। मेडिकल डिवाइस एक्ट 2017 के तहत देश में चिकित्सा उपकरणों के निर्माण, आयात, बिक्री और वितरण के बाद निगरानी के नियम तय किए गए हैं। इसके अंतर्गत निर्माता कंपनियों को गंभीर घटनाएं की रिपोर्ट करना अनिवार्य है।

इन डिवाइस की हो सकेगी पड़ताल

कैथेटर्स, स्टेंट, सीरिंज, पेसमेकर, शंट, प्लेट, स्क्रू, स्टील की रॉड, फीडिंग नली, सर्जिकल सूचर्स, लिगेचर, अंबलिकल टेप, वेंटीलेटर सर्किट, ड्रिप सेट आदि लगाने के बाद किसी भी तरह का साइड इफैक्ट होने पर मेडिकल कॉलेज में गठित कमेटी को रिपोर्ट देनी पड़ेगी।

इनकी होगी जिम्मेदारी

मरीज: मेडिकल डिवाइस लगाने के बाद किसी भी तरह की दिक्कत होने पर अस्पताल के वार्ड, आईसीयू में तैनात डॉक्टर या स्टाफ को अनिवार्य रुप से जानकारी दें।

डॉक्टर: डिवाइस से होने वाले शरीर पर पड़ने वाले साइड इफैक्ट, क्वालिटी, निमार्ता कंपनी का नाम, बैच नंबर, निर्माण तिथि और पता सहित आदि जानकारी कॉलेज स्तर पर गठित कमेटी को रिपोर्ट भेजेंगे।

कमेटी: क्कमेटी के सदस्य हर तरह से जांच कर केन्द्र के संबंधित विभाग को रिपोर्ट भेजेंगे। इसके बाद अलर्ट जारी करने के साथ ब्लैक लिस्ट की कार्रवाई हो सकती है।

> हमें अभी तक इस बारे में सर्कुलर नहीं मिला है। ऐसा कोई सर्कुलर आता है तो कमेटी का गठन किया जाएगा।
>
> ■ **डॉ. कविता एन. सिंह,** डीन गांधी मेडिकल कॉलेज

गैस लीक मामले में नहीं मिल सकी रिपोर्ट

जागरण संवाददाता, भोपाल। गोविंदपुरा स्थित निजी फैक्ट्री में गैस रिसाव के मामले में निगम, उद्योग विभाग और सीएमएचओ ने जांच पूरी कर रिपोर्ट सुरक्षित कर ली है। बता दें कि फैक्ट्री में चार दिन पूर्व गैस लीक हुई थी, जिससे 100 से ज्यादा लोग हताहत हुए थे। मामले में कलेक्टर ने जांच समिति गठित कर 48 घंटे में रिपोर्ट देने के आदेश जारी किए थे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जांच पूरी हो जाने के बाद समिति छुट्टी के चलते कलेक्टर को रिपोर्ट सौंप नहीं पाई है। शनिवार को जन्माष्टमी और साप्ताहिक अवकाश व रविवार को भी अवकाश होने के कारण रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की जा सकेगी।

राज्यपाल से मिले राष्ट्रपति पदक हासिल करने वाले पुलिसकर्मी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने शनिवार को राष्ट्रपति के वीरता पदक, विशिष्ट सेवा पदक, सराहनीय सेवा पदक हासिल करने वाले एमपी पुलिस के अधिकारियों-और कर्मचारियों से मुलाकात की। 15 अगस्त को इनको भोपाल में स्वतंत्रता दिवस पर मुख्य समारोह में सम्मानित किया गया था। राज्यपाल ने सभी को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस उपलब्धि में पुलिस स्टाफ के परिजनों का भी सहयोग रहा है। एमपी में इस साल कुल 65 पुलिस अफसरों को कर्मचारियों को राष्ट्रपति का वीरता पदक, विशिष्ट सेवा पदक, सराहनीय सेवा पदक मिला है। इनमें एडीजी चंचल शेखर और फिलहाल प्रतिनियुक्ति पर बीएसएफ में आईजी मकरंद देउस्कर का नाम भी शामिल हैं।

नगरीय पुलिस भोपाल के 280 अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित: इधर, नगरीय पुलिस भोपाल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 280 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। पुलिस आयुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित इस सम्मान समारोह में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव एवं समस्त पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, थाना प्रभारी एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले एडिशनल डीसीपी से आरक्षक स्तर तक के लगभग 280 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उनके कार्यों की सराहना करते हुए बधाई दी।

अव्यवस्था — बीयू में बीबीए और बीएससी एविएशन में प्रवेश जीरो, अन्य कॉलेजों को भी नहीं मिले छात्र

कॉलेजों में शुरू हुए एविएशन कोर्स में छात्रों की रुचि नहीं

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। विमानन के क्षेत्र में मप्र का ऊंची उड़ान भरने का सपना पूरा होता दिखाई नहीं दे रहा है। क्योंकि प्रदेश के कॉलेजों में शुरू किए गए एविएशन कोर्स की ओर विद्यार्थियों का रुझान नहीं है। बीयू में बीबीए एविएशन और बीएससी एविएशन शुरू किए गए हैं, लेकिन दोनों कोर्स में एक भी विद्यार्थी ने प्रवेश नहीं लिया है। इसके अलावा माधव आर्ट एंड कामर्स कालेज उज्जैन, जयवंती हक्सर कालेज बैतूल, मकरोनिया कालेज सागर, जवाहरलाल नेहरू पीजी शुजालपुर, हमीदिया पीएमसीईओ भोपाल, पीजी कालेज छिंदवाड़ा, महाकौशल कालेज जबलपुर, आदर्श कालेज रीवा और नौगांव कालेज छतरपुर में बीबीए एविएशन और बीएससी एविएशन की हालत बहुत खराब है। सिर्फ देवी अहिल्या विवि इंदौर में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 60 विद्यार्थियों ने इस कोर्स में प्रवेश लिया था। वर्तमान सत्र की जानकारी विभाग द्वारा जारी नहीं की गई है। इधर, शासन युवाओं को पायलट बनने के हुनर सिखाने के साथ विमान उड़ाने का प्रशिक्षण देने की बात कह रहा है। इसके लिए राच्य में नए एयरपोर्ट शिवपुरी और उच्जैन बनाए जाएंगे। पायलट ट्रेनिंग में मप्र देश में अग्रणी है। ट्रेनिंग देने के लिए गुना, सागर और नीमच में इंस्टीट्यूट हैं। पन्ना, सिंगरौली, सीधी और झाबुआ में पायलट प्रशिक्षण केंद्र खोलने के प्रस्ताव आए हैं। सरकार के स्तर पर इन पर विचार चल रहा है।

सिलेबस तैयार और प्रवेश हुए जीरो: प्रदेश के प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कालेज में आईआईटी दिल्ली के सहयोग से आधुनिकतम आईटी कोर्स शुरू होंगे। विमानन संबंधी कोर्स तैयार करने के निर्देश विश्वविद्यालयों को गत वर्ष दिए गए थे, जो बीयू ने तैयार कर लिए है। बीयू में दोनों कोर्स में प्रवेश संख्या जीरो बनी हुई है। अब उच्च शिक्षा विभाग ने प्रवेश पर विराम लगा दिया है।

> शासन की योजना के तहत बीयू में बीबीए एविएशन और बीएससी एविएशन में प्रवेश देने की व्यवस्था की गई है।
>
> ■ **सुरेशु कुमार जैन,** कुलगुरु बीयू

सब्सिडी भी नहीं खींच पा रहा विद्यार्थी

पायलट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के लिए सबसे अहम जरूरत एयर स्ट्रिप (हवाई पट्टी) की होती है। प्रदेश में एक दर्जन से अधिक स्ट्रिप हैं। इनमें से कुछ पीडब्ल्यूडी व बाकी अन्य विभागों के जिम्मे हैं, लेकिन प्रदेश के विश्वविद्यालयों को उनके उपयोग के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है। सरकार की योजना के मुताबिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का जिम्मा संभालने वाली कंपनी को एयर स्ट्रिप लीज पर दी जाएगी ताकि युवाओं को विमान उड़ाने की उचित ट्रेनिंग दी जा सके। अभी तक उक्त विवि का किसी भी एजेंसी से एमओयू नहीं हो सका है। राच्य शासन द्वारा 70 प्रतिशत तथा 30 प्रतिशत राशि विद्यार्थियों द्वारा वहन की जाएगी। 70 फीसदी राशि शासन दे रहा है, जिसके बाद भी उक्त कोर्स में विद्यार्थी पढ़ना नहीं चाहते हैं। क्योंकि विद्यार्थियों को उक्त कार्स की उपयोगिता नहीं बताई गई है। यहां तक उन्हें कैसे प्लेसमेंट दिया जाएगा। इसकी जानकारी तक मुहैया नहीं कराई गई है।

यह रहेगाा डिग्री-सर्टिफिकेट प्रोग्राम

डीएविवि इंदौर और विक्रम विवि उच्जैन में सात दिवस ड्रोन पायलेट सर्टिफिकेट कोर्स। बीयू भोपाल, डीएविवि इंदौर, विक्रम विवि उच्जैन, आरडीविवि जबलपुर और जीवाजी विवि ग्वालियर में बीएससी (एवेशन) डिग्री। डीएविवि इंदौर और बीयू भोपाल में बीबीए (एविएशन मैनेजमेंट) शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा राच्य के पांच विश्वविद्यालय और पांच प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल के माध्यम से सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए जाएंगे। इसमें एयरपोर्ट वेयरहाउस कोओर्डिनेटर 03 माह, एयरपोर्ट सेफ्टी क्रू 03 माह, एयरलाइन्स फ्लाईट लोड कोओर्डिनेटर 03 माह, एयरलाइन कैबिन क्रू 04 माह, फ्लाइट डिस्पेचर 04 माह, एयरलाइन रिजर्वेशन एजेंट 03 माह और एयरलाइन कस्टमर सर्विस एक्जीक्यूटिव 03 माह शामिल है। एयरपोर्ट आपरेशनस एक वर्ष और 6 माह प्रेक्टिकल डीएविवि इंदौर में, एविएशन सीपीएल डीएविवि इंदौर और विक्रम विवि उच्जैन, एएमयू के साथ चार वर्षीय कोर्स संस्थाओं से एमओयू के बाद ही शुरू किए जाएंगे।

राजा रघुवंशी के घर नकली टीआई बनकर पहुंचा, गिरफ्तार

जागरण, इंदौर। राजा रघुवंशी हत्याकांड को महीनों बीत गए हैं। पत्नी सोनम और उसका प्रेमी राज शिलांग में सलाखों के पीछे अपने गुनाहों की सजा भुगत रहे हैं। कई लोग उनका दुख बांटने घर जा रहे हैं, लेकिन कुछ लोग इस मौके का फायदा उठाने में लगे हुए हैं। ऐसा ही कुछ हाल ही में हुआ जब खतरनाक इरादे लेकर एक शख्स उनके घर वर्दी में पहुंच गया, लेकिन जब इसका भांडा फूटा तो हर किसी के होश उड़ गए। मामला राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है। दरअसल, बीते गुरुवार को बजरंग लाल जाट नाम का शख्स राजा रघुवंशी के घर पहुंचा। उसने पुलिस की वर्दी पहनी हुई थी और कंधे पर 3 स्टार लगे थे। उसने राजा की मां के पैर

छुए और बताया कि वह राजा का दोस्त है उसकी मौत की खबर सुनकर यहां आया है। अनजान शख्स के बारे में मां ने विपिन को बताया और कहा कि वह राजा के बारे में पिता से पूछताछ कर रहा है। यह सुनकर विपिन और सचिन फौरन घर पहुंचे। घर पहुंचने पर विपिन और सचिन ने वर्दीधारी व्यक्ति से बातचीत की। विपिन को शक हुआ। उसने बजरंग लाल से उसका आईडी कार्ड मांगा और क्राइम ब्रांच को भेजा।

लोक स्वास्थ्य मंत्री संपतिया उइके ने

नर्मदा घाट पर की पूजा-अर्चना, जिलेवासियों के कल्याण की कामना

जागरण, डिंडोरी । श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के दिन प्रदेशभर में श्रीकृष्ण पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में घर-घर गोकुल, घर-घर गोपाल अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गये। इसी के अंतर्गत मुख्यमंत्री निवास पर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समारोह का आयोजन हुआ, वहीं प्रदेशभर के 3000 से अधिक श्रीकृष्ण मंदिरों में भजन, संकीर्तन एवं भक्तिमय आयोजन हुए।श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर डिंडोरी के कृष्ण मंदिर एवं नर्मदा डेम घाट के राधाकृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी का आयोजन किया गया। इस उत्सव में प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने शामिल होकर मंदिर में फूल-माला अर्पित कर प्रार्थना की और वहीं पर आयोजित भजन मंडली में शामिल होकर आनंद लिया। वहीं पर नर्मदा नदी के घाट में नर्मदा मां की पूजा अर्चना के साथ चुनरी अर्पित कर जिलेवासियों के स्वस्थ रहने की कामना की। नर्मदा डेम घाट में स्थित श्रीराम जानकी मंदिर राठौर धर्मशाला प्रांगण में श्रीकृष्ण पर्व पर सांस्कृतिक विभाग के द्वारा सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सांस्कृतिक विभाग भोपाल के द्वारा लोककलाकारों भजन कीर्तन के साथ सुंदर नृत्य प्रस्तुतियां की गई। श्रीकृष्ण भजन संध्या का कार्यक्रम मध्यप्रदेश शासन के निर्देशन में महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ स्वराज्य संस्थान संचनालय संस्कृति विभाग के द्वारा संचालित नव चेतना मंच समनापुर के संयोजक श्री अशोक शर्मा के द्वारा लोक स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, विधायक शहपुरा श्री ओमप्रकाश धुर्वे, बीजेपी अध्यक्ष श्री चमरू सिंह नेताम, प्रदेश महामंत्री अनु.जाति मोर्चा श्री पंकज तेकाम एवं अन्य को फूलमाला पहनाकर, तिलक वंदन कर साल श्रीफल से स्वागत किया। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिलेवासियों को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि प्रदेश सरकार जिलेवासियों के लिए हर संभव मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। साथ ही साथ जनमाष्टमी के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा स्थानीय लोक कलाकारों के माध्यम से भजन कीर्तन, लोकनृत्य की प्रस्तुतियां देकर कलाकार, लोककलाकारों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्री ने यह भी बताया कि उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से प्रदेश के साथ-साथ सभी लोगों के कल्याण की भी कामना की है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और लीलाओं पर भी प्रकाश डाला। नर्मदा गंज के श्री कृष्ण मंदिर अन्नपूर्णा के पास स्थित मंदिर में बहुत ही सुंदर और मोहक रूप से मंदिर को सजाया गया। जिसके मुख्य कलाकार समिति के श्री राधाकृष्ण सर्वाकार समिति के अध्यक्ष श्री प्रवेश कनौजे, उपाध्यक्ष रमेश राजपाल, राजेन्द्र वर्मा, सचिव अनुराग बिलैया, संदीप कांसकर, दीपक तिवारी, आदित्य पाठक, नागेन्द्र चौरसिया, चंचल अग्रवाल, देवांशु नायक, महेश पारासर इन सभी का विशेष सहयोग रहा। उक्त कार्यक्रम में विधायक शहपुरा श्री ओमप्रकाश धुर्वे, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, बीजेपी अध्यक्ष श्री चमरू सिंह नेताम, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री नरेन्द्र राजपूत, प्रदेश महामंत्री श्री पंकज तेकाम, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री अवधराज बिलैया, मंडल अध्यक्ष श्री आशीष वैश्य, मीडिया प्रभारी श्री सुधीर दत्त तिवारी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष दीपन खम्परिया, राहुल पाण्डे, महेश धुमकेती एसटी मोर्चा, पवन शर्मा आईटी सेल, तरूण सोनी, श्रीमती सरोज सोनी, शान्तनु पाठक मंडल उपाध्यक्ष, मोहन नरपरिया, अशोक शर्मा सहित प्रशासनिक अधिकारी अपर कलेक्टर श्री जे.पी. यादव, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, एसडीओपी पुलिस, तहसीलदार शशांक शेंडे, एसडीओपी श्री सतीश दुबे, थाना प्रभारी श्री दुर्गा दास, पीएचई श्री अफजल अमानुल्लाह, आर.के.मुगदल जल जीवन मिशन, आर. आई. श्री अभिनव राय, जिला प्रबंधक पी.एम.जे.एस.वाई जे.पी. मेहरा, जनसंपर्क अधिकारी श्री चेतराम अहिरवार सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कृष्णायन में भक्ति, दर्शन और नृत्य के संगम से माहिष्मती घाट हुआ श्रीकृष्णमय

श्रीकृष्ण पर्व हलधर महोत्सव एवं लीलाधारी का प्रकटोत्सव का समापन

जागरण, मंडला । संस्कृति विभाग द्वारा 16 अगस्त को माहिष्मती घाट मंडला में 'श्रीकृष्ण पर्व'- हलधर महोत्सव एवं लीलाधारी का प्रकटोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह में श्रीकृष्ण केंद्रित नृत्य नाटिका एवं भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। 16 अगस्त की शाम पतित पावन माँ नर्मदा की कल-कल बहती धारा श्रीकृष्ण की भक्ति में डूबे मंडलावासियों के प्रेम की साक्षी बनी। श्रीकृष्ण पर्व के समापन के कार्यक्रम में सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, जय दत्त झा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी - कर्मचारी, मीडिया जगत के साथी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित रहे। इस अवसर पर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छतरपुर से आये रवि अहिरवार व दल ने लोकनृत्य प्रस्तुत किया। भोपाल से आई डा. श्यामा पंडित ने अपनी टीम के साथ नृत्य नाटिका पेश की। जबलपुर के प्रसिद्ध गायक रूद्रकांत ठाकुर एवं मनीष अग्रवाल ने लोकप्रिय जस और भजनों से लोगों को भक्तिरस में डुबो दिया। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग की ओर से किया गया, आयोजन में जिला प्रशासन की ओर से सहयोग किया गया।

मोंट फोर्ट विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

जागरण, मंडला । मोंट फोर्ट विद्यालय मंडला में 79 वा स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शाला के वरिष्ठ शिक्षक रोहित नायकवार और विशिष्ट अतिथि भागवती उइके थी। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि महोदय ने ध्वजारोहण किया तत्पश्चात संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन ने मुख्य अतिथि का स्वागत शाल और मोमेंटो देकर किया । इसके पश्चात कार्यक्रम की अगली कड़ी में कक्षा छठवीं के छात्र छात्राओं ने देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी। इसके बाद मुख्य अतिथि ने सर्वप्रथम सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी । उन्होंने बताया कि किस प्रकार हमारे देश के शहीदों ने अपने जान की बाजी लगाकर हमारे देश को आजाद किया उन्होंने स्कूल के वरिष्ठ सहयोगी भागवती उइके के बारे में बताया तथा उनके समर्पण और त्याग के बारे में बताया। अंत में उन्होंने सभी को देश का महत्व बताया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि महोदय ने कक्षा बारहवीं और दसवीं के टॉपर छात्र छात्राओं को मोमेंटो और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।तथा इसके बाद छात्राओं ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी, तथा गरिमा ज्योतिषी ने अपना भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में एक और देशभक्ति नृत्य की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन, उप प्राचार्य ब्रदर मैथ्यूज, ब्रदर नीलेश,कॉर्डिनेटर इवेंजलीन कुशराम, राहत कुरैशी, अंकिता कुशवाहा, संदीप कौर सभी शिक्षकों और स्कूल प्रशासन का सहयोग रहा।

पंचायत उन्नति सूचकांक पीएआई 1.0 में छतरपुर की 20 पंचायतों को मिला सम्मान

छतरपुर । जिला पंचायत सभागार छतरपुर में पंचायत उन्नति सूचकांक पीएआई 1.0 (वर्ष 2022-23) का विमोचन एवं प्रचार-प्रसार हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले की 20 ग्राम पंचायतों को उत्कृष्ट कार्य एवं बेहतर प्रदर्शन पर सम्मानित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष विद्या अग्निहोत्री एवं जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार ने सरपंचों को पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर बेहतर कार्य करने की प्रेरणा दी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान सशक्त पंचायत, सतत विकास की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए पंचायतों को पारदर्शिता और दक्षता के लिए प्रोत्साहित किया गया। राजनगर की डहर्रा, नौगांव की गलान, इमलिया, मडरखा, भदर्रा, लवकुशनगर की लवरहा, छतरपुर की बोडा, रामपुरकुर्रा, खौंप, धमौरा, बंदीकला, गहरवार, बक्सवाहा की देवपुर, बिजावर की जैतपुर, मझगुवाखुर्द, गौरिहार की मालपुर, किशनपुर, खड्डी, गहवरा तथा बड़ामलहरा की सौरई पंचायत शामिल रहीं। कार्यशाला में पीएआई 2.0 (वर्ष 2023-24) के सूचकांकों की प्रविष्टियों के संबंध में प्रशिक्षण क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज प्रशिक्षण केंद्र की संकाय सदस्य श्रीमती लवली मिश्रा द्वारा दिया गया। इस अवसर पर पंचायत प्रकोष्ठ प्रभारी रामनरेश शर्मा, निर्माण शाखा प्रभारी बृजेश कुमार गुप्ता, आरजीएसए डीपीएम नीतेश उपाध्याय, जिला समन्वयक गौरव द्विवेदी, सभी विकासखंड के समन्वयक व ऑपरेटर, संबंधित पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

सड़क और नाली की समस्या को लेकर सड़क पर उतरे लोग

छतरपुर । शहर की बुद्ध विहार कॉलोनी के लोगों ने खराब रास्ते और नाली की समस्या को लेकर शनिवार की सुबह आक्रोश जताते हुए सागर-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक वे कई बार नगर पालिका और जनप्रतिनिधियों को शिकायत कर चुके हैं लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत महोबा रोड पर आरटीआई ऑफिस के पास बुद्ध विहार कॉलोनी के लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर चक्का जाम कर दिया। कॉलोनीवासियों का कहना है कि केंद्रीय विद्यालय के पास से बुद्ध विहार कॉलोनी और फल मंडी की ओर जाने वाला रास्ता पूरी तरह बदहाल है, जिससे आवागमन में भारी दिक्कत हो रही है। नालियों की खराब स्थिति के कारण जलभराव और गंदगी की समस्या भी बनी हुई है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि उन्होंने कई बार नगर पालिका और स्थानीय नेताओं को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन देकर लौटाया गया। कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे तंग आकर उन्होंने सड़क पर बैठकर हाईवे जाम किया है।

उमंग और उत्साह से मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

मुख्य समारोह में कलेक्टर ने किया ध्वजारोहण, लोगों ने सुना सीएम का संदेश

जागरण, छतरपुर । देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त पर जिले में उमंग और उत्साह से मनाया गया। पूरे जिले में स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आयोजित किए गए। जगह-जगह आन-बान एवं शान से तिरंगा झंडा फहराया गया। जिले का मुख्य समारोह पुलिस परेड ग्राउंड छतरपुर में संपन्न हुआ। स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि कलेक्टर पार्थ जैसवाल थे। मुख्य समारोह में कलेक्टर श्री जैसवाल ने ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली और राष्ट्रगान का गायन किया गया। तदोपरांत वीआईपी वाहन में सवार होकर एसपी अगम जैन के साथ परेड दल का निरीक्षण करते हुए जनता के अभिवादन को स्वीकार किया। तत्पश्चात परेड दल द्वारा हर्ष फायर एवं मार्च पास्ट की प्रस्तुति दी गई। इसके बाद मुख्य अतिथि ने परेड दल के कमांडरों से परिचय प्राप्त किया और हर्ष के प्रतीक रंगबिरंगे गुब्बारे आसमान में छोड़े। तदुपरांत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का भोपाल से लाइव प्रसारण एलईडी स्क्रीन के माध्यम से आमजन को दिखाया एवं सुनाया गया। फिर मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री जैसवाल ने स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए संक्षिप्त रूप से जिलेवासियों को अपने उद्बोधन में जिले के विकास एवं उपलब्धियों के बारे में बताया। इसके बाद लोकतंत्र सेनानी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं मीसाबंदीयों को शॉल श्रीफल से सम्मानित किया गया और मुख्य अतिथि ने उनके स्वास्थ्य एवं हाल चाल के बारे में चर्चा की। तदोपरांत देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी गई।

भगवान बलराम जयंती एवं जन्माष्टमी पर्व पर संवाद/परिचर्चा का किया गया आयोजन

जागरण, लवकुशनगर । शासकीय महाविद्यालय लवकुशनगर में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ अंतर्गत भगवान बलराम जयन्ती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर संवाद/परिचर्चा के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बलराम एवं श्रीकृष्ण के छायाचित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्रकोष्ठ प्रभारी संजीव कुमार विश्वकर्मा ने परिचर्चा की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए भगवान बलराम एवं श्रीकृष्ण के जीवन परिचय के विभिन्न पहलुओं का वर्णन किया ओर उनके नाम का अर्थ एवं महत्त्व बताकर कुरुक्षेत्र में भगवान बलराम के शौर्य गाथा और धर्म संकट की व्याख्या की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच. सी. अहिरवार ने 'कर्मंयेवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' गीता श्लोक के साथ जन्माष्टमी एवं बलराम जयंती का महत्त्व स्पष्ट किया। बलराम नाम का अर्थ के अनुसार आदर्श सीखने और समाज को उच्च संस्कार की ओर बढ़ने की बात कही साथ ही उनके विचारों को अपने जीवन मे धारण करने की आवश्यकता पर बल दिया। विद्यार्थियों को उत्साहित कर डॉ बलराम चौरसिया ने उनके उद्यमी होने को स्पष्ट किया और उद्यमिता से बलराम, श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व को जोड़कर बलराम का शाब्दिक अर्थ स्पष्ट किया। डॉ. भरत लाल चौरसिया ने महाभारत के साथ बलराम की गाथा को स्पष्ट कर उनके अस्त्र हल को शक्ति के प्रतीक के रूप में किसानों की मजबूती का आधार बताया। डॉ.ज्योति सिंह बघेल ने जन्म से ही कृष्ण बलराम की संघर्ष गाथा को बताया। डॉ. अभय गुप्ता ने बलराम और कृष्ण की गहरी दोस्ती और भाईचारा को समाज का पथ प्रदर्शक बताया। संदीप सोनी ने भगवत गीता के पृष्ठों का पाठन करके उनका अर्थ समझाते हुए कर्मयोगी बने रहने का संदेश दिया। सुनील चोरसिया ने बलराम जयंती की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर चर्चा की। डॉ नारायण दत्त विल्सन ने भारतीय संस्कृति में रचे बसे भगवान के विभिन्न पर्वों का ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। ऋच्चा दुबे ने भक्ति कविता से सबको हर्षित कर दिया तथा रेखा अहिरवार ने हलछठ और खेत खलियान सहित किसान जीवन को रेखांकित किया। रामपाल अहिरवार ने उनके जीवन संघर्ष को चित्रित करते हुए कहा कि बिना संघर्ष के कोई महान नहीं बनता। कार्यक्रम समापन पर सभी के लिए प्रसाद वितरण किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों की उत्साहित उपस्थिति के साथ स्टॉफ के सहयोग से परिचर्चा की सार्थकता सिद्ध हुई। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. एच सी अहिरवार, संचालनकर्ता डॉ संजीव कुमार विश्वकर्मा, डॉ बलराम चौरसिया, परमतदीन कुशवाहा, रामपाल अहिरवार, डॉ भरतलाल चौरसिया, डॉ अभय कुमार, डॉ ज्योति सिंह बघेल, पूनम तिवारी, सपना राजपूत, मीनाक्षी पात्रे, सुनील कुमार चौरसिया, रामप्रकाश, राजेंद्र गुप्ता, दीपक गुप्ता, भूपेंद्र मिश्रा, दिलीप विश्वकर्मा, रेखा, ऋच्चा, विनीत, आशीष सोनी ने सहभागिता की।

कलेक्टर के निर्देश पर आवारा पशुओं को सड़कों पर छोड़ने पर धमौरा के 5 पशुपालकों पर दर्ज एफआईआर

छतरपुर । छतरपुर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट पार्थ जैसवाल ने पशुओं को खुले में छोड़ने पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की 163 के तहत आदेश जारी किया था। जिसमें पशु पालकों को कई बार समझाइश भी दी गई। इसके पश्चात भी पशुपालकों द्वारा पशुओं को खुले में छोड़ने पर उनके सड़को पर आने से आए दिन दुर्घटनाएं होना संभावित होता है। छतरपुर एसडीएम अखिल राठौर एवं छतरपुर सीईओ, सचिव, पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारीगणों द्वारा 13 अगस्त 2025 को छतरपुर जिले के ग्राम पंचायत धमौरा में निरीक्षण किया था। और पशुओं का राष्ट्रीय राजमार्ग पर खुला घूमता पाया गया। खुले में छोड़ने पर एसडीएम द्वारा पशुओं की टैगिंग कराने को कार्यवाही की गई थी और संबंधित पशुपालकों पर एफआईआर के निर्देश दिए थे। जिसमें पशुपालक देवेंद्र यादव, भगवान दास कुशवाहा, ओमप्रकाश यादव, राकेश तिवारी एवं सुनीता यादव सभी निवासी ग्राम धमौरा पर थाना ओरछा रोड में को संबंधीजन पर धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 223 के उल्लंघन करने पर इनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है।

थाना गौरिहार क्षेत्र अंतर्गत लूट के षड्यंत्र का पुलिस ने किया खुलासा

30000 के इनामी फ्रेंचाइजी संचालक सहित चार आरोपी गिरफ्तार आरोपी प्रदीप अहिरवार पर लूट चोरी दुष्कर्म जैसे 5 अपराध पूर्व से दर्ज

जागरण, लवकुशनगर । दो दिन पूर्व थाना गौरिहार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गहबरा सिचहरी रोड पर फरियादी हिटैची कंपनी एटीएम फ्रेंचाइजी संचालक मनीष की रिपोर्ट पर थाना गौरिहार में भारतीय न्याय संहिता के तहत लूट का अपराध पंजीबद्ध किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए आसपास के क्षेत्र में नाकेबंदी कर दी गई थी। पुलिस टीम, साइबर टीम द्वारा तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्य एकत्र किए गए। पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन श्रीमती हिमानी खन्ना द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु ?30000 के इनाम की उद्घोषणा की गई थी। पुलिस उपमहानिरीक्षक छतरपुर रेंज ललित शाक्यवार पुलिस अधीक्षक छतरपुर अगम जैन ने घटनास्थल पर पहुंच कर सुपरविजन किया।*तत्पश्चात महोबा पुलिस से भी समन्वय बनाया गया। पुलिस टीम को एकत्रित तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्य, चक्षु दर्शी के अनुसार कुछ तथ्य स्पष्ट हुए। संदेही के बैंक डिटेल खंगाले गए, बैकग्राउंड भी चेक कर तथ्यों की बारीकी से जांच की गई। संदेही मनीष का पूर्व से इंडिया वन एटीएम फ्रेंचाइजी से 17 लाख रुपए का लेनदेन का विवाद था, 53 लाख के करीब ज्यादा कर्ज था, योजनाबद्ध तरीके से फ्रेंचाइजी संचालक मनीष एवं उसके भाई पुष्पेंद्र अहिरवार ने मिलकर उक्त घटना का षड्यंत्र रचा था।

घटना के एक दिन पूर्व विभिन्न क्षेत्र की एटीएम मशीनों में पैसे भरने हेतु महोबा की एक्सिस बैंक से निकाले थे, 61 लाख से अधिक राशि लेकर कार से कस्टोडियन के साथ एटीएम में पैसे भरने जा रहे थे। मोटरसाइकिल में सवार प्रदीप एवं रवि ने कार का पीछा करते हुए रूकवाई गई, कट्टा लगाकर पैसों से भरा बैग लेकर रफू चक्कर हो गए।

पुलिस टीम ने उक्त घटना को अंजाम देने वाले चारों आरोपी : फ्रेंचाइजी संचालक मनीष कुमार अहिरवार पिता भान सिंह अहिरवार निवासी ग्राम लुहेड़ी थाना श्रीनगर हाल निवासी महोबा जिला महोबा (उ.प्र) एवं दोनों सगे भाई,पुष्पेन्द्र सिंह अहिरवार पिता भान सिंह अहिरवार निवासी गायत्री कालौनी नौगांव थाना नौगांव जिला छतरपुर, प्रदीप अहिरवार पिता भान सिंह अहिरवार निवासी गायत्री कालौनी नौगांव थाना नौगांव जिला छतरपुर, रवि अहिरवार पिता रामआसरे अहिरवार निवासी मलका थाना गढीमलहरा जिला छतरपुर (ममेरा भाई), को गिरफ्तार कर अभिरक्षा में लिया गया। मुख्य आरोपी मनीष सहित सभी के पास से लूटी गई राशि 61 लाख रुपए से अधिक, अवैध 315 बोर का देसी कट्टा, पांच मोबाइल फोन, कार, मोटरसाइकिल कुल संपत्ति करीब 70 लाख रुपए बरामद की गई। आरोपी प्रदीप अहिरवार पर लूट चोरी दुष्कर्म जैसे 5 अपराध पूर्व से दर्ज हैं विधिवत कार्यवाही की जा रही है, विवेचना कार्यवाही जारी है।

उक्त त्वरित कार्यवाही में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री विदिता के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी लवकुशनगर नवीन दुबे के नेतृत्व में संदीप दीक्षित थाना प्रभारी गौरिहार, निरी0 अजय अम्बे थाना प्रभारी लवकुशनगर, निरी0 सतीश सिंह थाना प्रभारी नौगांव, निरी0 रीता सिंह थाना प्रभारी गढीमलहरा , निरी0 उदयवीर सिंह तोमर थाना प्रभारी चंदला, सायबर सैल प्रभारी नेहा गुर्जर,अतुल झा थाना प्रभारी सरवई, सुमित सुमन थाना प्रभारी प्रकाश बम्हौरी, उनि0 राजेन्द्र सिंह थाना प्रभारी जुझारनगर, राजकुमार यादव थाना प्रभारी हिनौता, धर्मेन्द्र रोहित थाना प्रभारी बंशिया, संजय पाण्डेय थाना प्रभारी गोयरा, देवेन्द्र यादव चौकी प्रभारी पहरा, रामसिया चौधरी, चौकी प्रभारी पठा, सुरेन्द्र मरकाम चौकी प्रभारी बछौन, थाना नौगांव से उपनिरीक्षक जितेंद्र सोनी, धीरेंद्र, आसाराम, बृजलाल थाना गौरिहार से राजकुमार सिंह, जीवनलाल प्रजापति, राजकुमार शुक्ला, राजकिशोर , बाबूलाल वर्मा, महेन्द्र सचान ,अमित शर्मा, संदीप पाठक, आर शंकर पटेल विकाश सिंह, कमल सिंह,अनिल यादव, आर अखिलेश मिश्रा, जितेन्द्र चोकोटिया,दीपक चौरसिया, आर शेरा सिंह, धर्मेन्द्र यादव, चौकी पहरा से दीपक, दीप सिंह,शिवम मिश्रा, मुलायम सिंह, थाना सरवई से बी.एस.ठाकुर, रामनरेश खन्ना, रामप्रताप, थाना प्रकाश बम्हौरी से हल्के प्रसाद,अमर यादव, पवन लोधी, हरपाल यादव, थाना गढ़ी मलहरा से देवेंद्र, ब्रजेश यादव ,दशरथ,जुबैर, श्रीराम थाना हिनौता से सत्येन्द्र सेन,रामनरेश, थाना बंशिया से सुरेश अहिरवार, थाना गोयरा से प्रहलाद कुमार,सतेन्द्र त्रिपाठी, दीपेश कुर्मी, थाना जुझारनगर से अनिल ,विपिन, थाना चंदला से आर बलवीर राजपूत, थाना लवकुशनगर से आर बलराम, आर पंकज , चौकी पठा से आर रविन्द्र, आर मानवेन्द्र तिवारी, एसडीओपी कार्यालय लवकुशनगर से सउनि0 हामिद बेग, आर चालक मंगल सिंह , साईबर से किशोर सिंह,धर्मराज पटेल, विजय, मयंक यादव, राजीव, अभय तथा एवं एस0ओ0जी0 महोबा,शिव प्रताप सिंह एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा।

श्री कृष्ण जैसा मर्यादित एवं संपूर्ण निर्विकार जीवन बनाएं : ब्रह्माकुमारी

जागरण, पन्ना। ब्रह्माकुमारी विद्यालय में जन्माष्टमी का पावन पर्व बड़े ही उमंग उत्साह एवं आध्यात्मिक रीति से मनाया गया, बहन जी ने सभी को पर्व की शुभकामना देते हुए कहा की श्री कृष्ण का जीवन एक कुशल साधक और कर्म योगी का जीवन है, श्री कृष्ण का अर्थ है ही आकर्षण करने वाला उन्हें मनमोहन भी कहा जाता है श्री कृष्ण का जीवन आज तक भी हमें प्रेरित करता है इसका मुख्य कारण है श्री कृष्ण के जीवन में समाये हुए दिव्य गुण, श्री कृष्ण को सर्वगुण संपन्न 16 कला संपूर्ण कहा जाता है उन्होंने कहा कि हम सिर्फ झांकियां देखकर ही खुश ना हो बल्कि अपने जीवन में भी झांके, जिन गुणों के कारण आज तक श्री कृष्ण की महिमा है वह गुण हमारे स्वयं के जीवन में धारण करें, व्यक्ति गुणों से ही महान बनता है उन्होंने कहा कि सच्ची जन्माष्टमी तभी होगी जब हम श्री कृष्ण के समान गुणवान बने, श्री कृष्ण जन्माष्टमी की सार्थकता इसी में है कि आज की परिस्थिति में प्रत्येक मनुष्य अर्जुन बने श्री कृष्ण की विशेषताओं को आत्मसात करें तथा सच्ची-सच्ची गीता का अध्ययन और विवेचन कर उसे जीवन में उतारने का प्रयास करें, महाभारत काल में केवल एक द्रोपती का चीर हरण हुआ था परंतु आज ? तो इसका जिम्मेदार कौन इसके बारे में हमें सोचना चाहिए, भगवान श्री कृष्ण ने कहा हे अर्जुन कोई भी मनुष्य किसी का शत्रु नहीं होता है, मनुष्य के अंदर व्याप्त काम, क्रोध,लोभ,मोह,अहंकार मनुष्य के शत्रु है ,जब इन पर विजय प्राप्त करेंगे तभी हम सुख शांति से रह सकेंगे और एक सुखमय सतयुगी दुनिया की स्थापना कर सकेंगे, वर्तमान समय ही कलयुग के अंत और सतयुग के आदि का संगम समय है जबकि परमात्मा शिव ब्रह्मा के तन के द्वारा गीता ज्ञान एवं राजयोग की (ध्यान) शिक्षा दे रहे हैं ।

प्रभारी मंत्री ने ग्राम जनवार में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील

जागरण, पन्ना। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री तथा पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री इन्दर सिंह परमार ने आज पन्ना विकासखण्ड के ग्राम जनवार पहुंचकर उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राज्य पोषित योजना अंतर्गत आयोजित इस प्रशिक्षण की प्रभारी मंत्री द्वारा सराहना की गई। उन्होंने कहा कि गैर परंपरागत खेती के इच्छुक कृषकों को आगे बढ़ाने का यह बढ़िया माध्यम है। नवीनतम तकनीक और नवाचार के जरिए यह प्रयास किसानों के लिए लाभदायक साबित होगा। उन्होंने किसानों से उत्साहपूर्वक उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने के प्रयास तथा इसके माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनने की राह पर अग्रसर होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि परंपरागत खेती में कम आय के कारण उद्यानिकी फसलों का उत्पादन करना किसानों के लिए लाभकारी है। प्रभारी मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा भी किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लिए निर्धारित लक्ष्य और कार्ययोजना अनुसार कार्य किया जा रहा है। उद्यानिकी फसलों की पैदावार सहित प्राकृतिक और जैविक खेती का प्रयास भी इसमें शामिल है। इसके लिए अन्य ग्रामवासी भी आगे आएं। उन्होंने कहा कि खेती की पुरानी पद्धति में यूरिया और खाद का उपयोग खेत और फसल के लिए हानिकारक है। इससे छोटे बच्चों में बीमारी के साथ ही परिवार की कृषि से अर्जित आय बीमारी के उपचार में व्यय होती है। इसलिए रासायनिक खाद के उपयोग से बचें और विभिन्न तरीकों से निर्मित जैविक खाद के साथ कीट व्याधि से बचाव के लिए भी जैविक कीटनाशकों के उपयोग को प्रोत्साहन दें, जिससे नई पीढ़ी को बीमारियों से बचाव में मदद मिल सके। प्रभारी मंत्री द्वारा पेस्टीसाइड सहित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने और पर्यावरण की रक्षा में योगदान की अपील की गई। उन्होंने कहा कि अच्छी खेती कर धरती माता के स्वास्थ्य की रक्षा भी करें। कृषकों से कृषि कार्य में नवकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने तथा इससे संबंधित योजनाओं का लाभ लेने की अपील भी की गई। उन्होंने कहा कि लोग स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं एवं सामग्री का उपयोग करें और स्वदेशी आंदोलन से जुड़ें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उद्यानिकी खेती को बढ़ावा देने के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी भी उन्होंने दी। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं में मिलने वाले अनुदान के बारे में भी अवगत कराया। प्रभारी मंत्री द्वारा ग्रामवासियों को बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के हितग्राहियों को चेक का वितरण किया गया। इसके अलावा सब्जी क्षेत्र विस्तार योजना के तहत सामग्री व किट तथा किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की योजना में 50 प्रतिशत अनुदान पर सामग्री भी वितरित की गई। उच्च शिक्षा मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आंवले का पौधा भी रोपा। कार्यक्रम स्थल पर उद्यानिकी विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं पर केंद्रित प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। विभाग के सहायक संचालक पी.के. श्रीवास्तव ने विभागीय योजनाओं तथा क्लस्टर विकास योजना की जानकारी से अवगत कराया। साथ ही आदिवासी परिवारों द्वारा कम जमीन पर उन्नत खेती के बारे में भी जानकारी प्रदान की।

कृषक लखनलाल कुशवाहा के खेत का किया भ्रमण

प्रभारी मंत्री ने उद्यानिकी कृषक लखनलाल कुशवाहा के खेत का भ्रमण किया। इस अवसर पर कृषक द्वारा अवगत कराया गया कि परंपरागत खेती के स्थान पर तीन पीढ़ियों से सब्जी एवं फल उत्पादन कर बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं। उद्यानिकी विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं से मिले लाभ के बारे में भी जानकारी दी। कृषक ने प्रभारी मंत्री को खीरे की टोकरी भी भेंट की और आत्मीय स्वागत भी किया। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने खीरे का स्वाद भी चखा। इस दौरान बृजेंद्र मिश्रा सहित कलेक्टर सुरेश कुमार, पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण एस थोटा, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, अतिरिक्त सीईओ अशोक चतुर्वेदी, एसडीएम संजय नागवंशी सहित अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे। परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। ग्रामीण उद्यान विकास अधिकारी संजीत बागरी ने आभार प्रदर्शन किया।

श्री जुगल किशोर लोक बनने से बढ़ेगा पन्ना का वैभव : प्रभारी मंत्री

जन्माष्टमी पर जुगल किशोर मंदिर प्रांगण में मना भक्ति का उत्सव

जागरण, पन्ना। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री तथा पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री इन्दर सिंह परमार जन्माष्टमी पर्व पर गत शनिवार की रात्रि पन्ना के श्री जुगल किशोर मंदिर परिसर में आयोजित श्री कृष्ण पर्व में शामिल हुए और दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से इस वर्ष भी जन्माष्टमी पर श्री कृष्ण पर्व का आयोजन किया गया था। प्रभारी मंत्री ने सांस्कृतिक संध्या के कार्यक्रम में उपस्थितजनों को जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दीं और भगवान जुगल किशोर के सानिध्य में रहने वाली जनता को सौभाग्यशाली बताया। प्रभारी मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा धार्मिक आस्था के केन्द्रों को पुर्नस्थापित कर भव्यता प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है। जुगल किशोर लोक निर्माण से पन्ना का वैभव बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि महाराजा छत्रसाल जैसे शौर्य व पराक्रमी शासकों की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। इससे युवा पीढ़ी प्राचीन ज्ञान परंपरा से अवगत होने के साथ ही शौर्य दर्शन के माध्यम से गर्व का अनुभव भी कर सकेगी। उन्होंने कहा कि अब राज्य स्तर पर हर जिले के इतिहास का प्रकाशन कराया जाएगा। सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है। श्रीकृष्ण पर्व जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन को उन्होंने सराहनीय बताया और कहा कि भक्ति के उत्सव के रूप में श्री कृष्ण की लीलाओं पर केन्द्रित इस कार्यक्रम के जरिए लोगों को देश की आध्यात्मिक परंपरा और विरासत से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि मंदिरों की नगरी पन्ना धाम में श्री जुगल किशोर लोक बनने की शुरूआत होने वाली है। इस भजन संध्या में आस्था और श्रद्धा की भावना के साथ शामिल लोगों को श्री कृष्ण जन्मोत्सव की बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि श्री कृष्ण के सात विग्रह में से एक पन्ना में भी है। साथ ही यह वृन्दावन का छोटा स्वरूप है। उन्होंने कहा कि शहर के अन्य मंदिरों को शामिल कर लोक का निर्माण होगा। इससे यहां धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। यहां के 16 तालाबों को सुंदर और आकर्षक बनाया जाएगा। हीरा नगरी के रूप में विश्व विख्यात पन्ना में डायमण्ड पार्क एवं म्यूजियम की स्थापना से भी अलग पहचान स्थापित होगी। श्रीकृष्ण पर्व के कार्यक्रम में नपाध्यक्ष मीना पाण्डेय सहित बृजेन्द्र मिश्रा, सतानंद गौतम, विष्णु पाण्डेय, कलेक्टर सुरेश कुमार, पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण एस थोटा, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, अतिरिक्त सीईओ एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अशोक चतुर्वेदी, परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार, गणमान्य नागरिक, नगरवासी एवं पत्रकारगण भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुरेश श्रीवास्तव सौरभ द्वारा किया गया।

लोकनृत्य एवं भक्ति गायन की प्रस्तुति ने बांधा शमां : श्रीकृष्ण पर्व के कार्यक्रम में जुगल किशोर मंदिर प्रांगण में 16 अगस्त को कलाकारों द्वारा प्रस्तुत लोकनृत्य एवं भक्ति गायन की प्रस्तुतियों ने शमा बांधा। कार्यक्रम में लोगों को श्रीकृष्ण भक्ति लीला की दूसरी झलक देखने को मिली। यहां आयोजित समारोह में अमित घारू, सागर और उनके दल द्वारा बधाई एवं बरेदी लोकनृत्य की प्रस्तुति दी गई, तो पवन तिवारी, टीकमगढ़ ने भक्ति गायन के माध्यम से मंदिर परिसर के माहौल को भक्तिमय बना दिया। पहली प्रस्तुति अमित घारू के बधाई और बरेदी लोकनृत्य की हुई। बुंदेलखण्ड अंचल में जन्म, विवाह और तीज-त्यौहारों पर बधाई नृत्य किया जाता है। मन्नत पूरी हो जाने पर देवी-देवताओं के द्वार पर बधाई नृत्य होता है। इस नृत्य में स्त्रियां और पुरुष दोनों ही उमंग से भरकर नृत्य करते हैं। बूढ़ी स्त्रियां कुटुम्ब में नाती-पोतों के जन्म पर अपने वंश की वृद्धि के हर्ष से भरकर घर के आंगन में बधाई नाचने लगते हैं। नेग-न्यौछावर बांटती हैं। मंच पर जब बधाई नृत्य समूह के रूप में प्रस्तुत होता है, तो इसमें गीत भी गाए जाते हैं। बधाई के नर्तक, चेहरे के उल्लास, पद संचालन, देह की लचक और रंगारंग वेशभूषा से दर्शकों का मन मोह लेते हैं। इस नृत्य में ढपला, टिमकी, रमतूला और बांसुरी जैसे वाद्य यंत्र का उपयोग किया जाता है। इसके बाद बरेदी लोक नृत्य की प्रस्तुति हुई। बरेदी लोकनृत्य बुंदेलखंड का प्रसिद्ध लोकनृत्य है। यह नृत्य दीपावली के शुभ अवसर पर किया जाता है। इस नृत्य में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को दिखाया जाता है। कलाकारों ने गायन के साथ मटकी फोड़, शेषनाग, अर्जुन रथ जैसी लीलाओं को बांसुरी, ढोल, ढोलक, नगड़िया और लोटा जैसे वाद्ययंत्रों के माध्यम से मंच पर प्रदर्शित किया। लोक नृत्य की प्रस्तुति के पश्चात पवन तिवारी का भक्ति गायन हुआ। पवन ने एक बार जो रघुवर की नजरों का इशारा हो जाए...से प्रस्तुति का आगाज किया। कार्यक्रम को विस्तार देते हुए कहन लागे मोहन मैया मैया..., लल्ला की सुन के मैं आयी यशोदा मैया दे दो बधाई...एवं राम भक्त ले चला रे राम की निशानी...जैसे भक्ति गीत पेश किए।

स्वतंत्रता दिवस पर विद्युत विभाग का आयोजन बिजली चोरी रोकने और नशा मुक्ति का दिया संदेश

जागरण, टीकमगढ़। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, टीकमगढ़ कार्यालय परिसर में गरिमामय आयोजन किया गया। अधीक्षण अभियंता एस.के. त्रिपाठी द्वारा ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गूंजाया गया। इसके बाद हर घर तिरंगा, नशा मुक्ति अभियान एवं शाकाहार रैली का आयोजन हुआ, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकाली गई। रैली में अधिकारी-कर्मचारियों ने तिरंगे के साथ कदमताल करते हुए देशभक्ति गीतों पर झूमकर उत्साह प्रदर्शित किया। साथ ही नशा छोड़ो, स्वस्थ रहो और शाकाहार अपनाओ, जीवन संवारो जैसे स्लोगनों से लोगों को प्रेरित किया। रैली के समापन के बाद सभागार में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

व-मित्र एप पर दे चोरी की सूचना और जाने योजनाओ के लाभ- एस.ई. श्री त्रिपाठी : इस मौके पर अधीक्षण अभियंता एस.के. त्रिपाठी ने उपस्थितों को संबोधित करते हुए विद्युत चोरी रोकने की अपील की। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी न केवल अपराध है बल्कि इससे आम जनता को भी परेशानी होती है। उन्होंने सभी को 'व-मित्र एप' डाउनलोड कर चोरी की सूचना देने और योजनाओं का लाभ लेने की सलाह दी। श्री त्रिपाठी ने कहा कि यदि उपभोक्ता ईमानदारी से बिजली बिल का भुगतान करेंगे, तो कंपनी भी उन्हें बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकेगी। कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने विचार साझा किए और शहीदों को नमन किया। इस बीच कार्यपालन अभियंता श्रीमती सुजाता गौतम की पुत्री कु. सानवी गौतम ने देशभक्ति पर आधारित नृत्य प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही टीकमगढ़ वृत्त के 70 उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अधीक्षण अभियंता ने कहा कि निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने वाले ही संस्था की प्रगति में सहायक होते हैं। कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता एस.एन. चतुर्वेदी, सुधीर कुमार सोनी, श्रीमती सुजाता गौतम, सहायक अभियंता अशुतोष रावत, विशाल तोमर, मनोज अवस्थी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। वहीं पूर्व क्षेत्र बिजली कर्मचारी महासंघ के प्रभारी मनोज अवस्थी और कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि संतोष श्रीवास्तव ने भी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

परमिट की शिकायत पर ट्रैफिक पुलिस ने रोकी सोना कंपनी की बस, चालक वर्दी उल्लंघन पर हुई चालानी कार्यवाही

स्थानीय बस संचालकों ने उठाए गंभीर सवाल, परिवहन विभाग से की गई लिखित शिकायत

जागरण, टीकमगढ़। टीकमगढ़ से झांसी की ओर जा रही सोना कंपनी की बस को सोमवार को ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई के दौरान बीच रास्ते में रोक लिया। बस क्रमांक एमपी36जेडसी4761 की जब जांच की गई तो आवश्यक दस्तावेज मौके पर मौजूद पाए गए। लेकिन बस चालक निर्धारित ड्रेस में नहीं था, जिस पर पुलिस ने नियमों का हवाला देते हुए चालानी कार्यवाही की और इसके बाद बस को छोड़ दिया।

स्थानीय बस संचालकों ने जताई आपत्ति : वही इस कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद बस संचालक अंकित वाधवा ने बताया कि उन्होंने इस बस के संचालन की शिकायत पहले ही पुलिस और परिवहन विभाग से की थी। उनका आरोप है कि यह बस जिस समय पर चलाई जा रही है, वह स्थायी परमिट में तय समय से मेल नहीं खाता।

नियमो का कर रही उलंघन : वही बस संचालक अंकित वाधवा ने कहा कि सोना कंपनी को पहले अस्थायी परमिट जारी किया गया था, जिसे कुछ समय पूर्व निरस्त कर स्थायी परमिट जारी किया गया। इस परमिट में बस संचालन का समय स्पष्ट रूप से दर्ज है, लेकिन कंपनी का स्टाफ नियमों की अनदेखी करते हुए अपनी मनमानी से बस चला रहा है।

गुंडागर्दी और दबाव बनाने के भी आरोप : वही बस संचालकों का यह भी कहना है कि जब वे नियमों का पालन कराने की बात करते हैं तो सोना कंपनी का स्टाफ दबाव बनाने और गुंडागर्दी करने से भी नहीं चूकता। अन्य संचालकों ने बताया कि यह स्थिति स्थानीय स्तर पर बस परिवहन व्यवस्था में अराजकता पैदा कर रही है।

परिवहन अधिकारी को भी दी गई शिकायत : मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायतकर्ता अंकित वाधवा ने परिवहन अधिकारी से भी लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने मांग की है कि बस संचालन समय की जांच कराई जाए और परमिट नियमों का पालन न करने वाले संचालकों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

नियम पालन पर सवाल : स्थानीय संचालकों ने यह भी सवाल उठाया है कि जब अन्य बस संचालक परमिट में तय समय का पालन करते हैं, तो सोना कंपनी को क्यों छूट दी जा रही है। उनका कहना है कि यदि सभी बसें अपने-अपने निर्धारित समय पर चलेंगी तो यात्रियों को भी सुविधा होगी और परिवहन व्यवस्था सुचारु बनी रहेगी।

प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग : संचालकों ने संयुक्त रूप से प्रशासन और परिवहन विभाग से अपील की है कि सोना कंपनी की बस संचालन व्यवस्था की जांच कर उसे नियमबद्ध किया जाए। साथ ही चालक-क्लीनर को अनिवार्य रूप से ड्रेस में रहने के लिए बाध्य किया जाए, जिससे ट्रैफिक अनुशासन कायम रहे।

निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण कराएं : प्रभारी मंत्री

पॉलीटेक्निक महाविद्यालय एवं आईटीआई में निर्धारित सीट के विरुद्ध हो शत-प्रतिशत प्रवेश

विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए गए निर्देश

जागरण, पन्ना। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री तथा पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि निर्माण विभागों से संबंधित अधिकारी समय सीमा में गुणवत्तापरक कार्य सुनिश्चित कराएं। निर्माण कार्यों के निर्बाध रूप से संचालन की निरंतर मॉनीटरिंग भी करें और किसी समस्या पर अविलंब अवगत कराया जाए। प्रभारी मंत्री श्री परमार ने रविवार को कलेक्टेऊट सभाकक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। इस दौरान गत बैठक के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश भी दिए। बैठक में पन्ना विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह सहित विधायक गुनौर डॉ. राजेश वर्मा, बृजेन्द्र मिश्रा, नपाध्यक्ष मीना पाण्डेय, कलेक्टर सुरेश कुमार, पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण एस थोटा, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी एवं अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने समीक्षा बैठक के अवसर पर विभागवार विस्तृत समीक्षा कर सभी अधिकारियों को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ समय सीमा में प्रदान करने के निर्देश दिए। इस दौरान शिक्षा विभाग अंतर्गत शालाओं में विद्यार्थियों के नामांकन एवं प्रवेश, छात्रवृत्ति वितरण, निःशुल्क गणवेश व किताब वितरण की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और समारोहपूर्वक छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण तथा शाला मरस्मत के संबंध में निर्देश दिए। इसी तरह उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय खोरा में पद पूर्ति तथा शासकीय कन्या महाविद्यालय पन्ना के पुराने भवन में विधि महाविद्यालय की स्थापना के लिए आवश्यक प्रयास करने की बात कही। तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा अवगत कराया गया कि पन्ना महाविद्यालय में मैकेनिकल ब्रांच की समस्त सीट में प्रवेश हो चुके हैं, जबकि अन्य तीन ब्रांच तथा पवई महाविद्यालय में दो ब्रांच में कुछ सीटें रिक्त हैं। इस पर प्रभारी मंत्री द्वारा आगामी दिवसों में निर्धारित सीट क्षमता के विरूद्ध शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित करने तथा माइनिंग इंजीनियरिंग के डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने के संबंध में प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए।

ककरहटी के पूर्व सीएमओ के विरूद्ध जांच उपरांत एफआईआर के निर्देश

प्रभारी मंत्री ने नगरीय निकाय अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। नगर परिषद ककरहटी अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत एक हितग्राही को समान किश्त की तीन बार राशि जारी करने पर मामले की जांच उपरांत तत्कालीन सीएमओ के विरूद्ध पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए। एकल और समूह नल जल योजनाओं के कार्यों में त्वरित रूप से शिकायत निराकरण व्यवस्था सुनिश्चित कर खराब सड़कों के रेस्टोरेशन के लिए निर्देशित किया गया। मझगांय समूह परियोजना अंतर्गत लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण कर ग्राम बालूपुर के विस्थापित शेष लोगो को राशि के अविलंब वितरण की बात कही। इसी तरह कल्दा में राजस्व विभाग द्वारा नामांतरण शिविर लगाने, हरसा-बगौहा सड़क निर्माण की दिक्कतों को दूर करने सहित अजयगढ़ विकासखण्ड की बनहरी समिति में नियम विरूद्ध भर्ती के मामले में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी शासकीय छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थियों के लिए मूलभूत सुविधाओं का प्रबंध हो। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा फसल उपार्जन की स्वयं पंजीयन प्रक्रिया का पर्याप्त प्रचार-प्रसार किया जाए। जिले में उर्वरक उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की निगरानी भी करें। पन्ना विधायक द्वारा बैठक में पन्ना-पहाड़ीखेरा सड़क की कुछ स्थानों पर मरम्मत कार्य के संबंध में ध्यान आकृष्ट कराया गया। इसी तरह सकरिया-डिघौरा की 1.5 किमी खराब सड़क तथा महेबा-गुनौर एवं एक अन्य सड़क की जांच की मांग गुनौर विधायक द्वारा की गई।

सोनोग्राफी मशीन संचालन के लिए करें प्रयास

प्रभारी मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान जिला अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन संचालन के लिए रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति की कार्रवाई, पन्ना में स्वीकृत मेडिकल कॉलेज के संबंध में आगामी कार्यवाही तथा नवीन एम्बुलेंस वाहन के बेहतर रूप से संचालन के लिए कहा। साथ ही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं में हितग्राहियों को समय पर राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए। गत वर्ष में स्वीकृत आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्यों के प्रगति की जानकारी लेकर भवनविहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों को आवश्यकतानुसार अतिरिक्त भवन वाले स्कूलों में शिफ्ट करने तथा स्थान परिवर्तन की स्थिति में अविलंब प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश भी दिए। प्रभारी मंत्री द्वारा आगामी सप्ताह में पोषण पुनर्वास केन्द्रों से कुपोषित एवं अतिकुपोषित बच्चों के डिस्चार्ज उपरांत सीएसआर मद से माताओं को न्यूट्री बास्केट के वितरण तथा बतौर प्रोत्साहन राशि एक हजार रूपए प्रदान करने की कार्ययोजना की सराहना की गई।

मत्स्यपालन विभाग के नवीन कार्यालय भवन की बनाएं कार्ययोजना

समीक्षा बैठक में बेनीसागर तालाब के निकट संचालित मत्स्यपालन विभाग के नवीन कार्यालय भवन की स्थापना के लिए जमीन के चिन्हांकन पर भी चर्चा हुई। प्रभारी मंत्री ने मत्स्य पालकों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं व विक्रय की रणनीति के बारे में पूछा और अतिरिक्त आमदनी के स्त्रोत के संबंध में दिशा निर्देश दिए। ग्राम झुमटा में पूर्व में गैस रिसाव के कारण स्थानांतरित विद्यालय को पुनः पुराने स्कूल भवन में संचालन के लिए भी निर्देशित किया गया। इसके अलावा प्रभारी मंत्री ने विभिन्न विभागों के स्वीकृत और प्रगतिरत कार्यों की जानकारी भी ली। जनअभियान परिषद अंतर्गत जनआंदोलन के रूप में माटी के गणेश की स्थापना तथा इसके लिए एक स्थान पर स्कूली बच्चों को एकत्रित एवं प्रेरित कर मूर्ति निर्माण करने तथा इसमें समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने की सलाह भी दी। इसके अलावा परिषद के माध्यम से प्लास्टिक मुक्त अभियान संचालित करने और ग्राम में बर्तन बैंक स्थापित करने के लिए भी कहा। श्रम विभाग की संबल योजना का समय सीमा में लाभ प्रदान करने तथा पशुपालन विभाग द्वारा बेरोजगार युवाओं को विभागीय योजना से लाभांवित करने सहित पवई में स्वाबलंबी गौशाला के संचालन के लिए विचार विमर्श किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान तथा एक बगिया मां के नाम अभियान के क्रियान्वयन के संबंध में भी चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में बजट राशि आवंटन के बावजूद गत 15 वर्ष से लंबित कन्या छात्रावास निर्माण के संबंध में परीक्षण के निर्देश भी दिए गए।

प्राणनाथ मंदिर में धूमधाम से मनाई गई श्री कृष्ण जन्माष्टमी

जागरण, पन्ना। कृष्ण भक्तों के लिये बुन्देलखण्ड क्षेत्र के पन्ना में स्थित प्राणनाथ का मंदिर वृन्दावन से कम नहीं है। यह अनूठा मंदिर पूरे देश के श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है। कृष्ण जन्माष्टमी के दिन मंदिर में विशेष कांच के झूले में श्रीजी के लौकिक दर्शन होते हैंद्य पन्ना के इस प्राचीन और जन आस्था के केन्द्र प्राणनाथ मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और अनूठे अंदाज में मनाया जाता है। इस वर्ष भी जन्माष्टमी पर्व मनाने के लिये जोर शोर के साथ तैयारियां की गई थीद्य जन्माष्टमी के पावन पर्व पर मंदिर में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं पहुंचकर पूरे उत्साह के साथ देर रात्रि तक मंदिर प्रांगण में उपस्थित रहकर जन्माष्टमी मनाई द्य जैसे ही मंदिर के पुजारी द्वारा पर्दा खोलकर झूले में बैठे हुए भगवान के मनोरम छवि के दर्शन होते हैं और जन्मोत्सव होता है तो श्रद्धालुओं

द्वारा भगवान के दर्शन करते हैं तो सभी एक स्वर में गगन बेदी जयकारा लगाएं बधाई बाबा नंद के जय कन्हैया लाल की जयकारों से मंदिर परिषद गूज उठना है। रात्रि के 12 बजाते ही पर्दा खुला और लोगों ने किया अलौकिक दर्शन।

प्राणनाथ मंदिर में श्री कृष्णा जन्माष्टमी मैं शामिल होने के लिए देश के कोने-कोने से सैकड़ो लोग पन्ना पहुंचते हैं द्य मंदिर में रात्रि 11 बजे से जन्मोत्सव कार्यक्रम शुरू हो गया था द्य विभिन्न कार्यक्रमों के बाद अंत में जोगमाया का गायन हुआ तत्पश्चात पर्दा खुलता है और कांच के विशेष झूले में भगवान श्री के दर्शन श्रद्धालुओं को मिलते हैंद्य झूले के सामने विशेष रूप से खिलौने की झांकी बनाई गई थी जो आकर्षण का केंद्र रही।

विशेष आरती पुजारी द्वारा की गई : जैसे ही पर्दा खुलता है उपस्थित सैकड़ो श्रद्धालुओं द्वारा श्रीफल (नारियल) तोड़कर अर्पित करते हैं द्य तत्पश्चात विशेष आरती पुजारी द्वारा की गई द्य यह कार्यक्रम रात्रि 2 बजे तक उत्साह के साथ चलता रहा उसके बाद श्रद्धालु सुंदरसाथ द्वारा प्रसाद एवं पंचामृत लेकर अपने अपने घरों को रवाना हुए द्य आकर्षक ढंग से सजाया गया था मंदिर उल्लेखनीय है कि जन्माष्टमी पर्व को देखते हुये प्राणनाथ मंन्दिर को जहां आकर्षक ढंग से सजाया गया था वहीं मंदिर परिसर के चारों ओर साफ-सफाई से मंदिर को स्वच्छ व सुन्दर बनाया गया है। रात्रि के समय मंदिर की सुन्दरता में चार चांद लगाने के लियें विद्युत लड़ियां भी लगाई गई हैं।

देश के कई राज्यों से पन्ना पहुंचे श्रद्धालु सुंदरसाथ : पन्ना के प्राणनाथ मंदिर में मनाए जाने वाली श्री कृष्णा जन्माष्टमी अपना अलग ही महत्व रखती है। भगवान के जन्म के प्रथम दर्शन के लिए देश के कई राज्यों से श्रद्धालु लोग पन्ना पहुंचकर जन्माष्टमी मानाते हैं और भगवान श्री कृष्ण की अलौकिक छटा के दर्शन कर अपने आप को धन्य महसूस करते हैं।

घर में अकेली महिला बनी दरिंदे का शिकार, पुलिस ने दर्ज किया मामला

हिंदू संगठनों का हंगामा, आरोपी जेल भेजा गया

टीकमगढ़। कोतवाली थाना क्षेत्र में महिला के साथ दुष्कर्म की वारदात सामने आई है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 15 अगस्त की शाम करीब 4 बजे जब उसका पति मजदूरी पर बाहर गया था, तभी मोटे का मोहल्ला निवासी असलम खान जबरन घर में घुस आया और उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी ने उसे पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। डर के चलते महिला ने घटना की जानकारी तुरंत किसी को नहीं दी, लेकिन शनिवार को पति के लौटने पर उसने पूरी घटना बताई। इसके बाद दंपती ने देर रात कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

हिंदू संगठनों ने किया विरोध : वही घटना की जानकारी मिलते ही विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

दुष्कर्म, मारपीट और एससी-एसटी एक्ट के तहत किया मामला दर्ज- उपेंद्र : वही कोतवाली थाना प्रभारी उपेंद्र छारी ने बताया कि आरोपी असलम खान पर दुष्कर्म, मारपीट और एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

न्यायालय पेश कर भेजा जेल- राहुल : वही एसडीओपी राहुल कटरे ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर उसका मेडिकल कराया गया है। आरोपी पर धारा 64(1), 332(बी), 296, 74, 351(3), 3(1)(डव्लू)(द्व), 3(1)(डव्लू)(द्वद्व), 3(2)(वी) के तहत केस दर्ज किया गया है। न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया।

5 वर्ष 2 माह 16 दिन के कार्यकाल में मिला सभी का भरपूर सहयोग : अरविंद

जनता के कार्यों को प्राथमिकता से किया, सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाई पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के प्रति जताया आभार

जागरण, बैढ़न

जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली शहर पूर्व अध्यक्ष अरविंद सिंह चंदेल ने अपने 5 वर्ष 2 माह 16 दिन के कार्यकाल पर पत्रकार वार्ता कर शीर्ष नेतृत्व एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त कर जिले को मिले नए अध्यक्षों को दी पत्रकारों को संबोधित करते हुए पूर्व अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी शहर अरविंद सिंह चंदेल ने बताया कि 20 मई 25 को मिली श्री चंदेल द्वारा सबसे पहले उक्त जिम्मेदारी के प्रति समस्त शीर्ष नेतृत्व उस समय की तात्कालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ विधानसभा पूर्व नेता प्रतिपक्ष चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल भैया पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल को तहे दिल से आभार व्यक्त करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली शहर के समस्त पदाधिकारियों आनुषंगिक संगठन के समस्त पदाधिकारियों समस्त ब्लाक मंडल सेक्टर के पदाधिकारियों समस्त पार्षदों समस्त कांग्रेस समर्थित जिला पंचायत सदस्यों पंच सरपंचों समस्त श्रमिक संगठनों एवं समस्त पोलिंग स्तर के कर्मठ सम्मानित कार्यकर्ता साथियों सहित सिंगरौली की आम जनमानस का जिन्होंने कार्य करने के लिए निष्ठा भाव से अपना भरपूर सहयोग समर्थन एवं आशीर्वाद प्रदान किया और साथ ही समस्त पत्रकार साथियों जिन्होंने आम जनता की आवाज बनकर सहयोग करते रहे इसके लिए आभार व्यक्त करते हुए आगे शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार कार्य करने के लिए बोला गया साथ ही चंदेल सिंगरौली के उन समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता साथियों गरीब आदिवासी दलित पिछड़ा अल्पसंख्यक किसान विस्थापितों के सुख दुःख उनके हरेक संघर्षों के साथ खड़े थे और आगे भी खड़े रहेंगे हमने कांग्रेस की विचारधारा एवं आम जनता की सेवा के लिए नवानगर में 1991 से कार्यालय चलाते आ रहे है जो सेवा भाव के लिए हमेशा खुला रहेगा साथ ही शीर्ष नेतृत्व द्वारा सिंगरौली में सिंगरौली शहर से प्रवीण सिंह चौहान एवं ग्रामीण से श्रीमती सरस्वती सिंह को जो जिम्मेदारियां दी गई है उसके लिए उन्हें बधाई दी गई उन्होंने कहा कि जैसा कि वर्षों से मांग के बाद सिंगरौली शहर कांग्रेस का गठन प्रदेश कांग्रेस द्वारा किया जाकर विषम परिस्थिति करोना काल में 20 मई 20 को शहर कांग्रेस गठन उपरांत मुझे शहर कांग्रेस सिंगरौली के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई तब करोना महामारी के समय संगठन खड़ा करना चुनौतीपूर्ण रहा है इसके बावजूद चुनौती स्वीकारते हुए एक.एक कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत संपर्क कर सभी वरिष्टों प्रदेश नेतृत्व से संबंध में स्थापित कर 145 सदस्यों वाली शहर कांग्रेस का गठन कर प्रदेश से स्वीकृत कराकर कार्य करना चालू किया तब से लगातार कड़ी चुनौतियों का सामना करते हुए भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ एवं स्थानीय जन समस्याओं को लेकर विरोध एवं धरना प्रदर्शन कर आम जनता के साथ विपक्ष की भूमिका में खड़ा रहने का कार्य किया 5 वर्षों से संगठन की मजबूती एवं आम जनता विपक्ष की भूमिका में संगठनात्मक संघर्ष 165 संगठनात्मक बैठकें हुई स्थानीय जन समस्याओं को लेकर जिला स्तरीय 65 धरना प्रदर्शन हुआ जिसमें विस्थापन के मुद्दों पर एनसीएल प्रबंधन का घेराव शामिल है उन्होंने कहा कि इसी तरह आगे भी शीर्ष नेतृत्व के दिशा निर्देश पर संगठन की मजबूती हेतु एवं जनता के हक अधिकार की लड़ाइयां पूरी ताकत से संगठन के साथ लड़ने का कार्य करते रहेंगे उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से विनोद सिंह मनोज दुबे रविकांत सोनी देवपति सिंह वैश्य मकसूद रजा संगीता सिंह मोनीष खान रामलल्लू कुशवाहा सुदामा प्रसाद कुशवाहा अजय सिंह चंदेल हरिश्चंद्र यादव शिवप्रसाद शर्मा पंकज पांडेय मनोज सिंह पिंटू अनिल वर्मा केपी सिंह विद्यापति शाह बबुआ सिंह अशोक सिंह परिहार उपेंद्र रमण सिंह हरिश्चंद्र सिंह दुष्यंत सिंह रामाधार कुशवाहा विजय वर्मा याकूब अंसारी अनिल शाह रामाश्रय शाह अजय सिंह शिवसागर विश्वकर्मा राघवेंद्र शर्मा विनय मास्टर तुला कुशवाहा जगजीवन शाह रामपुकार शाह अखिलेश शाह कुंदन पांडेय पुष्पराज नापित विनय दुबे श्रवण बैस राजीव सिंह विद्यासागर वैश्य अवधेश सिंह याकूब अंसारी सहित अन्य कई पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले अधिकारियों को रजत स्मृति चिन्ह से किया सम्मानित

हिंडालको महान में धूमधाम से मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

जागरण, बैढ़न। हिंडालको महान में 79 वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इकाई प्रमुख एस. सेन्थिलनाथ ने ध्वजारोहण कर कर्मियों एवं हितग्राहियों को शुभकामनाएं दीं और परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह दिन हमें शहीदों की कुर्बानियों की याद दिलाता है और उनके सपनों का भारत बनाने का संकल्प दिलाता है। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष महान ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियाँ दर्ज कीं जिनमें पॉटलाइन को 377 केए एम्परेज पर संचालित कर देश का सर्वोच्च स्तर हासिल करना 6300 एमॅटी पी 202 ग्रेड शुद्ध एल्युमिनियम का उत्पादन तथा 372,274 एमॅटी हॉट मेटल और 57,767 एमॅटी प्योर मेटल का रिकॉर्ड उत्पादन शामिल है। पर्यावरण संरक्षण में भी उल्लेखनीय कदम उठाए गए उद्योग का पहला फ्लोटिंग सोलर प्लांट स्थापित हुआ 3,250 एमॅटी लो.कार्बन एल्युमिनियम का उत्पादन हुआ और प्लैटिनम ज़ीरो वेस्ट लैंडफिल इम्पैक्ट सम्मान प्राप्त किया गया। सीएसआर गतिविधियों के तहत 15 गाँवों व 16 वार्डों के 60,000 से अधिक लोगों को लाभान्वित किया गया। मधुमक्खी पालन स्वरोज़गार शिक्षा स्वास्थ्य एवं पेयजल जैसी योजनाओं से ग्रामीणों व महिलाओं को सशक्त बनाया गया। कार्यक्रम के दौरान हिंडालको महान इकाई के वरिष्ठ प्रबंधन से डॉक्टर विवेकानंद मिश्रा संजय चतुर्वेदी गौरव वर्म आदर्श सुदीप्ता नायक कर्नल गौरव चतुर्वेदी संजय सिंह व अन्य विभाग प्रमुखों यूनियन प्रतिनिधि व अधिकारी कर्मचारी गण के साथ साथ उनके परिवार जन उपस्थित रहे। आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल एवं सरस्वती शिशु मंदिर मझिगवां के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। मोबाइल की लत पर प्रस्तुत नाटक को दर्शकों ने सराहा। उत्कृष्ट परेड सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सेवा के लिए बच्चों एवं सुरक्षा कर्मियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन अभिषेक उपाध्याय ने किया। पुनर्वास कॉलोनी मझिगवां में सीएसआर प्रभारी राजीव रंजन ने ध्वजारोहण किया और विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। स्वतंत्रता दिवस की संध्या पर रॉकर्स क्लब में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया साथ ही सुरक्षा जवानों के लिए गेट नम्बर .1 मे कर्नल गौरव चतुर्वेदी व उनके सुरक्षा विभाग द्वारा बड़ा खाना का आयोजन किया गया।

25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले अधिकारियों को रजत स्मृति चिन्ह से किया सम्मानित : 79 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर हिंडालको महान ने अपने कर्मनिष्ठ अधिकारियों को विशेष पहचान दी। संस्थान में निरंतर 25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले 13 अधिकारियों को रजत स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में इकाई प्रमुख एस.सेन्थिलनाथ और मानव संसाधन प्रमुख डॉ. विवेकानंद मिश्रा ने संयुक्त रूप से सभी अधिकारियों को सम्मानित किया। इस दौरान इकाई प्रमुख ने कहा संस्थान की प्रगति और उपलब्धियों के पीछे हमारे कर्मियों का समर्पण और मेहनत ही वास्तविक शक्ति है। 25 वर्षों की यह सेवा केवल कार्यकाल नहीं बल्कि समर्पण और ईमानदारी की मिसाल है। उन्होंने आगे कहा कि महान की पहचान उसकी तकनीकी उपलब्धियों के साथ.साथ उन कर्मचारियों से भी है जिन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा संस्थान को समर्पित किया है। समारोह के अंत में मानव संसाधन प्रमुख डॉ. विवेकानंद मिश्रा ने सभी अतिथियों अधिकारियों कर्मचारियों और उनके परिवारजनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा आज का यह समारोह केवल स्वतंत्रता दिवस का उत्सव नही बल्कि हमारी कार्यसंस्कृति और कर्मनिष्ठा का भी प्रतीक है। 25 वर्षों तक निरंतर समर्पण और ईमानदारी के साथ कार्य करने वाले हमारे साथियों का सम्मान वास्तव में पूरी महान परिवार के लिए गर्व की बात है। मैं प्रत्येक कर्मचारी के योगदान को प्रणाम करता हूँ और विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में भी हम सब मिलकर हिंडालको महान को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगे। कार्यक्रम का सफल आयोजन विनय तिवारी सुशान्त गुप्ता और मोहित शुक्ला द्वारा किया गया।

हिंडाल्को महान अस्पताल में आयोजित हुआ विशाल रक्तदान शिविर

जागरण बैढ़न। 79 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर हिंडाल्को महान अस्पताल ने रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से अस्पताल परिसर में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। शिविर का उद्घाटन हिंडाल्को महान इकाई प्रमुख एस.सेन्थिलनाथ ने किया। कार्यक्रम में रेड क्रॉस सोसायटी से डॉ. आर. डी.द्विवेदी डॉ. अशेष शरण हिंडाल्को महान अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीएमओ के साथ.साथ डॉ. दीप्ति शरण डॉ. अमित श्रीवास्तव डॉ.मुदित कुलश्रेष्ठ और डॉ. पॉल पांडियन सहित अस्पताल के अन्य चिकित्सा कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर में कुल 91 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना और अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान हेतु प्रेरित करना रहा।

एनटीपीसी रिहंद में 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

जागरण, रिहंदनगर। एनटीपीसी रिहंद परियोजना में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह सोन–शक्ति स्टेडियम में हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं परियोजना प्रमुख अनिल श्रीवास्तव ने ध्वजारोहण कर किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का माहौल देशभक्ति से सराबोर हो गया। इससे पूर्व महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। अपने सम्बोधन में श्री श्रीवास्तव ने सभी को शुभकामनाएँ देते हुए रिहंद परियोजना की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि परियोजना ने वित्तीय वर्ष 25–.26 में 14 अगस्त तक 8555.67 मियू विद्युत उत्पादन कर एनटीपीसी के सभी स्टेशनों में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने महिला स्वावलंबन स्वरोजगार प्रशिक्षण और सामुदायिक विकास में रिहंद की सक्रिय भूमिका पर भी बल दिया। इस अवसर पर उन्होंने शांति के प्रतीक गुब्बारे आकाश में छोड़कर संदेश दिया। परेड एवं मार्च.पास्ट में सीआईएसएफ विद्यालयों और एनसीसी की टुकड़ियों ने अनुशासन और देशभक्ति का अद्भुत प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में वर्तिका महिला मण्डल वेलफेयर विंग उड़ान बाल भवन एवं विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने देशभक्ति गीत एवं नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इसके बाद पुरस्कार वितरण में पावर एक्सल अवार्ड इंप्लाई ऑफ द ईयर मानवीयता पुरस्कार तथा मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समापन पर केंद्रीय विद्यालय को बेस्ट प्लाटून और सेंट जोसेफ स्कूल को श्रेष्ठ सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु सम्मान दिया गया। इसी क्रम में सक्षम लोगों को कृत्रिम अंग एवं तिपहिया साइकिल वितरित किए गए।

सरस्वती विंध्यनगर प्राचार्य मुद्रिका प्रसाद द्विवेदी बनें विभाग समन्वयक

जागरण, सिंगरौली। सरस्वती शिक्षा परिषद मध्य प्रदेश महाकौशल प्रांत प्रादेशिक सचिव सुधीर अग्रवाल ने बीते दिनों नियुक्ति पत्र जारी कर लगभग 30 वर्षों से शिक्षा विभाग में रहकर पूरी निष्ठा लगन के साथ सेवा देने वाले वर्तमान समय जिले सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विंध्यनगर में प्राचार्य के पद पर पदस्थ मुद्रिका प्रसाद द्विवेदी को विभाग समन्वयक का अतिरिक्त दायित्व दिया गया । नियुक्ति की खबर मिलते ही महाकौशल प्रांत सहित शिक्षा विभाग में खुशी की लहर फैल गई वही सहायक संचालक कविता त्रिपाठी जिला शिक्षा अधिकारी एस.बी सिंह विद्या भारती जिला सचिव डा. सुशील सिंह चंदेल सरस्वती स्कूल बिलौजी प्राचार्य अश्वनी सोनी सहित शिक्षा विभाग विद्यालय प्राचार्यो शिक्षकों शुभचिंतकों परिवार के लोगों ने विद्यालय एवं निवास पहुंचकर पुष्प गुच्छ मालार्पण पहनाकर मिष्ठान खिलाकर शुभकामनाएं दिए।

सरस्वती विन्ध्यनगर में हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया 79वाँ स्वतंत्रता दिवस

जागरण, विन्ध्यनगर। देश की आजादी के 78 वर्ष पूर्ण होने पर 79वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह सम्पन्न हुआ। प्रातः ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ मुख्य अतिथि डॉ. सुशील सिंह चन्देल ने व्यवस्थापक धीर सिंह चैहान एवं सहव्यवस्थापिका श्रीमती गायत्री श्रीवास्तव के साथ ध्वजारोहण किया। सिंगरौली जिला के विभागसमन्वयक एवं प्राचार्य मुद्रिका प्रसाद दुबे ने अतिथियों के साथ परेड की सलामी लेते हुए घोषदल का उत्साह वर्धन किया तदोपरांत सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं स्वतंत्रता दिवस संदेश के बाद प्रधानाचार्य श्रीमती नीलम गुप्ता ने अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

एनटीपीसी् के सामूहिक कार्यक्रम में बहनों की टोली को मिला सर्वश्रेष्ठ परेड पुरस्कार : एनटीपीसी् के अम्बेडकर स्टेडियम में आयोजित संयुक्त कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मंदिर के परेड को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केअवसर पर आयोजित हुई श्रीराधा–कृष्ण रुप सज्जा प्रतियोगिता : हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर भैया.बहनों के मध्य राधा कृष्ण रुप सज्जा प्रतियोगिता सम्पन्न करायी गई जिसमें अभिभावकों ने खासतौर पर प्रीप्रेटरी स्तर के अभिभावकों विशेष उत्साह देखने को मिला जिन्होंने अपने पाल्य शिशुओं को घर से श्रीकृष्ण.राधा के मनमोहक रुप में सजाकर लाए। सर्वप्रथम जिला सचिव डाँ. सुशील सिंह चन्देल श्रीमती गायत्री श्रीवास्तव एवं विभाग समन्वयक एवं प्राचार्य मुद्रिका प्रसाद दुबे ने नटखट एवं श्रीकृष्ण के बालरुप का पूजन अर्चन किया तदुपरांत श्रीकृष्ण की बाल.लीलाओं से प्रेरित नृत्य प्रस्तुत किए गए मुख्य अतिथि श्रीमती प्रतिभा दुबे एवं प्रमुख निर्णायक श्रीमती अर्पणा सिंह श्रीमती दीपा सिंह ने राधा.कृष्ण के रुप में सजे.धजे प्रतिभागियों का मूल्यांकन कर उन्हें पुरस्कृत किया। सम्पूर्ण आयोजन शिशु वाटिका प्रभारी एवं प्रधानाचार्य श्रीमती नीलम गुप्ता के निर्देशन पर कुशलता पूर्वक सम्पन्न कराया गया।

निवास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की मनमानी, मरीज बेहाल

जागरण, निवास। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति दिनोंदिन बदतर होती जा रही है। यहां डॉक्टरों की मनमानी का आलम यह है कि मरीजों को उचित व्यवस्था और सुविधाएं तक नसीब नहीं हो पा रही हैं। अस्पताल में तैनात डॉक्टर समय पर अपनी ड्यूटी पर नहीं बैठते जिससे मरीजों को घंटों भटकना पड़ता है। यही नहींए अधिकांश डॉक्टर अपने निजी क्लीनिक में व्यस्त रहते हैं और वहीं मोटी कमाई कर रहे हैं जबकि सरकारी अस्पताल केवल नाम मात्र का बनकर रह गया है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि निवास अस्पताल में प्रभारी पद पर बैठे डॉक्टर केशव सिंह मूल रूप से तिनगुड़ी अस्पताल में पदस्थ हैं लेकिन अटैचमेंट के सहारे निवास अस्पताल का संचालन कर रहे हैं। लाखों रुपये का बिल पास होता है लेकिन अस्पताल में न तो दवाइयों की व्यवस्था है और न ही मरीजों को मूलभूत सुविधाएं मिल पा रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि डॉक्टरों की यह मनमानी और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ है। स्वास्थ्य केंद्र की इस दुर्दशा से ग्रामीण बेहद आक्रोशित हैं और जिम्मेदार अधिकारियों से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो निवास के गरीब और असहाय मरीजों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी की सभी देशवासियों नगरवासियों एवं क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
आदित्य देव सिंह

सीआईएसएफऔर एनसीएल अमलोरी परियोजना के समन्वय से हुआ वृहद पौधरोपण

जागरण, सिंगरौली। 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल सीआईएसएफ की इकाई एनसीएल सिंगरौली और एनसीएल अमलोरी परियोजना के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अमलोरी खदान के वार्फवाल क्षेत्र में संपन्न हुआए जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण को बढ़ावा देना था। इस पुनीत कार्य में अमलोरी खदान के एरिया जी.एम.आलोक कुमार सीआईएसएफ इकाई एनसीएल सिंगरौली के इकाई प्रभारी कमांडेंट खिल्लारे एस.पी.तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा सीआईएसफके जवान शामिल हुए। इस दौरान सीआईएसएफ के उप कमांडेंट सुशांत गायकवाड़ और सहायक कमांडेंट देवेंद्र सिंह ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। एनसीएल अमलोरी परियोजना से स्टाफ ऑफिसर पर्सनल नागेंद्र यादव सहित अन्य अमलोरी परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लिया।सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर बड़ी संख्या में पौधे रोपे। यह पहल न केवल पर्यावरण के प्रति दोनों संगठनों की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैए बल्कि यह भी संदेश देती है कि विकास के साथ.साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस की भावना के अनुरूप समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने का एक सफल प्रयास रहा।

स्वतंत्रता दिवस 2025 की सभी देशवासियों नगरवासियों एवं क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
पंडित राम किशोर
शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय ब्यौहारी, शहडोल
डॉ. आर.के. तिवारी
प्राचार्य
राजेन्द्र बैश्य
अध्यक्ष जनभागीदारी समिति

स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी की सभी देशवासियों नगरवासियों एवं क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
लकी पिंजानी
प्रोपाइटर
लकी किराना स्टोर, गुरु नानक पेपर मार्ट बस स्टैंड ब्यौहारी-जिला शहडोल। उत्तम क्वालिटी का किराना सामान एवं किताब कॉपी उचित रेट में मिलता है।

स्वतंत्रता दिवस 2025 की सभी देशवासियों नगरवासियों एवं क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
अमरीश मिश्रा
ई रजिस्ट्री, ई स्टांप, सर्विस प्रोवाइडर
हरीश मिश्रा
एडवोकेट, तहसील ब्यौहारी-जिला शहडोल म.प्र.
मो. नं. 9630641708

स्वतंत्रता दिवस 2025 की सभी देशवासियों नगरवासियों एवं क्षेत्रवासियों को
राम प्रकाश साहू
बीज भंडार
हार्दिक शुभकामनाएं
कृषि एग्रो सर्विस महुआ गांव

मैदान से हटकर

डीपीएल में इंग्लिश मेम का देसी गेम

देश की राजधानी दिल्ली में इन दिनों टी-20 की धूम है। दिल्ली प्रीमियर लीग में कई खिलाड़ी अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी से महफिल लूट रहे है, तो वहीं इस टूर्नामेंट से जुड़ी एक एंकर क्रिकेटर्स के बीच में बहुत पापुलर हो रहीं हैं। यह एंकर कोई और नहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू हेडन की बेटी ग्रेस हेडन हैं, जो स्पोर्ट्स प्रेजेंटर हैं। ग्रेस को इन दिनों डीपीएल में टूर्नामेंट का एंकर बनाया गया है और उन्होंने अभी तक अपना काम बखूबी से निभाया है। लीग में ग्रेस हेडन आकर्षण का केंद्र बनी हुई है और अक्सर उनका कई कॉमेन्ट्रेटर्स के साथ वीडियो वायरल होता रहता है, जिसमें उनके ड्रेसिंग सेंस और उनके लुक्स पर बहुत ज्यादा बात होती है। लेकिन इस बार उनके हिंदी बोलने का वीडियो वायरल हो रहा है। ग्रेस को लीग में खेल रहे तेज गेंदबाज भगवान सिंह का इंटरव्यू करना था, जो इस बात से पहले ही डरे हुए थे कि उनको इंग्लिश बोलना पड़ेगा कि अचानक ग्रेस उनसे हिंदी में बोलती है कि उनका नाम ग्रेस है और आप कैसे हैं? इतना सुनते ही भगवान थोड़े सहज होते हैं और उनको हिंदी में स्लैंग बोलने का चैलेंज देते है। ग्रेस पूरे ग्रेस के साथ वो कबूल करती है और टूटे फूटे अंदाज में वो कोशिश करती है, जिसको सुनकर हर किसी को हंसी आ जाती है। (जेएनएन)

पांच कप्तानों ने जिताए भारत को आठ एशिया कप, अजहर, धोनी, रोहित के नाम दो खिताब

नई दिल्ली, जेएनएन। एशिया कप के 17वें संस्करण का आगाज 9 सितंबर से यूएई में होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम भारत की रही है, जिन्होंने पिछले 16 में से 8 खिताब जीते हैं, वहीं श्रीलंका 6 बार ट्रॉफी अपने नाम करने में सफल रहा है और 2 बार पाकिस्तान को जीत मिली है। भारत को यह 8 खिताब जिताने के पीछे 5 कप्तानों का योगदान रहा है। 1984 में शुरू हुए एशिया कप का पहला खिताब भी भारत ने जीता था, वहीं 2023 में हुए आखिरी संस्करण में भी भारत विजयी रहा था। आईए एक नजर उन कप्तानों पर डालते हैं जिनके अंडर भारत एशिया कप जीता है, बता दें, विराट कोहली का नाम इस लिस्ट में नहीं है।

सुनील गावस्कर 1984

1984 में सुनील गावस्कर एशिया कप का खिताब जीतने वाले पहले कप्तान थे। उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की थी। भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को धूल चटाकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था और यहीं से टीम इंडिया ने एशियाई टीमों पर अपना दबदबा बनाना शुरू किया था। उस टूर्नामेंट में सिर्फ तीन टीमों -भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका- ने ही हिस्सा लिया था।

दिलीप वेंगसरकर 1988

1986 की खराब परफॉर्मेंस के बाद दिलीप वेंगसरकर भारत को 1988 में एक बार फिर एशिया कप का चैंपियन बनाया। इस बार टूर्नामेंट में 4 टीमों ने हिस्सा लिया था और चौथी टीम बांग्लादेश की थी। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 6 विकेट से धूल चटाई थी। नवजोत सिंह सिद्धु 76 रनों की पारी के साथ भारत की जीत के हीरो रहे थे।

मो. अजहरुद्दीन 1988, 1995

1988 से 1995 तक एशिया कप पर भारत का राज रहा। इस दौरान कुल तीन बार टूर्नामेंट का आयोजन हुआ। 1988 के बाद मोहम्मद अजहरुद्दीन ने एशिया कप 1991 में टीम इंडिया की कमान संभाली और चैंपियन बनाया, इसके बाद उनकी अगुवाई में भारत ने 1995 में फिर ट्रॉफी जीती। इसी के साथ मोहम्मद अजहरुद्दीन ऐसे पहले कप्तान बने जिनकी अगुवाई में भारत ने दो एशिया कप के खिताब जीते।

एमएस धोनी 2010, 2016

1991 और 1995 में लगातार दो एशिया कप के खिताब जीतने के बाद ट्रॉफी का सूखा पड़ गया। 1997, 2000, 2004 और 2008 में भारत को लगातार हार का सामना करना पड़ा। 2004 और 08 के तो फाइनल तक टीम इंडिया पहुंची, मगर दोनों बार श्रीलंका ने खिताब पर कब्जा जमाया। 2010 में धोनी की अगुवाई में भारत फिर चैंपियन बना और 15 साल के सूखे को खत्म किया। धोनी की अगुवाई में भारत ने 2016 में एशिया कप का खिताब फिर जीता, जो टी20 फॉर्मेट में हुआ था।

रोहित शर्मा 2018, 2023

2018 में विराट कोहली की गैरमौजूदगी में रोहित शर्मा को एशिया कप में टीम इंडिया को लीड करने का मौका मिला। कई बार आईपीएल ट्रॉफी जीत चुके इस कप्तान ने भारत को 7वीं बार चैंपियन बनाया। रोहित ने 2023 में फुल टाइम कप्तान रहते हुए अपनी एशिया कप की दूसरी ट्रॉफी जीती। 2018 में भारत ने बांग्लादेश को तो, 2023 में श्रीलंका को धूल चटाई थी।

बुमराह ने तोड़ी चुप्पी एशिया कप के लिये रहेंगे उपलब्ध

बीसीसीआई को दिया अपडेट

19 अगस्त होगा टीम इंडिया का चयन

नई दिल्ली, जेएनएन। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति 19 अगस्त को एशिया कप 2025 के स्क्वॉड के चयन के लिए बैठक करने वाली है। इस बैठक में कई खिलाड़ियों की किस्मत का फैसला होगा और अंत में सिर्फ 15 प्लेयर्स को ही इस टूर्नामेंट में मौका मिलेगा। यह 15 खिलाड़ी आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के भी प्रमुख दावेदार होंगे। इस मीटिंग से ठीक पहले भारत के नंबर-1 तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बीसीसीआई समेत चयनकर्ताओं को अपनी उपलब्धता पर अपडेट दिया है। जसप्रीत बुमराह आखिरी बार एक्शन में इंग्लैंड दौरे पर दिखाई दिए थे जहां वर्कलोड के चलते उन्होंने सिर्फ तीन ही टेस्ट खेले थे। बुमराह ने पहले ही चयनकर्ताओं को टूर्नामेंट खेलने की अपनी इच्छा से अवगत करा दिया है। इसलिए, उनका टीम में शामिल होना लगभग तय है। एक सूत्र के हवाले से बताया गया है कि बुमराह ने चयनकर्ताओं को सूचित कर दिया है कि वह एशिया कप चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। चयन समिति अगले हफ्ते बैठक करेगी और इस पर चर्चा करेगी। जसप्रीत बुमराह ने आखिरी टी20 जून 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। यह टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल था, जिसमें टीम इंडिया ने करीबी मुकाबले में अफ्रीकी टीम को हराया था। इसके बाद से बुमराह ने एक भी टी-20 मैच नहीं खेला है।

खेल एक नजर

पोर्टलैंड क्लासिक गोल्फ

अदिति ने बनाया सत्र का सर्वश्रेष्ठ कार्ड

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक मौजूदा सत्र के सर्वश्रेष्ठ 65 के कार्ड के साथ एलपीजीए टूर के 'द स्टैंडर्ड पोर्टलैंड क्लासिक में शीर्ष पांच में पहुंच गईं। अदिति ने इस दौरान तीसरे दौर में सात बर्डी लगाईं। मौजूदा सत्र में 12 टूर्नामेंटों में अदिति का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन संयुक्त नौवां स्थान (मायाकोबा में रिवियेरे माया ओपन) में रहा है। भारतीय मूल की अमेरिकी गोल्फर गुरलीन कौर 13 अंडर के स्कोर के साथ चौथे जबकि भारतीय मूल की कनाडा की सवान्नाह ग्रेवाल आठ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त 25वें स्थान पर हैं। जापान की अकेई इवाई आठ अंडर 64 का कार्ड खेलने के बाद दो शॉट की बढ़त के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं।

महिला क्रिकेट : हीली की शतकीय पारी से जीता आस्ट्रेलिया

शेफाली की पारी हुई बेकार भारत को 9 विकेट से मिली हार

नई दिल्ली, जेएनएन। एलिसा हीली के शतक के दम पर ऑस्ट्रेलिया ए ने इंडिया ए को तीसरे अनौपचारिक वनडे में 9 विकेट से धूल चटाई। पहले बैटिंग करते हुए भारत ने शेफाली वर्मा के अर्धशतक के दम पर मेजबानों के सामने जीत के लिए 217 रनों का टारगेट रखा था, इस स्कोर को कंगारुओं ने 27.5 ओवर में ही चेज कर लिया। एलिसा हीली ने इस दौरान 84 गेंदों पर 137 रनों की धुआंधार पारी खेली जिसमें 23 चौके और 2 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उन्हें इस लाजवाब पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया को शुरुआत तो शानदार मिली। शेफाली वर्मा ने नंदिनी कश्यप ने पहले विकेट के लिए 18.1 ओवर में 81 रन जोड़े। शेफाली ने 52 तो नंदिनी ने 28 रनों की पारी खेली। हालांकि इस जोड़ी के टूटने के बाद भारतीय खिलाड़ी स्कोरबोर्ड पर ज्यादा रन नहीं लगा पाए। यस्तिका भाटिया (42) ने जरूर अच्छी पारी खेली, मगर उन्हें किसी और का साथ नहीं मिला। इतनी अच्छी शुरुआत के बावजूद भारत पूरे 50 ओवर बैटिंग नहीं कर सका और पूरी टीम 47.4 ओवर में 216 के स्कोर पर सिमट गई। इस स्कोर को चेज करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ए को ताहलिया विल्सन (59) और एलिसा हीली ने तूफानी शुरुआत देते हुए पहले विकेट के लिए 16.1 ओवर में 137 रन जोड़े। ताहलिया को राधा यादव ने आउट किया। इसके बाद भी हीली का बल्ला नहीं रुका और उन्होंने टीम को 133 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई।

राफिन्हा, यामल के गोल से बार्सिलोना का खिताब बचाओ अभियान शुरू

मैड्रिड, जेएनएन। बार्सिलोना ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अपने खिताब बचाव अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। उसने शनिवार को खेले गए लगी के अपने पहले मुकाबले में मालोर्का पर 3-0 की आसान जीत के साथ की। इस जीत में 28 बार की चैंपियन बार्सिलोना की टीम ने मालोर्का को मिले दो रेड कार्ड का फायदा भी उठाया। स्पेनिश फुटबॉल लीग के अपने पहले मैच में चैंपियन टीम ने मालोर्का को पराजित किया, अनुभवी स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोवस्की चोट के कारण मुकाबले में नहीं खेले राफिन्हा, यामल के गोल से बार्सिलोना का खिताब बचाओ अभियान शुरू 28 बार खिताब जीतकर दूसरे नंबर पर है बार्सिलोना की टीम 36 बार सबसे ज्यादा रियाल मैड्रिड की टीम ने खिताब जीता।

पिछले सत्र में बार्सिलोना के शानदार आक्रमण का नेतृत्व करने वाले राफिन्हा और लामिने यामल को एक बार फिर अपना प्रभाव छोड़ने में सिर्फ सात मिनट लगे। यामल के कर्लिंग क्रॉस पर राफिन्हा ने टीम की तरफ से सातवें मिनट में टीम का खाता खोला। फेरान टॉरेस ने 23वें मिनट में बार्सिलोना की बढ़त दोगुनी कर दी। हालांकि इस गोल के खिलाफ मालोर्का ने शिकायत की थी क्योंकि उनके एक खिलाड़ी के सिर में गेंद लगने के बाद वह जमीन पर गिर गया था। फिर यामल ने दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम (90 4) में टॉप कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया।

पिछले सत्र में 102 गोल करके लीग जीतने वाली बार्सिलोना की टीम अनुभवी स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोवस्की के बिना मैदान पर उतरी जो चोटिल होने के कारण पहले मैच में नहीं खेल पाए। लीग के एक अन्य मुकाबले में एल्विस ने लेवांते को 2-1 से हराकर खाता खोला जबकि वेलेंसिया ने रियाल सोसिदाद के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला।

पाकिस्तान के जिन बल्लेबाजों के नाम टी20 में सर्वाधिक रन वही एशिया कप से हुए बाहर

नई दिल्ली, जेएनएन। एशिया कप 2025 का आयोजन 09 सितंबर से किया जाना है। इस टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक बड़ा फैसला लिया है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2025 के लिए अपने स्क्वाड का जैसे ही ऐलान किया, उसके बाद बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को 440 वोल्ट का झटका लगा होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इन दोनों को स्क्वाड में शामिल ही नहीं किया। हालांकि इस बात का अंदाजा उसी वक्त लग गया था जब हाल ही में हुए वेस्टइंडीज दौरे के लिए बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टी20 टीम में नहीं चुना गया था।

खत्म हो जाएगा बाबर और रिजवान का टी20 करियर : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जिस तरह इन दोनों को टी20 स्क्वाड के बाहर निकाल फेंका है, उसे देखकर तो यही लग रहा है कि इन दोनों का टी20 करियर खतरे में है। इन दोनों की जगह कोई और खिलाड़ी होता तो कब का संन्यास ले चुका होता। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के इस फैसले से साफ है कि अब बोर्ड नई सोच और नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना चाहता है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान जैसे बड़े नामों को बाहर का रास्ता दिखाना कोई छोटी बात नहीं है। यह फैसला बताता है कि अब पाकिस्तान टी20 टीम में सिर्फ नाम नहीं, बल्कि फॉर्म और फिटनेस के आधार पर खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा।

कौन होंगे नए चेहरे : बाबर और रिजवान की जगह टीम में जिन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, उनमें युवा बल्लेबाज सैम अय्यूब और विकेटकीपर के तौर पर मोहम्मद हारिस को मौका मिला है। वहीं कप्तानी का जिम्मा सलमान अली आगा को सौंपा गया है, जो हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं।

पाकिस्तान की टीम- सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी, सुफियान मोकिम।

वीर अहलावत डेनिश ओपन के संयुक्त 28वें स्थान पर

कोपेनहेगन (डेनमार्क), जेएनएन। भारतीय खिलाड़ी वीर अहलावत ने तीसरे राउंड में एक अंडर 70 का कार्ड खेला जिससे वह यहां फुरेसियो गोल्फ क्लब में चल रही डेनिश गोल्फ चैंपियनशिप में संयुक्त 28वें स्थान पर पहुंच गए। अहलावत के लिए यह एक दिलचस्प राउंड था क्योंकि उन्होंने शुरुआत से ही लगातार 14 पार लगाए। इसके बाद उन्होंने 15वें होल पर बोगी की, लेकिन 18वें होल पर ईगल लगाकर एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर राउंड का अच्छा समापन किया। इससे पहले अहलावत का स्कोर 73-68 था और अब तीन राउंड के बाद उनका कुल स्कोर दो अंडर है। वह चौथे राउंड में अच्छा प्रदर्शन करके डीपी वर्ल्ड टूर पर लगातार दूसरे सप्ताह कम से कम शीर्ष 30 में स्थान बना सकते हैं।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर अल्काराज सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में पहुंचे

सिनसिनाटी, जेएनएन। कार्लोस अल्काराज ने सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। अल्काराज ने सेमीफाइनल में अलेक्जेंडर जेवरेव को 6-4, 6-3 से हराकर लगातार सातवीं बार टूर-लेवल फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में कार्लोस अल्काराज के सामने एक बार फिर जानिक सिनर होंगे। अल्काराज और सिनर के बीच इस साल का चौथा और कुल 14वां मैच खेला जाएगा। अल्काराज ने कहा, मैं सिनर के खिलाफ एक बार फिर खेलने के लिए उत्सुक हूं। हर मैच में हम अपना स्तर ऊंचा उठाने की कोशिश करते हैं। मैं चुनौती लेने के लिए तैयार हूं। मैं उन गलतियों को सुधारने के लिए तैयार हूं, जो मैंने पिछले मैच में की थी। एटीपी के मुताबिक, 22 साल और तीन महीने की उम्र में अल्काराज राफेल नडाल (20) और नोवाक जोकोविच (21) के बाद नौ मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। अपने नौवें एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल (7-1) और पिछले साल इंडियन वेल्स खिताब जीतने के बाद से हार्ड कोर्ट पर अपने पहले फाइनल में पहुंचकर अल्काराज ने मोंटे-कार्लो और रोम में अपने खिताबों के बाद इस प्रतिष्ठित स्तर पर अपनी जीत का सिलसिला 16 मैचों तक पहुंचाया। इससे पहले, गत विजेता सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7-6(4), 6-2 से जीत हासिल की और अपने आठवें एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचे। सिनर ने विश्व के 136वें नंबर के खिलाड़ी टेरेंस एटमाने को हराया। सिनर की हार्ड कोर्ट पर यह 200वीं टूर-स्तरीय जीत थी। एटमाने बेशक सिनर से हारकर फाइनल में जगह नहीं बना पाए। लेकिन, इस टूर्नामेंट में अपने शानदार प्रदर्शन के आधार पर 67 स्थानों की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वोच्च 69वें स्थान पर पहुंच गए।

वर्ल्ड गेम्स 2025 में भारत ने जीते रिकॉर्ड तीन पदक

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत ने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चीन के चेंगदू में आयोजित वर्ल्ड गेम्स 2025 का समापन रिकॉर्ड तीन पदकों के साथ किया, जिसमें एक रजत और दो कांस्य शामिल थे। पदकों की संख्या के मामले से यह वर्ल्ड गेम्स में भारत का शानदार प्रदर्शन था। इससे पहले भारत ने दो पदक जीते थे। ये दोनों ही पदक जर्मनी के कार्लजूए में 1989 में पावरलिफ्टिंग में जीते थे। ऋषभ ने व्यक्तिगत पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत को 2025 वर्ल्ड गेम्स की पदक तालिका में दर्ज कराया। इसके बाद नम्रता बत्रा ने महिलाओं की सांडा 52 किग्रा इवेंट में रजत पदक जीता, जो वर्ल्ड गेम्स में वुशु में भारत का पहला पदक था। इसके बाद आनंदकुमार वेलकुमार ने भी इस लय को बरकरार रखा, जिन्होंने मेंस 1000 मीटर स्प्रिंट इनलाइन स्पीड स्केटिंग ट्रैक इवेंट में कांस्य पदक हासिल किया। कुछ करीबी मुकाबले भी हुए, जिनमें पदक जीतने से चूक गए। अभिषेक वर्मा मेंस कंपाउंड व्यक्तिगत कांस्य पदक मुकाबले में ऋषभ से हारकर पोडियम पर जगह नहीं बना सके। इसके अलावा, भारतीय बिलियर्ड्स खिलाड़ी शिवम अरोड़ा को मिक्स्ड हेबॉल पूल ब्रॉन्ज मेडल मैच में चीन के तांग चुनशियाओ से 5-4 से हार का सामना करना पड़ा।

अनिकेत और अनुष्का बने मप्र स्टेट बैडमिंटन चैंपियन

यश और ऐश्वर्या ने दो-दो ख़िताब जीते

भोपाल। इंदौर के अनिकेत परदेशी ने बड़वानी के ऋषभ राठौर को और एमपीबीए की अनुष्का शाहपुरकर नें उज्जैन की भूमिका वर्मा को पराजित का मप्र बैडमिंटन चैंपियन बनने का गौरव अर्जित किया। भोपाल डिस्ट्रिक्ट बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में गोविंदपुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, भोपाल द्वारा मप्र स्टेट बैडमिंटन चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया। जिया स्पोर्ट्स क्लब, गोविंदपुरा में स्पर्धा के अंतिम दिन इंदौर के अनिकेत परदेशी ने दूसरी सीड ऋषभ राठौर से पहला गेम 21-16 से जीता। दूसरे गेम में अपने अनुभव के सहारे ऋषभ नें 21-18 से गेम जीतकर स्कोर 1-1 कर मैच को रोमांचक बना दिया। निर्णायक गेम 15-15 तक बराबर चला। उसके बाद अनिकेत ने अटैकिंग खेल की रणनीति अपनाई और 21-16 से गेम जीतकर पहली बार सीनियर स्टेट बैडमिंटन चैंपियन बनने की उपलब्धि अर्जित की। महिला एकल फाइनल में अनुष्का नें पहला गेम 25-23 से जीता. लेकिन भूमिका नें दूसरे गेम को 21-16 से अपने नाम कर लिया। अंतिम गेम में अपनी फिटनेस और सटीक स्मैश के चलते अनुष्का नें आसानी से 21-4 से जीत दर्ज़ की। पुरुष युगल का ख़िताब अनुभवी पीयूष बोबाड़े-यश रायकवार ने शीर्ष वरीय आदित्योम-अनुज को कांटे के मुकाबले में 17-21, 21-17, 25-23 से हराकर अपने नाम किया। महिला युगल में पहली वरीयता वाली ऐश्वर्या व प्रियंका पंत की जोड़ी ने प्रनिका-स्वाति को सीधे गेम में 21-15, 21-14 से हराकर जीता. मिश्रित युगल फाइनल में यश परमार-ऐश्वर्या मेहता नें अनुज काले-प्रनिका होलकर को 23-21, 13-21, 21-14 से हराया। खिलाड़ियों को समारोह के मुख्य अतिथि श्रीराम जोशी, रजिस्ट्रार, जीएच यूनिवर्सिटी, साईखेड़ा, उमाशंकर विश्वकर्मा, जिया के सदस्य, अनिल चौघुले, सचिव मप्र बेडमिंटन संघ, दीपक श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष, मप्र बैडमिंटन संघ व बीडी गौर, चीफ रैफरी नें पुरुस्कृत किया।

रणजी, दिलीप ट्राफी में अर्जुन तेंदुलकर का नहीं हुआ चयन

मुंबई, जेएनएन। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने हाल ही सगाई करके अपने लाइफ की दूसरी पारी शुरुआत की है। इस दौरान उनको एक बड़ा झटका है। अर्जुन को 28 अगस्त से शुरू होने वाले रणजी दिलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का मौका नहीं मिला है। इस टूर्नामेंट में कई बड़े खिलाड़ी खेल रहे हैं, लेकिन सचिन के बेटे को इस बार नजरअंदाज कर दिया गया। गोवा की ओर से डोमेस्टिक क्रिकेट खेलने वाले अर्जुन तेंदुलकर को दलीप ट्रॉफी में खेलने की उम्मीद थी, लेकिन उनकी उम्मीदों को नार्थ ईस्ट जोन की टीम ने बड़ा झटका दे दिया है। रणजी ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप में चार मुकाबलों में 16 विकेट हासिल करने वाले अर्जुन तेंदुलकर को दलीप ट्रॉफी के लिए नार्थ ईस्ट जोन टीम में शामिल नहीं किया गया है। रोंगसेन जोनाथन की कप्तानी वाली इस टीम को 28 अगस्त को सेंट्रल जोन से भिड़ना है। अर्जुन तेंदुलकर ने रणजी ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप के चार मुकाबलों में 16 विकेट हासिल किए थे। इसकी वजह से गोवा ने प्लेट डिवीजन का खिताब जीता था। अर्जुन 2022-23 सीजन से गोवा की ओर से खेल रहे हैं। इस दौरान इस ऑलराउंडर खिलाड़ी ने गोवा के लिए यादगार शुरुआत की और दिसंबर 2023 में अपने पहले फर्स्ट क्लास मैच में शतक जड़ा।

समान अनुपात में समितियों को वितरित की जाये खाद : गणेश सिंह

सतना। सांसद गणेश सिंह ने कलेक्टर सतना को सुझाव दिया है कि रासायनिक खाद का वितरण सभी समितियों में समान अनुपात में किया जाए। उन्होंने कहा कि खाद की उपलब्धता के आधार पर सभी समितियों में बराबर अनुपात में वितरण किया जाना चाहिए। साथ हीए उन्होंने यह भी कहा कि जहां खुला वितरण होता हैए वहां टोकन सिस्टम के माध्यम से शासन द्वारा निर्धारित मूल्य पर खाद दी जानी चाहिए और अधिक मूल्य वसूलने पर रोक लगाई जानी चाहिए।

सुकन्या रक्षा अभियान 30 सितम्बर तक

सतना। मध्यप्रदेश डाक विभाग द्वारा सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खोलने हेतु 30 सितम्बर 2025 तक सुकन्या रक्षा अभियान का संचालन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सुकन्या समृद्धि योजना के वार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ-साथ समाज में बालिकाओं के भविष्य के प्रति जागरूकता बढाना है।

बिगौड़ी में बवाल, पंचायत के बाद लगाई आग

मौके पर पुलिस बल मौजूद आग पर पाया काबू

जागरण, सतना

विगत दिनो ताला थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुये एक हत्या के बाद रविवार को बिगौडी गांव में बवाल हो गया। बताया जाता है कि वहां पर लोगो ने पंचायत जमा रखी थी इसके बाद किसी ने आरोपी के घर आग लगा दी ऐसी जानकारी सोशल मीडियॉ में जमकर वायरल हुई है। हालांकि मौके पर पुलिस बल की मौजूदगी के चलते आग जनी पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है।

ये है मामला

जानकार बताते है कि बिगौडी में शिवनारायण तिवारी की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था मगर मृतक के परिजनो एवं अन्य लोगो द्वारा मांग की जा रही थी कि आरोपी का घर ध्वस्त कर दिया जाये। हो सकता है उनकी यह मांग प्रशासन एवं पुलिस की नजर में उचित नही रही हो। जिसके चलते आरोपी का घर नही गिराया गया। रविवार को लोगो ने वहां पर पंचायत जमा कर रखी थी मगर जब बात नही बनी तो किसी ने आग जनी की घटना को अंजाम दे दिया। बताया जाता है कि घटना को देखते हुये मैहर जिले का पुलिस बल बडी तादाद में ताला थाना क्षेत्र के बिगौडी में तनौत किया गया है फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण बताई जा रही है।

इनका कहना है : बिगौड़ी गांव में लोगो द्वारा की जा रही पंचायत के बाद आग जनी की घटना हुई है। आग जनी की घटना पर पुलिस ने पूरी तरह से काबू पा लिया है। एक व्यक्ति की हत्या ताला थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई थी। लोग मांग कर रहे थे कि आरोपी का घर ध्वस्त कर दिया जाये।

सुधीर कुमार अग्रवाल, एसपी मैहर

खिलाड़ी अब विश्वभर में अपनी मजबूत स्थिति बनाएंगे: गणेश सिंह

जागरण, सतना। सांसद गणेश सिंह ने कूड़ो चैंपियनशिप 2025.26 के खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के खिलाड़ी अब विश्वभर में अपनी मजबूत स्थिति बनाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलो इंडिया और फिट इंडिया कार्यक्रमों के माध्यम से खिलाडियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और हाल ही में खेल विधेयक 2025 पारित किया गया है। उन्होंने कहा कि चयन और प्रशिक्षण प्रक्रिया में पूरी तरह से पारदर्शिता होगी। पक्षपात और भेदभाव से मुक्ति मिलेगी। योग्यता के आधार पर खिलाडियों का चयन होगा। ज्ञात हो कि सांसद गणेश सिंह ने सतना लोकसभा क्षेत्र में सांसद ट्रॉफी का आयोजन करके खिलाडियों के लिए एक बड़ा प्लेटफार्म तैयार किया है। उन्होंने अकैडमी डायरेक्टर भारत कुमार गुप्ता और कूड़ो चैंपियनशिप के खिलाडियों को बधाई दी और खिलाडियों के माता.पिता से अपने बच्चों को खेल के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।

राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें

सतना। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय सतना में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुईं। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है।

राज्यमंत्री ने किया गौ-चिकित्सालय का शुभारंभ

सतना। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने रविवार को ग्राम तिघरा में दयोदय गौशाला सतना द्वारा निरीह अशक्त एवं बीमार गौवंश के उपचार हेतु संचालित गौसेवा एम्बुलेंस तथा गौ चिकित्सालय का शुभारंभ फीता काटकर किया। राज्यमंत्री ने कहा कि गौमाता केवल हमारे धर्म और संस्कृति की आत्मा ही नहीं, बल्कि भारतीय जीवन दर्शन की आधारशिला भी हैं। उन्होंने कहा कि बीमार और असहाय गौवंश की सेवा करना वास्तव में मानवता के सर्वोच्च धर्म का पालन करना है। इस पवित्र प्रयास से न केवल गौवंश को जीवनदान मिलेगा, बल्कि समाज में करूणा, संवेदना और सेवा भाव को भी नई दिशा मिलेगी। राज्यमंत्री ने दयोदय गौशाला परिवार को हृदय से धन्यवाद देते हुए कहा कि जिन्होंने गौसेवा को आधुनिक संसाधनों से जोड़कर एक अनुकरणीय पहल की है। आइए हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि गौमाता की रक्षा और सेवा में सदैव तत्पर रहेंगे। इसके बाद राज्यमंत्री ने गौ-शाला का निरीक्षण करते हुए गौमाता को गुड भी खिलाया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि तथा बडी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मनोज गुप्ता पुनः चुने गए कसौधन समाज के जिलाध्यक्ष

तिरंगा यात्रा के साथ हुआ अधिवेशन का आगाज

जागरण, सतना। कसौधन वैश्य समाज सतना का त्रैवार्षिक अधिवेशन का कार्यक्रम 15 अगस्त 25 को मिलन मैरिज गार्डन सज्जनपुर में दोपहर 1 बजे से आयोजित हुआ। तिरंगा यात्रा निकालते हुए वृहद वृक्षारोपण करते हुए ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान के साथ अधिवेशन प्रारम्भ हुआ। संरक्षक केशरी गुप्ता डॉ सुशील गुप्ता जी पी गुप्ता सीताराम गुप्ता दादन गुप्ता कोषाध्यक्ष विनय गुप्ता संयोजक ऋषिकेश गुप्ता कार्यक्रम के अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने की। मंचासिन रहे जिले के पदाधिकारी व मंडलों के अध्यक्ष कामता गुप्ता कमलेश गुप्ता वैष्णो ज्ञानचंद गुप्ता मुन्ना गुप्ता निधिगोपाल गुप्ता देवीदीन गुप्ता रामऔतर गुप्ता बल्देव गुप्ता रामचंद्र गुप्ता चंद्रभान कश्यप द्वारिका गुप्ता सज्जनपुर काशीगुप्ता अरुणेश गुप्ता गौरैय्या विनय गुप्ता श्रवण गुप्ता रैगांव सुरेश गुप्ता बिहरा सन्तोष गुप्ता मझगवा कृपाशंकर गुप्ता डॉ अशोक गुप्ता संतोष गुप्ता प्रहलाद गुप्ता रबी गुप्ता मनोज गुप्ता राजेंद्र गुप्ता मनोज गुप्ता अशोक गुप्ता। कार्यक्रम का संचालन जिला संयोजक ऋषिकेश महामंत्री डॉ संतोष गुप्ता द्वारा किया गया। महर्षि कश्यप ऋषि के चित्र पर दीप्रज्ज्वलन माल्यार्पण सभी अतिथियों द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत जिला संगठन मंत्री हरिशंकर गुप्त द्वारा माल्यार्पण कर किया गया। समारोह में उपस्थित सभी को गले में तिरंगे के पट्के पहना कर स्वागत किया करूणानिधान विजय गुप्ता सौरभ कश्यप शीतल निखिल किशन विजय गुप्ता प्रदुम्न गुप्ताएबलराम गुप्ता अंकुश गुप्ता द्वारा सभी का स्वागत किया गया। इसके पाश्चात्य तीन वर्षों की गतिविधियों की छपी हुई बुकलेट का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। सभी ने अपने उद्बोधन में जिला कमेटी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए मनोज गुप्ता के कुशल नेतृत्व पर समाज को संगठित करने के लिए निरन्तर चलाए गए जन जागरण के लिए बधाई दी । मंडलों के अध्यक्ष को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि कसौधन समाज को संगठित करने की दिशा में हमारी समिति निरन्तर प्रयास कर विकास की मुख्य धारा में जोड़ने हेतु सार्थक पहल की है। सभी के सहयोग के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए जिला अध्यक्ष द्वारा अपने भावुक उदगारों को इन पंक्तियों के साथ व्यक्त किया कि कई हार बाकी हैए कई जीत बाक़ी है।

अभी जिन्दगी का सार बाक़ी है, ये तो एक पन्ना है

अभी तो पूरी किताब बाकी है। स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामना देते हुए जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता जी ने वर्तमान समिति के कार्यकाल पूर्ण होने पर समिति को भंग करने की घोषणा की गई। समित के भंग होने के उपरान्त नवीन कार्यसमिति के गठन हेतु निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किए गए डा सुशील गुप्ता केशरी गुप्ता को निर्वाचन अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन की प्रक्रिया को बढ़ते हुए जिलाध्यक्ष के निर्वाचन हेतु सभा में उपस्थित सभी मंडलों एवं जिले के सदस्यों से प्रस्ताव मांगे गए। मंडल अध्यक्ष गौरैया काशीप्रसाद गुप्ता प्रस्तावक मनोज गुप्ता कोठी के समर्थन में मनोज गुप्ता सज्जनपुर का अभ्यर्थी फार्म चुनाव अधिकारी को लिखित रूप में दिया गया। चुनाव अधिकारी द्वारा मात्र एक ही अभ्यर्थी का आवेदन आने पर निर्धारित समय पूर्ण होने पर सर्वसम्मति से पुनः मनोज गुप्ता को जिलाध्यक्ष घोषित किया गया।

अलंकरण समारोह का हुआ आयोजन

जागरण, सतना। दि लवडेल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह समारोह नव.निर्वाचित छात्र परिषद को उनके पदभार सौंपने के लिए आयोजित किया गया। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। तत्पश्चात प्राचार्या श्रीमती श्रीति सोम द्वारा छात्र नेताओं को उनके पदों की शपथ दिलाई गई। स्कूल कैप्टन, स्कूल वाइस कैप्टन एहाउस कैप्टन, हाउस वाइस कैप्टन, स्पोर्ट्स कैप्टन आदि पदाधिकारियों को उनके कर्तव्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई। चयनित विद्यार्थियों में स्कूल कैप्टन बॉय के रूप में पार्थसारथी मिश्रा और स्कूल कैप्टन गर्ल के रूप में नीलाक्षी पांडे को चयनित किया गया । इसी श्रंखला में विद्यालय के चार हाउस वीनस हाउस की कैप्टन प्रज्ञा पयासी ,जुपिटर हाउस के कैप्टन धैर्य पयासी , मार्स हाउस के कैप्टन आरूस सिंह और मरक्यूरी हाउस के कैप्टन गौरव सिंह चुने गए।

मुख्य अतिथि मृगेंद्र सिंह ने छात्रों को नेतृत्व अनुशासन और ज़िम्मेदारी का महत्व समझाया। उन्होंने छात्र परिषद् को विद्यालय का अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान करने की प्रेरणा दी। विद्यालय की प्राचार्या ने अपने संबोधन में कहा कि यह समारोह न केवल नेतृत्व को स्वीकार करने का प्रतीक हैए बल्कि इससे छात्रों में आत्मविश्वास और उत्तरदायित्व की भावना का भी विकास होता है। विद्यालय के डायरेक्टर विनय सिंह,एकेडमिक डायरेक्टर सत्येंद्र तिवारी प्राचार्या श्रीमती श्रीति सोम और समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए अपनी बधाई प्रेषित की।

मैहर में नि:शुल्क शिविर का हुआ आयोजन

सतना। मैहर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जहां देशभक्ति का जज़्बा पूरे देश में चरम पर था वहीं मैहर में सामाजिक सरोकार और स्वास्थ्य जागरूकता का अनूठा संगम देखने को मिला। कांग्रेस नेत्री एवं समाजसेवी डॉण् रश्मि सिंह के तत्वावधान में दांतों चर्म स्किन एवं बालों के रोगों के लिए नि:शुल्क परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर शुक्रवारए 15 अगस्त को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलाए जिसमें बड़ी संख्या में नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए मरीजों ने भाग लिया।शिविर में दंत रोग विशेषज्ञोंए त्वचा रोग विशेषज्ञों और हेयर केयर विशेषज्ञों ने मरीजों की समस्याओं का विस्तार से परीक्षण कर उचित परामर्श दिया। दांतों की सफाई एवं सड़न की रोकथामए त्वचा संबंधी रोगों की पहचान एवं उपचारए बालों के झड़ने और अन्य समस्याओं के समाधान के साथ.साथ स्वस्थ जीवनशैली और खानपान पर भी मार्गदर्शन दिया गया।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com